धनबाद, शुक्रवार
18 अप्रैल 2025
वर्ष : 10 अंक : 318
पृष्ठ : 12
मूल्य : 3/-

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नई पत्र वार्ता

सोच आगे की ...

झारखंड: वित्त विभाग और एसबीआई के बीच राज्यकर्मियों के सैलरी पैकेज को लेकर हुआ एमओयू

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची, : मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन की उपस्थिति में गुरुवार को वित्त विभाग और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बीच राज्य सरकार के कर्मचारियों के सैलेरी पैकेज को लेकर एमओयू पर हस्ताक्षर हुआ। एमओयू पर वित्त विभाग की विशेष सचिव राजेश्वरी बी और भारतीय स्टेट बैंक के उप महाप्रबंधक देवेश मित्तल ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर वित्त मंत्री राधा कृष्ण किशोर, मुख्य सचिव अलका तिवारी, मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव अविनाश कुमार, प्रधान सचिव वंदना दादेल, भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक (झारखंड-बिहार) के. बी. बंगारराजू तथा महाप्रबंधक प्रभाष बोस मौजूद थे।

एमओयू के तहत जिन सरकारी कर्मचारियों का सैलरी अकाउंट भारतीय स्टेट बैंक में होगा, उन्हें बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के एक करोड़ रुपये तक का दुर्घटना बीमा सहित स्वास्थ्य बीमा एवं जीवन बीमा और कई अन्य बैंकिंग सेवाओं का लाभ मिलेगा।

मौके पर मुख्यमंत्री ने एमओयू हस्ताक्षर समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सभी श्रेणी के सरकारी कर्मियों के सम्मान, सुरक्षा और कल्याण के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। इस दिशा में सरकारी कर्मियों को आर्थिक सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में आज से एक नए अध्याय की शुरूआत हो रही है। इसी कड़ी में राज्य सरकार के कर्मियों को दुर्घटना बीमा का कवर प्रदान करने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ मिलकर यह कदम उठाया गया है। दुर्घटना बीमा के माध्यम से उन्हें सेवा काल के दौरान दुर्घटना में मौत होने पर उनके परिजनों को एक करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता मिलेगी। इसके अलावा कई और व्यवस्थाएं हमारी सरकार ने शुरू की है, जिसके जरिए सरकारी कर्मचारियों के हितों को सुरक्षित करने का कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज हर व्यक्ति अपने और अपने परिवार की सुरक्षा को लेकर चिंतित रहता है। चाहे वह आर्थिक सुरक्षा का मामला हो या फिर स्वास्थ्य या जीवन सुरक्षा का, हमारी सरकार अपने सभी सरकारी कर्मियों की आर्थिक सुरक्षा को लेकर दूरदर्शी सोच और संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह सरकार को आपकी चिंता है, उसी प्रकार अब झारखंड जैसे पिछड़े राज्य में एसबीआई जैसी संस्थाएं सहयोग के लिए आगे आ रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के विकास में सरकारी कर्मियों की अहम भूमिका होती है। राज्य कैसे आगे बढ़े, इसके लिए नीति निर्धारण से लेकर कार्य योजनाओं को धरातल पर उतारने का माध्यम सरकारी कर्मचारी बनते हैं। ऐसे में सरकारी कर्मियो का मनोबल बढ़ाने के साथ, उन्हें कार्य करने के लिए बेहतर वातावरण दिया जा है। सरकारी कर्मचारी भी राज्य हित में अपने कार्यों का निर्वहन पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ करें।

ब्रीफ न्यूज

जेपीएससी घोटाला के छह आरोपियों ने किया सरेंडर

रांची, (एजेंसी) : प्रथम जेपीएससी घोटाला के छह आरोपितों ने गुरुवार को सीबीआई की अदालत में सरेंडर कर दिया। इस मामले में जिन आरोपियों ने कोर्ट में सरेंडर किया है, उनमें सीमा सिंह, सुषमा सोरेन, ज्योति झा, कमलेश नारायण, संजीव कुमार और राजीव कुमार का नाम शामिल है। सभी आरोपितों ने कोर्ट के समक्ष 10-10 हजार रुपए के दो निजी मुचलके भी भरा है।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई ने जेपीएससी घोटाला से संबंधित केस में पिछले साल चार्जशीट दाखिल की थी। इसपर संज्ञान लेते हुए अदालत ने सभी अभियुक्तों के खिलाफ समन जारी किया था। अदालत से समन जारी होने के बाद कई आरोपितों ने हाईकोर्ट से अग्रिम बेल मांगी थी। अग्रिम बेल के आग्रह को हाईकोर्ट ने स्वीकार कर लिया है। इसके बाद सरेंडर और बेल बॉन्ड भरने की प्रक्रिया आरोपितों की ओर से पूरी की गयी। सीबीआई ने जेपीएससी घोटाला से जुड़े इस केस में कांड संख्या 5/2012 दर्ज की है।

प. बंगाल के मालदा में बम विस्फोट, पांच बच्चे घायल

मालदा, (एजेंसी) : वक्फ संशोधन अधिनियम को लेकर मुर्शिदाबाद में हुई हिंसा की चर्चा के बीच गुरुवार को मुर्शिदाबाद से सटे मालदा जिले में बम विस्फोट हुआ। कालियाचक थाना अंतर्गत बीरनगर-2 ग्राम पंचायत इलाके में हुए विस्फोट में पांच बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस घटना से इलाके में तनाव उत्पन्न हो गया।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार बीरनगर-2 ग्राम पंचायत इलाके में एक मकान खाली पड़ा है। गुरुवार अपराह्न उस मकान में पांच बच्चे खेल रहे थे। उनमें से एक ने गेंद समझकर बम उठा लिया और खेलने लगा। इसी दौरान बम में विस्फोट हो गया जिसमें पांचों बच्चे घायल हो गए। विस्फोट की तेज आवाज सुनकर स्थानीय लोग दौड़े। घायलों को सीलमपुर ग्रामीण अस्पताल ले जाया गया। हालांकि तीन को प्रारंभिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई, लेकिन दो का अभी भी अस्पताल में इलाज चल रहा है। विस्फोट की खबर मिलते ही मालदा जिले के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शमसम जैन के नेतृत्व में कालियाचक थाने से बड़ी संख्या में पुलिस बल **शेष पृष्ठ-4.....**

राज्यपाल से पूर्व विधायक और डीपीएस के प्राचार्य ने की मुलाकात

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से गुरुवार को पूर्व विधायक सौरभ नारायण सिंह ने राज भवन में मुलाकात किया। इस दौरान पूर्व विधायक ने पदमा पैलेस भूमि क्षेत्र को विनोबा भावे विश्वविद्यालय, हजारीबाग के उपयोग के लिए उपलब्ध कराने का प्रस्ताव दिया है। राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से रांची के दिल्ली पब्लिक स्कूल के प्राचार्य डॉ आरके झा ने भी राजभवन में भेंट की। साथ ही विद्यालय की विभिन्न शैक्षणिक सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों की जानकारी राज्यपाल को दी की। इस अवसर पर राज्यपाल से डॉ झा ने ह्यअर्थ डेह्न के उपलक्ष्य में

राज भवन परिसर में एक कार्यक्रम आयोजित करने के लिए आग्रह किया, जिसमें दिल्ली पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राएं भाग लेंगे। राज्यपाल ने इसे सहर्ष स्वीकार किया।

31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा, मुझे अपने जवानों पर पूरा भरोसा: शाह

नीमच,(एजेंसी) : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि 31 मार्च 2026 तक देश नक्सलवाद से मुक्त होगा और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) और सीआरपीएफ इसमें अहम भूमिका निभाएंगे। वे मध्यप्रदेश के नीमच जिले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 86वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित कर रहे थे। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा है कि 31 मार्च 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा होगा और सीएपीएफ तथा सीआरपीएफ, खासकर इसकी कोबरा (कमांडो बटालियन फॉर रेजोल्यूट एक्शन) इकाई इसमें अहम भूमिका निभाएगी।केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने

नीमच में 86वें केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल दिवस समारोह में परेड दल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि देश के किसी भी हिस्से में अशांति होती है, तब गृहमंत्री के नाते जब मुझे पता चलता है कि वहां सीआरपीएफ के जवान हैं, तब मुझे बहुत सुकून मिलता है, मैं अपने दूसरे काम भी करता हूं, क्योंकि भरोसा है कि अगर सीआरपीएफ के जवान हैं, तब जीत निश्चित है। चाहे कश्मीर घाटी में आतंकवादियों से लड़ना हो या पूर्वोत्तर में शांति बनाए रखने की जिम्मेदारी हो, और सबसे महत्वपूर्ण नक्सलवादियों को सिर्फ चार जिलों तक सीमित करना हो, इन सभी चीजों में सीआरपीएफ के जवानों का बड़ा रोल है। इसके पहले केंद्रीय मंत्री शाह ने सीआरपीएफ के शहीद वीरों को श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव भी मौजूद थे। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कार्यक्रम सीआरपीएफ के 86वें स्थापना दिवस समारोह का हिस्सा है। सीआरपीएफ दिवस हर साल 19 मार्च को मनाया जाता है, क्योंकि 1950 में इसी दिन तत्कालीन गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने बल को ध्वज सौंपा था। विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस साल विस्तारित समारोह के हिस्से के रूप में 17 अप्रैल को परेड आयोजित की गई।

जिस्लेटिव ड्राफ्टिंग पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे 13 देशों के 27 प्रतिनिधि

चंडीगढ़, (एजेंसी) : लेजिस्लेटिव ड्राफ्टिंग से संबंधित 36वें अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे 13 देशों के 27 प्रतिनिधियों ने गुरुवार को चंडीगढ़ में हरियाणा के मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी से मुलाकात की। कोटे डी आइवर, इक्वाडोर, होंडुरास, ग्वाटेमाला, श्रीलंका, मंगोलिया, म्यांमार, नाइजर, नाइजीरिया, मालदीव, तंजानिया,

जाम्बिया और जिम्बाब्वे जैसे देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रतिभागी लोकसभा के संसदीय लोकतंत्र अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान के सहयोग से आयोजित पांच दिवसीय कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

अपने संबोधन में मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने समावेशी कानून बनाने की प्रक्रियाओं के महत्व पर बल देते हुए कहा कि किसी भी कानून की रूपरेखा सभी हितधारकों की आवाज सुनकर ही प्रभावी ढंग से तैयार की जा सकती है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कानून की प्रासंगिकता और प्रभावकारिता सुनिश्चित करने के लिए उसमें समाज की आकांक्षाओं, भावनाओं और जरूरतें प्रतिबिंबित होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान एक मार्गदर्शक प्रकाश स्तंभ के रूप में कार्य करता है। इसमें सुनिर्धारित प्रक्रियाएं यह सुनिश्चित करती हैं कि कानून मजबूत **शेष पृष्ठ-4.....**

संपत्ति के अधिकार पर सुप्रीम कोर्ट गंभीर, केंद्र और केरल सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली,(एजेंसी) : सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार 17 अप्रैल को एक अहम संवैधानिक सवाल पर विचार करने की सहमति दी कि क्या किसी मुस्लिम व्यक्ति को, इस्लाम धर्म को छोड़े बिना, धार्मिक शरीयत कानून के बजाय धर्मनिरपेक्ष उत्तराधिकार कानून के दायरे में लाया जा सकता है। यह मामला केरल के त्रिशूर निवासी नौशाद के.के. की याचिका पर आधारित है, जिन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि उन्हें मुस्लिम पर्सनल लॉ की बजाय भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 के तहत संपत्ति के अधिकार दिए जाएं। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने इस याचिका को संज्ञान में लेते हुए केंद्र और केरल सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। कोर्ट ने कहा कि इस याचिका को पहले से लंबित समान मुद्दों वाली याचिकाओं के साथ जोड़कर सुनवाई की जाएगी।

इससे पहले अप्रैल 2023 में केरल के **शेष पृष्ठ-4.....**

हिंदू समुदाय के लिए खतरा बन चुकी हैं ममता बनर्जी: मिथुन चक्रवर्ती

कोलकाता(एजेंसी) : फिल्म अभिनेता से नेता बने मिथुन चक्रवर्ती पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी पर बड़ा और गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने साफ कहा कि बनर्जी हिंदु समुदाय के लिए बहुत बड़ा खतरा बन चुकी हैं। उन्होंने वक्फ कानून को बंगाल में लागू न करने लिए तल्ख लहजे में सवाल किया कि क्या ममता बनर्जी संविधान ऊपर हैं, उन्हें ये हक किसने दिया? अभिनेता ने आरोप लगाया कि राज्य में हो रही साम्प्रदायिक हिंसा के लिए ममता बनर्जी जिम्मेदार हैं। मिथुन बोले, ह्लबीजेपी नहीं, ममता बनर्जी ही साम्प्रदायिक तनाव फैला रही हैं। वो समुदायों के बीच फूट डालने का काम कर रही हैं। बंगाली हिंदू अब बेघर हो गए हैं, राहत कैंपों में खिचड़ी खा रहे हैं। उनकी गलती क्या है?

चक्रवर्ती का यह बयान उस वक्त आया जब ममता बनर्जी ने मुर्शिदाबाद की हिंसा को पूर्व-नियोजित बताया था **शेष पृष्ठ-4.....**

वक्फ बोर्ड में नियुक्ति और संपत्ति बदलाव पर रोक, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को जवाब के लिए दिए 7 दिन

नई दिल्ली,(एजेंसी) :वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 के खिलाफ दायर याचिकाओं की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने चुनौती देने वाले याचिकाकताओं को बड़ी राहत दे दी है। सर्वोच्च न्यायालय ने गुरुवार को केंद्र सरकार से कहा कि वह एक सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करे, और तब तक वक्फ बोर्ड में कोई नई नियुक्ति नहीं होगी और न ही वक्फ बाय यूजर संपत्तियों में किसी प्रकार का कोई बदलाव ही किया जाएगा। केंद्र की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत से स्टे न देने की अपील करते हुए जवाब दाखिल करने के लिए 7 दिन का समय मांगा, जिसे पीठ ने मंजूर कर लिया।

प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने स्पष्ट किया कि अंतरिम रूप से यथास्थिति बनी रहेगी, जिससे किसी पक्ष के अधिकारों को नुकसान न हो। सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि धारा 9 और 14 के अंतर्गत परिषद और वक्फ बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं होगी। साथ ही वक्फ बाय यूजर के अंतर्गत आने वाली संपत्तियों को डिनोटिफाई या परिवर्तित नहीं किया जाएगा।

वक्फ संबंधी मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में दूसरे दिन दोपहर दो बजे शुरू हुई। सुनवाई करते हुए कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता 05 दिनों के भीतर केंद्र के जवाब पर जवाब दाखिल कर सकते हैं, जिसके बाद मामले को अंतरिम आदेश के लिए सूचीबद्ध किया जा सकेगा। यहां एसजी तुषार मेहता ने स्टे नहीं लगाने का आग्रह हुए करते कोर्ट से कहा, ऐसा करके आप एक कठोर कदम उठाएंगे। हफ्तेभर का मुझे समय दे दें, ताकि जवाब दाखिल किया जा सके और दिखाया जा सके कि यह सब कैसे हुआ। एसजी तुषार की दलील पर सीजेआई ने कहा, कुछ कमजोरियां थीं तो वहीं कुछ सकारात्मक चीजें भी हैं। ऐसे में हम नहीं चाहते कि स्थिति बदले...। इस पर सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, केंद्र 7 दिनों के भीतर जवाब देना चाह रहा है। इसी के साथ उन्होंने अदालत को आश्वस्त करते हुए कहा, कि धारा 9 और 14 के तहत परिषद और बोर्ड में कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि इस मामले की सुनवाई की अगली तारीख तक वक्फ जिसमें पहले से रजिस्टर्ड या नोटिफिकेशन के जरिए से घोषित वक्फ बाय यूजर शामिल है, को न तो डिनोटिफाई किया जा सकेगा और न ही उसमें कलेक्टर ही कोई बदलाव कर सकेगा। सुप्रीम कोर्ट की त्रिपल बेंच ने एसजी के इस बयान को रिकॉर्ड पर लेते हुए अंतरिम आदेश जारी कर सरकार को 7 दिन में **शेष पृष्ठ-4.....**

संक्षिप्त खबर

गिरिडीह को रक्त केंद्र संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन, भारत सरकार के द्वारा ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट सदर अस्पताल गिरिडीह को रक्त केंद्र संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया है। सदर अस्पताल रांची के बाद गिरिडीह दूसरा जिला है जिसे रक्त केंद्र संचालन के लिए लाइसेंस प्रदान किया गया है। गौरतलब है कि बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सदर अस्पताल गिरिडीह में अवस्थित ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट सक्रिय है। जिससे सदर अस्पताल में 1000 यूनिट ब्लड संधारण की क्षमता हो गई है।इस नई सुविधा के जरिए रक्त के विभिन्न घटकों को जरूरतमंद मरीजों को सही समय पर उपलब्ध कराया जाता है।ब्लड सेपरेशन युनिट एक ऐसी तकनीक है जो ब्लड को आरबीसी, प्लेटलेट्स, प्लाज्मा जैसे घटकों में अलग करती है। ये घटक विभिन्न चिकित्सा स्थितियों के लिये इस्तेमाल किया जाता है। सेपरेशन युनिट के द्वारा एक ही रक्तदान से कई रोगियों की मदद की जा सकती है। यह युनिट रक्त की उपल्बधता में वृद्धि करने रोगियों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुसार उपचार प्रदान करने और रक्त से संबंधित बीमारियों के इलाज के लिये नये तरीके खोजने में मदद करती है। खासतौर पर थैलेसीमिया और गंभीर बीमारियों से ग्रसित बच्चों और मरीजों को इससे बड़ा लाभ मिलेगा। इसके अलावा गिरिडीह जिले में खून की कमी से किसी की मौत न हो, जिला प्रशासन इस दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। इस ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट से लोगों को काफी लाभ मिलेगा। इससे रक्त संग्रह भी अधिक समय के लिए हो सकेगा। ऐसे में जिले में गर्भवती महिलाओं समेत दुर्घटना में जख्मी होने वाले व थैलीसीमिया के मरीजों को जान बचाने के लिए रक्त की आवश्यकता होती है। ब्लड कंपोनेंट सेपरेशन यूनिट के माध्यम से आवश्यकता के अनुरूप व्यक्ति को उसके कंपोनेंट के अनुसार रक्त मुहैया कराया जा सकेगा। गिरिडीह जिला स्वास्थ्य सुविधा को बेहतर बनाने हेतु निरंतर प्रयासरत है। उपायुक्त,गिरिडीह नमन प्रियेश लकड़ा ने कहा कि मरीजों को बेहतर और समय पर उपयुक्त स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करना ही हमारी प्राथमिकता है।

उपायुक्त ने सहकारिता विभाग अंतर्गत संचालित विकासात्मक योजनाओं की समीक्षा की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में सहकारिता विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न विकासात्मक योजनाओं की बारी-बारी से समीक्षा की गई तथा सभी संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। बैठक में लैंप्सो की संख्या, गत माह तक निबंधित समितियों की संख्या, गोदाम निर्माण हेतु जमीन उपलब्धता से संबंधित, अंकेक्षण, बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सौर ऊर्जा, विद्युत ऊर्जा चालित कोल्ड रूम निर्माण, धान बीज उठाव, उर्वरक उठाव की समीक्षा कर आवश्यक व उचित दिशा निर्देश दिया गया। बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारी, जिला सहकारिता पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, गिरिडीह जिला समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

कोर्ट के आदेश से ही रजिस्टर टू मांगा जा रहा है : किजपा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : झारखंड उच्च न्यायालय के रिट याचिका के आदेश एवं अपर समाहर्ता गिरिडीह के द्वारा दिए गए निर्देश के आलोक में हजारों आवेदन शुल्क के साथ जमा लेने के बाद भी तिसरी अंचल अधिकारी द्वारा रजिस्टर टू की सत्यापित प्रति नहीं देने के विरोध में किसान जनता पार्टी का अनिश्चितकालीन धरना आठवें दिन भी किसान जनता पार्टी के तिसरी अंचल अध्यक्ष नीलम कुमारी एवं किसान जनता पार्टी के संयोजक दासो मुर्मू के नेतृत्व में जारी रहा। पहले की किसी अधिकारी कर्मी को तिसरी ब्लॉक में घुसने नहीं दिया गया। धरना को संबोधित करते हुए नीलम कुमारी ने कहा कि 20 मार्च को जब रोड जाम तिसरी में किया गया था तो तिसरी अंचल अधिकारी ने कहा था कि जमुआ जाकर प्रक्रिया समझकर आते हैं। अगर जमुआ में रजिस्टर टू दिया गया है तो तिसरी में भी देंगे। पर अब अखबार में बयान दे रहे हैं कि किसान जनता पार्टी की मांग गलत है। अंचल अधिकारी को यह बताना पड़ेगा कि अगर किसान जनता पार्टी की मांग गलत है तो झारखंड उच्च न्यायालय एवं अपर समाहर्ता गिरिडीह ने रजिस्टर टू का सत्यापित प्रति देने का आदेश कैसे दिए?अगर मांग गलत है तो जमुआ, बगोदर और गांडेय के अंचल अधिकारी रजिस्टर टू की सत्यापित दनादन कैसे दे रहे हैं? सबसे बड़ी बात, अगर मांग गलत है तो हजारों आवेदन, शुल्क के साथ स्वयं अंचल अधिकारी अखिलेश प्रसाद ने जमा लेने का निर्देश बार बार अपने स्टाफ को क्यों दिए? क्या अंचल अधिकारी अखिलेश प्रसाद ही सबसे ज्यादा ज्ञानी और बुद्धिमान हैं? उच्च न्यायालय के न्यायधीश, अपर समाहर्ता एवं जमुआ, बगोदर और गांडेय के अंचल अधिकारी मूर्ख हैं? किसान जनता पार्टी के संयोजक दासो मुर्मू ने कहा कि जब आदिवासियों की जमीन गैर आदिवासी को बेचने का प्रावधान ही नहीं है तो अंचल अधिकारी ने आदिवासियों के जमीन का जमाबंदी काफी संख्या में गैर आदिवासी भूमाफियाओं के नाम पर रजिस्टर टू में जमाबंदी कैसे कायम कर दिया।किसान जनता पार्टी के जिला महासचिव भागीरथ राय ने कहा कि खोरीमहुआ एसडीओ अखबार में बयान देते हैं कि लीगल मांग ही पूरा किया जा सकता है। इसलिए उनको यह भी बताना चाहिए कि हाइ कोर्ट का आदेश लीगल है या इलीगल? रजिस्टर टू के लिए शुल्क जमा लेने के 15 महीना बाद भी रजिस्टर टू नहीं देने पर ब्लॉक का गेट जाम करना लीगल है या इलीगल। अनिश्चितकालीन धरना और तिसरी ब्लॉक का गेट जाम करने में बैजुन मुर्मू, जोशील मरांडी, अन्ना मुर्मू, दशमी बास्के, जहांगीर अंसारी, भागीरथ राय, संचित गुप्ता, सनातन तिवारी, लालिया देवी, दहनी देवी, मोहन बेसरा, बड़कू किस्कू, दिनेश हेंब्रम, खुशबू देवी, हीरामन राय, मदन तुरी, जसिंता मरांडी, तालो हंसदा, मुन्नी हेंब्रम, मनवेल हंसदा,प्रमिला सोरेन, मुन्ना टुडू, हीरामणि बास्के, अकली हंसदा, मंजू सोरेन, जागो मुर्मू, डेगन राय, मोती बेसरा, मिनी देवी, गुड़िया देवी, विशुन राय, सुमनी सोरेन, मुन्नी हंसदा, पानो सोरेन, पार्वती मरांडी, शांति मरांडी, बड़की मरांडी, देवकी हंसदा, सुनील सोरेन, दासो मरांडी, बसंती टुडू सहित कई सौ किसान उपस्थित हैं।

उपायुक्त ने कार्य में लापरवाही बरतने को लेकर डीपीओ यूआइडी से पूछा स्पष्टीकरण

नया आधार पंजीकरण की धीमी प्रगति पर जताई नाराजगी, कई प्रखंडों में आंकड़ा शून्य

बंद पड़े आधार सेंटर को शुरू करने के लिए राज्य स्तर से पत्राचार करने का दिया निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में गुरुवार को उपायुक्त विजया जाधव ने जिले में आधार पंजीयन, सुधार कार्यों के प्रगति की समीक्षा की। मौके पर अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, सहायक जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार सिंह समेत अन्य उपस्थित थे।

उपायुक्त ने समीक्षा क्रम में आधार पंजीयन के प्रगति की जानकारी ली। इस क्रम में जनवरी से मार्च माह तक मात्र 185 लोगों के नया आधार पंजीयन होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। कहा कि चंद्रपुरा-चास-पेटरवार प्रखंड में शून्य एवं चंदनकियारी में मात्र 02 नया पंजीयन हुआ है। वहीं, शून्य से 05 वर्ष के बच्चों के लिए भी 28 फरवरी से 08 मार्च तक आयोजित शिविर में मात्र 133 नये बच्चों का पंजीयन हुआ है, जिसमें चंद्रपुरा प्रखंड में 02, जरीडीहझपेटरवार प्रखंड में मात्र 02 बच्चों का पंजीयन हुआ है। इस पर कड़ी आपत्ति जताते हुए उपायुक्त ने डीपीओ यूआइडी शैलेंद्र मिश्रा से स्पष्टीकरण पूछने का अपर समाहर्ता को निर्देश दिया।

वहीं, माह के अंतिम सप्ताह में पंचायत, प्रखंड स्तर पर विशेष शिविर आयोजित करने को लेकर डीपीओ यूआइडी, सीएससी मैनेजर को तैयारी करने का निर्देश दिया। मनरेगा, अबुआ आवास, पीएम आवास, झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि योजना, प्री मैट्रिकझपोस्ट मैट्रिक छात्रवृति योजना, आयुष्मान भारत योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री पशुधन योजना, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना आदि सभी योजनाओं के लाभ में आधार नंबर, बैंक खाता से आधार लिकेंज जरूरी है, इसलिए इसे उच्च प्राथमिकता देते हुए सतत आधार पंजीयन, आधार अपडेट के कार्य को करने को कहा। उन्होंने कहा कि कोई भी लाभुक आधार के अभाव में योजना का लाभ लेने से वंचित नहीं रहें यह सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने आम जनों से अपील की है कि वह अपने नजदीकी आधार केंद्र में जाकर अपना आधार पंजीयन कराएं एवं आधार अपडेट करें। समीक्षा क्रम में 45 आधार सेंटर के काम नहीं करने, पंचायत स्तरीय सीएससी में आधार पंजीयन बंद होने को लेकर डीपीओ यूआइडी, सीएससी मैनेजर को राज्य स्तर से पत्राचार करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर समीक्षा कर जरूरी दिशा निर्देश दिया।

जिला स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति में प्राप्त निर्देशों का करें शत-प्रतिशत अनुपालन : डीआरडीए निदेशक

उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार डीआरडीए निदेशक मेनका ने दिशा की प्रस्तावित बैठक को लेकर अनुपालन प्रगति की समीक्षा बैठक की, दिया जरूरी दिशा-निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : उपायुक्त विजया जाधव के निर्देशानुसार डीआरडीए निदेशक मेनका ने समाहरणालय स्थित अपने कार्यालय कक्ष में पूर्व में आयोजित जिला स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक के अनुपालन प्रतिवेदन की विभागवार समीक्षा बैठक की। मौके पर सभी विभागों के वरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। डीआरडीए निदेशक ने बताया कि कुछ दिनों में जिला स्तरीय विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक प्रस्तावित है। इसको लेकर पूर्व की बैठक में दिए गए दिशा-निर्देशों के अनुपालन की विभाग वार जानकारी ली। उन्होंने विभिन्न योजनाओं के प्रगति की जानकारी ली। कहा कि दिशा की बैठक में न केवल वर्तमान में चल रही योजनाओं की समीक्षा होगी बल्कि भविष्य की प्रस्तावित परियोजनाओं पर भी विचार-मंथन होगा। साथ ही, प्रस्तावित योजनाओं को कार्यरूप में परिणत करने पर भी चर्चा की जायेगी।

बैठक में डीआरडीए निदेशक ने मुद्रा योजना, पथ निर्माण विभाग, ग्रामीण कार्य विभाग और एनएच की सड़कें, विकास योजनाओं के लिए भूमि अधिग्रहण, झारखंड राज्य पुल निर्माण निगम की योजना, लघु एवं वृहद सिंचाई योजना, उज्ज्वला योजना, मत्स्य संपदा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, प्रधानमंत्री आवास योजना, वन एवं पर्यावरण विभाग आदि कार्यान्वित योजनाओं की समीक्षा और प्रस्तावित योजनाओं पर चर्चा की। संबंधित विभाग के पदाधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश दिया। अपूर्ण अनुपालन प्रतिवेदन को जल्द अद्यतन कर जिला को समर्पित करने का निर्देश दिया। प्राप्त निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन करने को कहा। इसके अलावा कई अन्य बिंदुओं पर एजेंडा वार समीक्षा की व जरूरी दिशा-निर्देश दिया। बैठक में संबंधित विभागों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

चापानल खराब, जलनल योजना बाधित और कुआं सूखने से पानी का संकट गहराया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : बेंगाबाद प्रखंड क्षेत्र के मधवा १डीह पंचायत के विभिन्न गांवों में पानी पीने के लिए भारी संकट देखने को मिल रहा है। पंचायत के सभी गांव में कुआं, तालाब, चापानल एवं जल नल योजना के तहत बनी टंकी भी जगह-जगह पर शोभा की वस्तु बनकर खड़ी है। किसी में पानी संचालित नहीं है जिससे लोगों को पानी पीने के लिए भारी दिक्कतें हो रही है। यह प्रचंड गर्मी में कई प्रकार के लोगों को पानी की आवश्यकता पड़ती है सभी गांव में अभी लगातार विवाह कार्यक्रम एवं अबुआ आवास, पीएम आवास, के अलावे स्वयं से बना रहे लोग अपने घर को बनाने के लिए पानी के लिए भारी तबाही है। कहीं पर पानी की सही सुविधा नहीं रहने की बातें सामने में खुलकर आ रही है। जल नल योजना के तहत बने शोभा वस्तु पंचायत के पानी का भी लेयर कम कर दिया है क्योंकि पूर्व से बने सभी चापानल धराशाई हो गया है। क्योंकि वह चापानल डेढ़ सौ फीट के करीब किया गया था और जल नल योजना के माध्यम से उससे ज्यादा डीप बोरिंग कर दिया गया है। जल नल योजना के तहत घर-घर में पाइप लाइन बिछा दी गई है। परंतु उसे जल योजना के तहत से सभी घरों में वह सिर्फ नल बनकर खड़ा है। इसलिए विभाग से लगातार मांग कर रहे हैं कि यथाशीघ्र चापानल सुदृढ़ तरीके से मरम्मत कर दिया जाए जिससे लोगों को पानी पीने के लिए भटकना नहीं पड़े।हालांकि मुखिया सिद्दीक अंसारी ने कहा है कि पंचायत में मात्र एक पानी का टैंकर है। उससे कहां-कहां पर पानी अपने स्तर से मुहैया करा सकेंगे।

मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

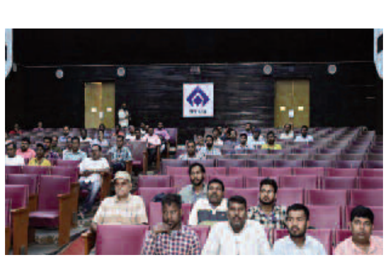

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बोकारो : गुरुवार को मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विभिन्न विभागो के लगभग 55 अधिकारीयों, कर्मचारीगण तथा निविदा कर्मियों के लिए सुरक्षा अभियंत्रण विभाग तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहयोग से यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सुरक्षा विभाग से सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो तथा ऊर्जा प्रबंधन विभाग से सहायक प्रबंधक सुशील कुमार साल्वी उपस्थित थे। सहायक महाप्रबंधक (सुरक्षा अभियंत्रण विभाग) सुखदेव महतो ने सभी प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा प्रतिभागियो को सुरक्षा शपथ दिलाई। तत्पश्चात गैस सुरक्षा पर जागरूकता कार्यक्रम के संबंध में विस्तृत जानकारी के साथ कार्यक्रम की आवश्यकता एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा स्टील प्लांट के लिए गैस के सुरक्षित उपयोग के महत्व के बारे में बताया तथा सभी प्रतिभागियो से इस कार्यक्रम से अधिकाधिक लाभ उठाने की अपील की। ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक प्रबंधक सुशील कुमार साल्वी ने एक प्रस्तुतीकरण के माध्यम से प्रतिभागियो को गैस सुरक्षा से संबन्धित जानकारी दी। कार्यक्रम के आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

समाहरणालय सभागार में बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : समाहरणालय सभागार में बेसिक लाइफ सपोर्ट ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण में बताया गया कि बेसिक लाइफ सपोर्ट एक अत्यंत आवश्यक जीवन रक्षक कौशल है, जो आपात स्थितियों जैसे हृदय गति रुकने, दम घुटने व अन्य गंभीर परिस्थितियों में त्वरित व प्रभावी प्रतिक्रिया देने में मदद करता है। सही समय पर की गयी कार्रवाई, पेशेवर चिकित्सा सहायता पहुंचने से पहले किसी की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जिसके तहत स्कूल व कॉलेज के छात्रों, सुरक्षा गार्डों, कर्मचारियों तथा आसपास के गांवों के समुदाय के सदस्यों को बीएलएस प्रशिक्षण प्रदान किया गया है ताकि वे आपात स्थितियों में आत्मनिर्भर व सक्षम बन सकें। आपात स्थितियां कभी भी और कहीं भी उत्पन्न हो सकती हैं। ऐसे समय में त्वरित व सही प्रतिक्रिया जीवन बचाने में निर्णायक भूमिका निभाती है. बीएलएस प्रशिक्षण न केवल लोगों को जीवन रक्षक सहायता देने में सक्षम बनाता है, बल्कि प्रथम प्रतिक्रिया देने वालों की संख्या बढ़ाकर समुदाय की क्षमता भी मजबूत करता है।यह आपात स्थिति व पेशेवर चिकित्सा सहायता के बीच के समय को कम करता है। जिससे जीवित बचने की संभावना बढ़ जाती है।बीएलएस ट्रेनिंग से पैरामेडिकल स्टाफ को आपातकालीन स्थिति में तुरंत प्रतिक्रिया देने में मदद मिलती है।जीवन बचाने में मददः बीएलएस तकनीकों का उपयोग करके आपातकालीन स्थिति में व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है। पेशेवर विकासः बीएलएस ट्रेनिंग पैरामेडिकल स्टाफ के पेशेवर विकास में योगदान करती है। प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला स्तरीय पदाधिकारी, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी, उपाधीक्षक, सदर अस्पताल, सभी ओटी असिस्टेंट एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, डोरण्डा, राजधनवार के सभी चिकित्सा पदाधिकारी तथा एएनएम,सभी पारामेडिकल कर्मी समेत अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त ने जिला स्तरीय जन्म-मृत्यु निबंधन से संबंधित बैठक आयोजित की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गिरिडीह : समाहरणालय स्थित सभागार कक्ष में उपायुक्त नमन प्रियेश लकड़ा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय जन्म-मृत्यु निबंधन से संबंधित बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में उपायुक्त ने कहा कि जन्म और मृत्यु अधिनियम 1969, जन्म और मृत्यु का पंजीकरण संशोधित अधिनियम 2023, झारखण्ड जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण नियमावली, 2009 तथा झारखण्ड जन्म और मृत्यु रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 2024 के तहत किया जाता है। वर्तमान में यह निबंधन प्रणाली ऑनलाईन है एवं इस कार्य हेतु नई दिल्ली के द्वारा विकसित पोर्टल डीसी.क्रासोर्गी.गोव इन का उपयोग किया जाता है। जिला में घटित सभी जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं का निबंधन करना अनिवार्य है। प्रत्येक जन्म एवं मृत्यु की घटनाओं का ससमय अर्थात 21 दिनों के अन्दर निबंधन किया जाना है। घटना की तिथि से 21 दिनों के भीतर सूचना देने पर जन्म एवं मृत्यु का निबंधन निबंधक द्वारा निःशुल्क किया जाता है। 21 दिनों से 30 दिनों तक की जन्म या मृत्यु की घटना की सूचना निबंधक को उपलब्ध कराने पर निबंधक द्वारा एक रूपया विलम्ब शुल्क लेकर निबंधन किया जाता है। 30 दिन के उपर एवं एक वर्ष तक घटनाओं का निबंधन जिला सांख्यिकी पदाधिकारी के लिखित आदेश पर निबंधक द्वारा एक रूपया विलम्ब शुल्क लेकर निबंधक द्वारा किया जाता है। उपायुक्त सह जिला रजिस्ट्रार गिरिडीह द्वारा बताया गया कि जन्म मृत्यु की घटना का निबंधन एक राष्ट्रीय महत्व का विषय है एवं इनका ससमय निबंधन अनिवार्य है। निबंधन संबंधी आंकडों का उपयोग सरकार द्वारा नीति निर्माण में किया जाता है। बैठक में उपायुक्त ने उपस्थित सभी अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि अपने क्षेत्रान्तर्गत सभी निबंधन इकाईयों में होने वाली प्रत्येक जन्म-मृत्यु घटना का ससमय निबंधन कराना सुनिश्चित करेंगे।

साथ ही अपने स्तर से सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी, गिरिडीह जिला को निर्देशित करेंगे कि प्रत्येक साप्ताहिक प्रखण्ड स्तरीय बैठक में तथा प्रत्येक तीन माह में प्रखण्ड स्तरीय अन्तर्विभागीय समन्वय समिति की बैठक आयोजित कर बैठक की कार्यवाही प्रतिवेदन जिला सांख्यिकी कार्यालय, गिरिडीह के माध्यम से अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करायेंगे। साथ ही सभी प्रखण्ड विकास पदाधिकारी को निदेश दिया गया कि सभी पंचायतों में कार्यरत पंचायत सचिव सह रजिस्ट्रार को अपने स्तर से निर्देशित करेंगे कि प्रत्येक सोमवार को पंचायत सचिवालय सह जन्म मृत्यु निबंधन कार्यालय में उपस्थित रहकर जन्म मृत्यु निबंधन से संबंधित कार्य करेंगे। साथ ही प्रखण्ड सांख्यिकी पर्यवेक्षक एवं प्रखण्ड पंचायती राज पदाधिकारी को निर्देशित करेंगे कि प्रत्येक माह कम-से-कम एक-एक निबंधन इकाई की जांच कर जांच प्रतिवेदन जिला सांख्यिकी कार्यालय, गिरिडीह को निश्चित रूप से उपलब्ध करायेंगे।

साथ ही प्रत्येक जन्म-मृत्यु घटना का निबंधन ससमय करना सुनिश्चित करेंगे। जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश दिया गया कि सभी सरकारी विद्यालयों में प्रथम प्रवेश पाने वाले बालक का जन्म प्रमाण पत्र की मांग अनिवार्य रूप से किया जाय तथा बालक का जन्म प्रमाण पत्र नहीं होने पर बालकों के अभिभावक से अनुरोध किया जाय कि वे अपने बालक का जन्म प्रमाण-पत्र स्थानीय रजिस्ट्रार से प्राप्त कर लें।

दिल्ली पब्लिक स्कूल चास में नेत्र जांच शिविर का आयोजन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

चास : विद्यार्थियों और शिक्षकों की दृष्टि और नेत्र स्वास्थ्य में सुधार पर केंद्रित एक विशेष पहल के रूप में डीपीएस चास में गुरुवार को निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया गया। निदेशिका व प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में विद्यार्थियों को निःशुल्क नेत्र जाँच कर परामर्श दिया गया। इस शिविर में संजीव नेत्रालय बारी को-ऑपरेटिव बोकारो की अनुभवी नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. दीपिका सिंह व उनकी सहयोगी डिम्पल पासवान तथा तकनीकी सहायक खोखन सरदार की टीम ने नेत्र परीक्षण किए और उन्हें अपनी कीमती आँखों की सुरक्षा के लिए नियमित रूप से चश्मा पहनने के महत्व के बारे में भी सलाह दी तथा माता-पिता को बच्चों के नेत्र स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने की सलाह दी। विद्यालय की निदेशिका सह प्राचार्या डॉ. मनीषा तिवारी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य आजकल बच्चों के द्वारा मोबाइल के प्रयोग से उत्पन्न दृष्टि समस्याओं में शीघ्र हस्तक्षेप प्रदान करने हेतु जागरूकता बढ़ाना था। ह्यबच्चे देश के भविष्य हैं और स्वस्थ भारत का सपना स्वस्थ बच्चों से ही संभव है। उन्होंने शिविर की सफलता में सहयोग के लिए चिकित्सक एवं स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त किया।

Page 3_Page 3.qxd 4/17/2025 10:34 PM Page 1

संक्षिप्त खबर

सेलपीकर मजदूरों का बकाया वेतन को लेकर महाप्रबंधक के साथ युकोवयू की वार्ता

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : ब्लॉक दो ओसीपी क्षेत्र के बेनीडीह मेन साइडिंग में कार्यरत सेलपीकर मजदूरों का बकाया वेतन सहित अन्य मांगों को लेकर गुरूवार को विधायक शत्रुघ्न महतो की पहल पर महाप्रबंधक अनुप कुमार राय ने युकोवयू पदाधिकारियों के साथ वार्ता किया. मजदूरों को संबंधित ट्रांसपोर्ट कंपनी प्रबंधन द्वारा तीन महीने से वेतन भुगतान नही करने पर युनियन पदाधिकारियों ने नाराजगी जतायी. वहीं विधायक ने दूरभाष पर प्रबंधन को जमकर फटकार लगाई. कहा मजदूरों पर शोषण कतई बर्दाश्त नहीं किया जायेगा. वहीं युकोवयू ने शीघ्र समाधान नहीं होने पर चक्का जाम करने की चेतावनी दी. महाप्रबंधक ने खेद जताते हुए एक सप्ताह के अंदर बकाया वेतन भुगतान करने का आश्वासन दिया.मौके पर संतोष गोराई नर्मदेश्वर पांडेय, बालमुकुंद प्रसाद सिंह, कृष्णा रवानी , प्रदीप रवानी, सोनू कुमार, शांति देवी , कलासी देवी , खेलू देवी , चैतलाल कुम्हार , सुकर रजवार, अर्जुन मोहाली, राजीव रंजन चक्रवर्ती आदि मौजूद थे.

कलियासोल नागरिक समिति के 20 सूत्री मांग को लेकर जेएलकेएम के साथ सीओ ने की बैठक

सीओ ने 25 अप्रैल को वार्ता में समाधान का दिया आश्वासन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

निरसा : कलियासोल नागरिक समित के बीस सूत्री मांगों को लेकर प्रखंड सह अंचल कार्यालय में गत 10 अप्रैल से चली आ रही धरना को लेकर प्रखंड अध्यक्ष विवेक मंडल की अध्यक्षता में अंचलाधिकारी के कक्षा में जेएलकेएम के वरिष्ठ नेता अशोक मंडल के नेतृत्व में 20 सूत्री समस्याओं के समाधान को लेकर एक बैठक हुई. बैठक में अंचलाधिकारी के द्वारा अपने विभाग के विषयों को लेकर वार्ता हुई. वहीं अन्य मांगों को लेकर अंचलाधिकारी द्वारा बताया गया कि आगामी 25 अप्रैल को सभी विभागों के अधिकारी प्रमुखों को पत्र के माध्यम से बुलाकर एक बैठक पुन कराई जाएगी.इस बीच आप लोग धरना को स्थगित रखें. आपकी जायज मांगों पर अवश्य विचार किया जाएगा. मौके पर नागरिक समिति के अध्यक्ष विजय सोरेन उर्फ ठाकुर मांझी सचिव दिल मोहम्मद जेएलकेएम के जिला अध्यक्ष शक्ति नाथ महतो सचिव सलाउद्दीन अंसारी, पूर्व सांसद प्रत्याशी एकलाख अंसारी, गोपाल भारती, निताई चटर्जी, मोहम्मद जियाउल,सोमनाथ महतो, दुलाल चक्रवर्ती, प्रसेनजीत सिंह, राजू झा, फारूक अंसारी एवं अन्य कई दलों के नेता व कार्य करता मौके पर उपस्थित थे.

केशरगढ पंचायत के पूर्व मुखिया राजू रजक के निधन पर धनबाद सांसद व बाघमारा विधायक ने जताया शोक

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : केशरगढ़ पंचायत के पूर्व मुखिया राजू रजक का अकस्मात निधन गुरूवार को हो गयी. वह लंबे समय से लिवर रोग से पीड़ित थे. सूचना मिलते ही धनबाद सांसद ढुलू महतो एवं बाघमारा विधायक शत्रुघ्न महतो पहुंचे एवं शोक संतप्त परिवार को सांत्वना देते हुए ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना किया. विधायक ने शोक संतप्त परिवार को हर संभव मदद पहुंचाने की बात कही. मृतक राजू रजक केशरगढ़ पंचायत में दो टर्म मुखिया रहे. उनके निधन से पंचायत में शोक की लहर है वह अपने पीछे एक पुत्र एवं एक पुत्री सहित भरापुरा परिवार छोड़ गये..न 2025 तक पेयजलापूर्ति करने का निर्देश दिया।

महाविद्यालय में दो दिवसीय कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन

खूंटी(**एजेंसी**)। कर्रा प्रखंड के पटेल शिक्षा स्नातक महाविद्यालय में 16 और 17 अप्रैल को दो दिवसीय कला और शिल्प प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक और प्राचार्य की उपस्थिति रही।

विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुतियों के साथ-साथ आकर्षक कला और शिल्प कृतियों की भी प्रदर्शनी लगाई। कार्यक्रम को सात समूहों में विभाजित किया गया था। छर्रे का मित्र, पलाश, इन्द्र धनुष, मरम्मत, मिष्ठी, योद्धा और कलात्मक हाथ। प्रत्येक समूह ने नृत्य, गीत और नाटक के माध्यम से सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों को मंचित किया। समूह की प्रस्तुति पुरुष पर महिला प्रभुत्व विषय पर आधारित नाटक और राजस्थान-असम की लोकनृत्य प्रस्तुति ने सभी का दिल जीत लिया और उन्हें प्रथम स्थान प्राप्त हुआ। योद्धा समूह ने पर्यावरण की रक्षा करें विषय को झारखंड की लोकसंस्कृति के माध्यम से बखूबी प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। मिष्ठी समूह ने सामाजिक माध्यम विषय पर आधारित अभिनय और बांगला लोकनृत्य से दर्शकों को प्रभावित किया और तृतीय स्थान हासिल किया।

ग्राम प्रधान ने डायन बताकर 118 परिवारों का किया सामाजिक बहिष्कार

पूर्वी सिंहभूम (**एजेंसी**) ।जिले के डुमरिया प्रखंड के 12 गांवों में 118 संताल परिवारों को ग्राम प्रधान ने डायन और तंत्र-मंत्र जैसी कुरीतियों के नाम पर सामाजिक रूप से बहिष्कृत कर दिया है। इन परिवारों का आरोप है कि ग्राम प्रधान छोटी-छोटी बातों पर नाराज होकर डायन बताकर बहिष्कार कर देते हैं। इससे न केवल सामाजिक बल्कि प्रशासनिक स्तर पर भी उन्हें तमाम परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। गुरुवार को सभी पीड़ित परिवार जिला मुख्यालय पहुंचे और उपायुक्त कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने प्रशासन से अलग ग्राम प्रधान को मान्यता देने की मांग की है।

नहीं मिल रही अंतिम संस्कार की भी अनुमति

मौके पर टुकाराम मार्डी नामक ग्रामीण ने बताया कि बहिष्कार के बाद इन परिवारों को न तो गांव के जल स्त्रोतों से पानी लेने दिया जा रहा है और न ही धार्मिक आयोजनों या अंतिम संस्कार में शामिल होने की अनुमति दी जाती है। ग्राम प्रधान की ओर से गांव के अन्य लोगों को निर्देश दिया गया है कि इन परिवारों से किसी भी प्रकार की बातचीत न की जाए। छोटा अस्ति गांव में सोनाराम हेंब्रम की अध्यक्षता में इन बहिष्कृत परिवारों ने बैठक कर गुरा हेंब्रम को नया ग्राम प्रधान चुन लिया। अब ये सभी परिवार प्रशासन से आग्रह कर रहा है कि इस नव-चुने गए प्रधान को सरकारी मान्यता दी जाए। ताकि, उन्हें सरकारी योजनाओं और मूलभूत अधिकारों से वंचित न रहना पड़े।

गांव के भागमत सोरेन ने बताया कि सभी बहिष्कृत परिवार सरना धर्म को मानने वाले हैं, फिर भी उन्हें अंधविश्वास और पारंपरिक सत्ता के नाम पर सामाजिक रूप से अलग-थलग कर दिया गया है। डायन बताकर बहिष्कृत करना ना केवल मानवाधिकार का उल्लंघन है, बल्कि एक अमानवीय अपराध भी है।

वहीं आठवीं कक्षा का छात्र कुंवर मुर्मू ने अपनी पीडा व्यक्त करते हुए कहा कि वह आठवीं कक्षा में पढ़ता है, लेकिन स्कूल में दूसरे बच्चे उससे बात नहीं करते और न ही साथ खेलते हैं। यही स्थिति अन्य बहिष्कृत परिवारों के बच्चों के साथ भी है। इससे उनकी शिक्षा और मानसिक स्थिति पर गंभीर असर पड़ रहा है। पीड़ित

निगम ने सात वाटर बॉटलिंग प्लांट संचालकों को दिया नोटिस

रांची(**एजेंसी**)। राजधानी रांची में नगर निगम ने अवैध जल संयोजन पर अंकुश लगाने के लिए अवैध जार वाटर बॉटलिंग प्लांटों पर शिकंजा कसते हुए गुरुवार को सात संचालकों को नोटिस दिया है। निगम ने इस अवैध जार वाटर बॉटलिंग प्लांट संचालकों से नोटिस देकर सात दिनों में संबंधित दस्तानवेज निगम कार्यालय में जमा करने को कहा है। इस संबंध में निगम की ओर से कहा गया है कि यइ इन अवैध बॉटलिंग प्लांटों की ओर से सही दस्तावेज नहीं दिखाया गया तो इनके खिलाफ विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए इन प्लांटों को सील कर दिया जाएगा। वहीं निगम की टीम ने वार्ड संख्या 42 के बिरसा चौक इलाके के सात सात जल संयोजन की जांच की और उन्हें नोटिस थमाया। निगम की टीम ने जिन प्लांट संचालाकों को नोटिस दिया है उनमें रानी कुमारी, सुशील देवी, अशोक कुमार, राजेश्वोरी, गणेश कुमार सिंह, सूरज यादव और पूनम देवी का नाम शामिल है। उल्लेखनीय है कि निगम की ओर से बुधवार को कुल 18 अवैध जल संयोजन और वाटर बॉटलिंग प्लांवट संचालकों को नोटिस दिया गया था। निगम ने राजधानी रांची में अवैध जल संयोजन पर अंकुश लगाने के लिए दो धावा दल का गठन किया है। पहला धावा दल रांची के वार्ड संख्या एक से 27 और दूसरी धावा दल की टीम वार्ड संख्या 28 से 53 में अभियान चलाएगी। यह जानकारी गुरुवार को नगर निगम ने दी।

रक्तदान से एक को नही, पूरे परिवार को नया जीवन मिलता है: स्मिता

खूंटी (**एजेंसी**)। कर्रा थाना परिसर में गुरुवार को एक दिवसीय रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य जरूरतमंद मरीजों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करना और आम नागरिकों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। इस अवसर पर प्रखंड विकास पदाधिकारी स्मिता नगेशिया के अलावा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी, चिकित्सक, थाना के पदाधिकारी और कर्मी, सामाजिक कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित थे। शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए 10 लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान किया। रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया, जिससे उनमें आत्मगौरव की अनुभूति हुई और समाज में सकारात्मक संदेश गया। प्रखंड विकास पदाधिकारी ने कहा कि रक्तदान महादान है। यह न केवल किसी जरूरतमंद की जान बचा सकता है, बल्कि समाज में सहयोग की भावना को भी सुदृढ़ करता है। उन्होंने ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया। मौके पर बीडीओ ने कहा कि जब भी आप रक्तदान करते हैं, तब आप सिर्फ एक आदमी का जीवन नहीं बचाते, बल्कि उसका परिवार को भी नई जिंदगी मिलती है। इसलिए हर योग्य व्यक्ति को रक्तदान जरूर करना चाहिए।

उपायुक्त ने की राजस्व संग्रहण की समीक्षा, दिये कई निर्देश

खूंटी (**एजेंसी**)। समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में गुरुवार को राजस्व संग्रहण और राजस्व विभाग से संबंधित कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजस्व संग्रहण, दाखिल खारिज, भूमि सीमांकन, ई-रेवेन्यू कोर्ट, सक्सेसन म्यूटेशन, पार्टीशन म्यूटेशन, एफआरए, भूमि हस्तांतरण, सर्टिफिकेट केस सहित अन्य की समीक्षा की गई।

बैठक में उपायुक्त ने नगर पंचायत क्षेत्र एवं विभिन्न अंचलों में हुए राजस्व संग्रहण की जानकारी लेते हुए शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने का निर्देश दिया। विशेषकर नगर पंचायत क्षेत्र में राजस्व संग्रहण में बढ़ोतरी करने को कहा गया।

विभिन्न अंचलों से प्राप्त प्रतिवेदन रिपोर्ट की बिंदुवार समीक्षा करते हुए दाखिल खारिज मामलों का समय से निष्पादन सुनिश्चित करने पर बल दिया। दस्तावेजों की गहन जांच के बाद निर्णय लेने का निर्देश दिया गया। नियमित रूप से ई-रेवेन्यू कोर्ट करने और ऑनलाइन रिपोर्ट अपडेट करने का निर्देश दिया गया। विभिन्न विकास योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भूमि चिह्नित करने और भूमि हस्तांतरण को लेकर भी सभी अंचल अधिकारियों को निर्देशित किया गया। उपायुक्त ने सभी अंचल अधिकारियों को नियमित रूप से अंचल कार्यालय में बैठने और आवश्यकता अनुसार रेवेन्यू कैम्प आदि का आयोजन कर आमजनों की समस्याओं के समाधान का निर्देश दिया। सभी वरीय अधिकारियों को ससमय विभिन्न अंचलों का निरीक्षण करने को कहा गया। बैठक में डीसीएलआर, जिला खनन पदाधिकारी, जिला परिवहन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक, कार्यपालक पदाधिकारी नगर पंचायत, सभी अंचल अधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित थे।

हत्या मामले में चार आरोपित गिरफ्तार, गये जेल

पलामू (**एजेंसी**)। पलामू जिले के हुसैनाबाद बीआरसी के रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर उर्फ सीताराम की हत्या साइकिल चोरी के आरोप से बचने के लिए कर दी गयी थी। रात्रि प्रहरी ने 15 मार्च की रात में तीन युवकों को दो साइकिल की चोरी करते देख लिया था। अगले दिन साइकिल वापस लाकर रख देने की सलाह दी थी। अन्यथा सबको जेल भेजवा देने की चेतावनी दी थी।

साइकिल चोरी में शामिल युवकों ने चोरी की घटना से बचने के लिए रात्रि प्रहरी की हत्या की योजना बनायी और 17 मार्च की रात में बीआरसी कार्यालय भवन की छत पर सोये अवस्था में बलुआ और लाठी से मारकर हत्या कर दी थी।

एएसपी राकेश कुमार सिंह ने गुरूवार को एसपी कार्यालय

सभागार में प्रेस वार्ता कर पूरी जानकारी देते हुए बताया कि कांड में शामिल साला-बहनोई सहित चार आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

उन्होंने कहा कि कांड के त्वरित अनुसंधान और खुलासे के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी हुसैनाबाद एस मोहम्मद याकूब के नेतृत्व में एक एसआईटी टीम का गठन किया गया था। एसआईटी ने गुप्त सूचना के आधार पर सिंचाई विभाग नहर कॉलोनी में रहने वाले योगेन्द्र डोम को पूछताछ के लिए हुसैनाबाद थाना लाया । इस क्रम में योगेन्द्र ने अपराध स्वीकार करते हुए बताया गया कि गत 15 मार्च की रात्रि में बहनोई सनोज डोम और उसके साथी सोनू डोम एवं बिगू डोम के साथ मिलकर दो साइकिल की चोरी की थी। चोरी करते समय इन्हे रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर ने देख लिया था, इस कारण अगले दिन शाम करीब सात बजे रामदेव ने इन्हें बोला कि जो साइकिल चोरी की है, उसे लाकर रख दे नहीं तो सबको जेल भेजवा देंगे।

तब चारों साथी ने मिलकर योजना बनायी कि रात्रि प्रहरी ने इन्हें चोरी करते हुए देख लिया है, इसलिए उसे ठिकाना लगाना होगा नहीं तो वह फंसा देगा। तब इनके बनाये प्लान के अनुसार 17 मार्च की रात्रि में सनोज डोम, बिगू डोम और सोनू डोम ने बीआरसी कार्यालय भवन की छत पर सोये रात्रि प्रहरी रामदेव ठाकुर को बलुआ और बांस की लाठी से मारकर हत्या कर दी। हत्या में इस्तेमाल बलुआ सनोज डोम के घर से मिला। पूर्व चोरी गयी दोनों साइकिल को आरोपितों की निशानदेही पर बरामद किया गया।

उपायुक्त ने जलशोध संस्थान और हेरुआ डैम का किया निरीक्षण

चतरा(**एजेंसी**)। उपायुक्त रमेश घोलप ने गुरुवार को उप विकास आयुक्त अमरेंद्र कुमार सिन्हा और अन्य के साथ शहरी जलापूर्ति योजना अन्तर्गत जलशोध संस्थान एवं जलाशय हेरुआ डैम का निरीक्षण किया । उन्होंने निरीक्षण के क्रम में निर्देशित करते हुए कहा कि जलाशय हेरुआ डैम पर उपस्थापित स्पिलवे गेट के मरम्मति का प्राक्कलन को तकनीकी स्वीकृति के बाद कार्यालय में उपस्थापित करें ताकि प्रशासनिक स्वीकृति देते हुए और मानसून के पूर्व उक्त मरम्मति कार्य का निविदा कर एजेंसी के माध्यम से कार्य को पूर्ण कराने को कहा। हेरुआ डैम सुख जाने के कारण पेयजल की समस्याओं को देखते हुए वर्त्तमान में भेड़ी फार्म से नियमित रासनिंग करते हुए माह-जून 2025 तक पेयजलापूर्ति करने का निर्देश दिया।

जलापूर्ति योजना को जून तक पूरा करें अधिकारी : डीडीसी

पूर्वी सिंहभूम (**एजेंसी**) : पूर्वी सिंहभूम जिला में पेयजल और स्वच्छता विभाग की प्रगति को लेकर जमशेदपुर स्थित समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उप विकास आयुक्त (डीडीसी) अनिकेत सचान की अध्यक्षता में समीक्षात्मक बैठक की गई। बैठक उपायुक्त अनन्य मित्तल के निर्देश पर बुलाई गई थी। इसमें जल जीवन मिशन और स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत चल रही योजनाओं की ताजा स्थिति की समीक्षा की गई और अधिकारियों को जरूरी निर्देश दिए गए।

बैठक में उप विकास आयुक्त ने बागबेड़ा वृहद जलापूर्ति योजना को आगामी जून माह तक पूर्ण कर पेयजल आपूर्ति शुरू करने का निर्देश दिया। साथ ही बोड़ाम-पटमदा जलापूर्ति योजना के पाइपलाइन बिछाने के कार्य में तेजी लाकर एक माह के भीतर पूर्ण करने को कहा। गुड़ाबांदा जलापूर्ति योजना में एक स्थानीय व्यक्ति की ओर से कार्य में की जा रही बाधा पर कड़ी नाराजगी जताते हुए उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोबारा रुकावट डाली गई तो संबंधित व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज की जाएगी। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत लगभग 70 गांवों को पेयजल आपूर्ति से जोड़ा जाएगा। उप विकास आयुक्त ने बागबेड़ा हाउसिंग कॉलोनी में अवैध जल कनेक्शन के खिलाफ विशेष अभियान चलाकर कार्रवाई करने के निर्देश भी दिया।

साथ ही ग्राम जल और स्वच्छता समिति के साथ समन्वय बनाकर नियमित जलापूर्ति, उचित रखरखाव और वाटर टैक्स जमा करने को कहा। प्रमाणीकरण में भी तेजी लाने का निर्देश बैठक में डीडीसी ने स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत ओडीएफ प्लस गांवों के प्रमाणीकरण में भी तेजी लाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि दिसंबर 2025 तक जिले के 1640 गांवों को ओडीएफ प्लस घोषित करने का लक्ष्य निर्धारित है। उप विकास आयुक्त ने ठोस और तरल कचरा प्रबंधन को लेकर ग्रामीणों को जागरूक करने पर जोर दिया।

कचरा पृथक्करण शेड का निर्माण

बैठक में कहा गया कि जिले के 46 पंचायतों में प्लास्टिक कचरा पृथक्करण शेड का निर्माण किया गया है, जिन्हें ग्राम जल स्वच्छता समिति के माध्यम से प्रभावी रूप से संचालित करने को कहा गया।

रामगढ़ सदर अस्पताल में कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ. सतीश शर्मा करेंगे मरीजों का इलाज

रामगढ़ (**एजेंसी**) । रामगढ़ जिले वासियों को अब कैंसर संबंधित जांच कराने रांची का चक्कर नहीं लगाना पड़ेगा। अब कैंसर स्पेशलिस्ट डॉ सतीश शर्मा हर रविवार को सदर अस्पताल में बैठेंगे। डॉ सतीश शर्मा रोगियो का इलाज निशुल्क करेंगे। उनका बैठने का समय हर गुरुवार को सुबह 10:30 बजे से लेकर दिन के 2:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। इसे लेकर गुरुवार को एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसका शुभारंभ सीएस डॉ महालक्ष्मी ने विधिवत दीपप्रज्वलित कर किया। मौके पर मेडिकल ऑकोलॉजिस्ट डॉ सतीश शर्मा ने कहा कि अब कैंसर का इलाज संभव है ।जरूरी है शुरूआत में ही इसकी पहचान हो जाए और समय से सही इलाज शुरू हो जाए। डॉ शर्मा ने कहा कि मैं यही कुजू रामगढ़ का स्थानीय निवासी हूं और समाज सेवा में रुचि रखता हूं। इसलिए अपने जिला वासियों को कैंसर से संबंधित रोगों के इलाज में भगवान महावीर मेडिकल अस्पताल की तरफ से लगातार सेवा देता रहूंगा। सर्जिकल ऑकोलॉजिस्ट डॉक्टर संदीप कुमार ने कहा कि कैंसर की शुरूआत में ही पहचान हो जाने से उसकी सर्जरी हो जाती है और अब रेडिएशन एवं कीमोथेरेपी का नए तकनीक आ चुका है इसलिए कैंसर का इलाज संभव है जरूरत है जागरूकता के और इसीलिए आज हम सदर अस्पताल रामगढ़ में उपस्थित 55 सहियाओ को इससे संबंधित प्रशिक्षण भी मुहैया करा रहे हैं ताकि वह अपने क्षेत्र में किसी भी मरीज के लक्षण को जानते हुए तुरंत हमसे सदर अस्पताल रामगढ़ में संपर्क करें और समय से उसका इलाज संभव हो पाए। आज के इस आयोजन को जिला यक्ष्मा पदाधिकारी डॉ स्वराज, जिला कुष्ठ रोग पदाधिकारी डॉ तुलिका रानी ने भी संबोधित किया।

प्राइवेट विशेषज्ञ चिकित्सकों का भी सेवा ले रहा है सदर अस्पताल

उपाधीक्षक डॉ ठाकुर मृत्युंजय कुमार सिंह ने कहा कि हम प्रयासरत हैं की सदर अस्पताल रामगढ़ में सरकारी चिकित्सको के साथ-साथ प्राइवेट विशेषज्ञ चिकित्सकों का भी सेवा ले। अंत में सिविल सर्जन डॉ महालक्ष्मी प्रसाद ने आमजन से अपील की है कि जिसे भी स्तन में गांठ हो, लंबे समय से लिकोरिया की शिकायत हो या अत्यधिक रक्त स्त्राव की समस्या हो, वजन घट रहा हो, मुंह के अंदर उजाला या लाल छाला आ रहा हो और मुंह खोलने में परेशानी हो रही हो, शरीर में जगह-जगह लिंफ नोड हो, बिना समय गंवाए सदर अस्पताल रामगढ़ में आकर कैंसर विशेषज्ञ चिकित्सकों से अपना इलाज कराएं। आज के इस कार्यक्रम में कल 36लोगों का इलाज किया गया, जांच की गई, जिसमें अधिकांश मरीजों में ब्रेस्ट लंप एवं ल्यूकोरिया के शिकायत पाई गई।

संक्षिप्त खबरें

गया से 40 हजार क्विंटल चावल भेजा जाएगा सीतामढ़ी

जिले में अप्रैल माह में लक्ष्य के 84 फीसदी सीएमआर जमा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया :गया जिले से 40 हजार क्विंटल चावल सीतामढ़ी भेजा जाएगा।गया एसएफसी के गोदाम में जमा होने वाले सीएमआर चावल की खेप अप्रैल माह में ही भेजी जाएगी। इस संबंध में गया के डीएम डॉ त्यागराजन एसएम ने सीतामढ़ी डीएम से चावल का जल्द से जल्द उठाव कराने के लिए कहा।

सीतामढ़ी से चावल का डिमांड होने पर गया से चावल भेजने की व्यवस्था की गई है। सीएमआर चावल को पीडीएस लाभुकों को बांटने में उपयोग होता है। सभी चावल को सड़क मार्ग से भेजने की व्यवस्था है।

जिले में अप्रैल माह में लक्ष्य के 84 फीसदी सीएमआर जमा

किसानों से खरीद किये गए धान से तैयार सीएमआर चावल को एसएफसी के गोदामो में तेजी से जमा कराया जा रहा है। जिले में अप्रैल माह में 99 टन चावल जमा कराने का निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप अबतक 84 फीसदी सीएमआर चावल जमा किया गया है। इस तरह सीएमआर चावल जमा कराने में रोहतास के बाद गया जिले का स्थान अव्वल है। एसएफसी के जिला प्रबन्धक राजीव कुमार सिंह जे नेतृत्व में राइस मिलरों से लगातार संपर्क स्थापित कर सीएमआर चावल जमा कराने का कार्य लगातार जारी है। जिले में कुल एक लाख 31 हजार टन चावल एसएफसी के गोदामो में 15 जून तक जमा कराना है। बुधवार को एसएफसी के जिला प्रबन्धक ने चावल भंडारण गोदामो का निरीक्षण किया गया। चावल भंडारण में किसी प्रकार से स्थान की कमी नहीं हो इसके लिए डीएम के निर्देश पर चंदौती में 20 हजार टन क्षमता का दो गोदाम को उपलब्ध कराया गया। बताया गया कि बड़े जिलों में रोहतास के बाद गया जिला दूसरे स्थान पर है। रोहतास 85 फीसदी तो गया जिला 84 फीसदी सीएमआर चावल जमा करा लिया है।

धनबाद सासाराम इंटर सिटी में आज से जुड़ेगी एक एसी चेयर कार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : ग्रीष्मकालीन ऋतु के मद्देनजर 18 अप्रैल से 18 जुलाई तक गाड़ी संख्या 13305/06 धनबाद- सासाराम- धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस में अस्थायी रूप से 01 वातानुकूलित चेयर कार के साथ चलाने की मंजूरी दी गई है. जिसके परिणामस्वरूप धनबाद- सासाराम- धनबाद इंटरसिटी एक्सप्रेस को साधारण श्रेणी के 15 कोच एवं वातानुकूलित चेयर कार के 01 कोच के साथ चलाया जाएगा.

प्रखंड बीस सूत्री मेंबरों ने बीडीओ से मिलकर की बीस सूत्री कार्यालय की मांग

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया) : प्रखंड कार्यान्वयन समिति के लोगों ने बीडीओ से प्रखंड कार्यालय में बीस सूत्री कार्यालय की मांग की है। प्रखंड जदयू अध्यक्ष व बीस सूत्री उपाध्यक्ष रणविजय कुमार बीस सूत्री सदस्य अशोक सिंह, पप्पू मालाकार, मुकेश कुमार, मो. मिनहाज व उषा देवी के साथ गुरुवार को प्रखंड कार्यालय पहुंच बीडीओ शशिभूषण साहू से मुलाकात की। उन्होंने बीडीओ से प्रखंड कार्यालय में परिसर में बीस सूत्री का कार्यालय की व्यवस्था कराने की मांग रखी। इसके साथ ही क्षेत्र के विकास के मुद्दे पर भी चर्चा की और अपना सुझाव दिए। बीडीओ ने जल्द ही बीस सूत्री कार्यालय की व्यवस्था कराने का आश्वासन दिया। साथ ही कहा कि क्षेत्र के विकास में आप सभी का सहयोग अपेक्षित है।

दस दिन पूर्व अपहृत नाबालिक लड़की सहित अपहर्त्ता गिरफ्तार

पूर्वी चंपारण,(एजेंसी) :जिला के तुरकौलिया थाना क्षेत्र के एक गांव से दस दिन पूर्व अपहृत नाबालिक लड़की को पुलिस ने बरामद किया है। साथ ही पुलिस ने एक अपहरणकर्ता आरोपी को भी पकड़ा है।

पकड़ा गया आरोपी युवक बिजुलपुर पंचायत के टिकुलिया गांव के अमेरिका सहनी का पुत्र चंदन कुमार है। पुलिस ने बरामद लड़की को कोर्ट में 164 के बयान कराने की प्रक्रिया में लगी है। जबकि पकड़े गए आरोपी युवक चन्दन को न्यायिक हिरासत में भेज दिया दिया है। बताया जाता है कि अप्रैल के प्रथम सप्ताह में एक गांव से एक नाबालिक लड़की का अपहरण कुछ लोगो ने मिलकर कर लिया। मामले में अपहृत लड़की के पिता के आवेदन पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया था।

मंझलाकला में पानी भरे तालाब से कक्षा छह के छात्र का शव बरामद, हत्या की आशंका

छात्र उदय के आंख, गर्दन व ठुड्डी के पास मिला जख्म का निशान

घर से बुधवार दोपहर 12 बजे से लापता था छात्र उदय

फॉरेंसिक टीम ने की घटना की जांच, जल्द होगा मामले का खुलासा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

फतेहपुर (गया): गुरपा थाना क्षेत्र की नौडीहा झुरांग पंचायत के मंझलाकला गांव निवासी उपेन्द्र यादव के 12 वर्षीय पुत्र व कक्षा छह के छात्र उदय का शव गुरूवार को सुबह में गांव स्थित चार पीट पानी भरे तालाब से बरामद किया गया। छात्र के आंख, गर्दन व ठुड्डी के पास गहरा जख्म का निशान पाया गया है। इससे यह आशंका जाहिर कब्जा रही है कि छात्र की किसी नुकीले हथियार से मारकर हत्या करने के बाद उसके शव को तालाब में फेंक दिया गया है। छात्र का साइकिल भी उसी तालाब से व चप्पल तालाब के बाहर किनारे रखा मिला है। परिजनों ने बताया कि बुधवार को उदय 12 बजे स्कूल से घर आया। वह खाना खाने के बाद साइकिल से छोटी बहन के लिए बिस्कुट लाने घर निकला। इसके बाद काफी देर जब वह घर नहीं लौटा तो परिजनों की चिंता बढ़ गई। उदय की मां छोटे बेटे को डॉक्टर के यहां से इलाज करवाकर जब घर लौटी तो उसे उदय के घर नहीं आने की जानकारी मिली। इसके बाद परिजनों उसे खोजबीन शुरू कर दिया। परिजन उसे काफी खोजबीन किया लेकिन उसका कहीं अतापता नहीं चला। तब रात दस बजे परिजन ने गुरपा थाना में उदय के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद भी परिजनों उसका खोजबीन जारी रखा। परिजन ग्रामीणों के सहयोग से गांव स्थित तालाब में भी खोजबीन किया लेकिन उसका वहां भी पता नहीं चला। उदय के नहीं मिलने से परिजनों की चिंता बढ़ गई। इधर, उदय के लापता होने की जानकारी कोलकता में रह रहे उसके पिता उपेंद्र यादव को भी दे दी गई। सूचना मिलते ही उपेन्द्र भी सुबह में घर पहुंच गया।

परिजनों व ग्रामीणों ने बताया कि खोजबीन के दौरान गुरुवार को सुबह में गांव स्थित उसी तालाब में उदय का शव तैरता हुआ पाया गया। जबकि रात में ही तालाब में उसका खोजबीन किया गया था। लेकिन कुछ नहीं मिला था। छात्र उदय का शव बाहर निकालने पर उसके आंख, गर्दन व ठुड्डी के पास कई गहरा जख्म व काला होने का निशान पाया गया। उसका साइकिल भी उसी तालाब में मिला और चप्पल तालाब के बाहर पड़ा मिला। उनका कहना है कि हत्यारों ने उदय की किसी नुकीले हथियार से मारकर निर्दयता से हत्या कर शव को उसके घर पास स्थित तालाब में फेंक दिया।

इधर, छात्र उदय की मां मुन्नी देवी और दादा गोविंद यादव ने बताया कि उनका गांव घर में किसी के साथ कोई लड़ाई-झगड़ा या पुरानी दुश्मनी नहीं है। इसके बाद भी किसने और किस दुश्मनी में उनके बच्चे की हत्या की हत्या की है। यह तो उन्हें पता नहीं है। उदय की मौत के बाद उसकी मां मुन्नी देवी और पिता उपेंद्र यादव का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है। बेटे के गम में मां बार-बार बेहोश हो जा रही है। वह हमरा छोड़ के कहां चल गेना हो बेटवा कहकर दहाड़ मारकर रोने लगती है। अन्य परिजनों का भी रो रोकर तबियत बिगड़ गई है।

इधर, घटना की खबर पाकर गुरपा थानाध्यक्ष सूर्यवीर कुमार गुप्ता दल बल के साथ घटना स्थल पहुंचे और घटना स्थल का जायजा लिया। साथ ही छात्र के शव का मुआयना किया और वहां मौजूद रहे परिजनों व ग्रामीणों से घटना के बारे जानकारी ली। थानाध्यक्ष ने बताया कि ग्रामीणों की मांग पर घटना की जांच के लिए एफएसएल की टीम और खोजी कुत्ता को भी बुलाया गया। एफएसएल की टीम ने जांच के कई साक्ष्य इकट्ठा किए है। उन्होंने बताया कि यह हत्या मामला है या कुछ और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चल पाएगा।

ऑपरेशन अमानत : 2248 मामले में यात्रियों का 3 करोड़ 83 लाख रुपये की संपत्ति बरामद

पूर्व मध्य रेलवे में वर्ष 2024-25 के तहत आरपीएफ एडीजी एससी पाढ़ी ने के मॉनिटरिंग

आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के नेतृत्व में की गई कार्रवाई

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : पूर्व मध्य रेलवे के धनबाद,डीडीयू,दानापुर, समस्तीपुर व सोनपुर रेल डिवीजन में आरपीएफ की टीम ने विभिन्न ऑपरेशन के तहत चलाये गए अभियान में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। ऑपरेशन अमानत के तहत चलाये गए अभियान में 2 हजार 248 मामले में 3 करोड़, 5 लाख 83 हजार रुपये मूल्य की सम्पत्ति को बरामद कर यात्रियों को वापस लौटाया गया। इसी तरह ऑपरेशन नन्हें फरिश्ते के तहत गया जंक्शन सहित पूर्व मध्य रेलवे में वर्ष 2024-25 के तहत 1 हजार 954 बच्चे को रेस्क्यू किया। इसमें 1 हजार 407 बालक व 527 बालिका शामिल है। पिछले वर्ष 2023-24 में 1123 बच्चों को रेस्क्यू किया गया था। इसमें 437 बालिका शामिल थी। रेलवे बोर्ड में पदस्थापित आरपीएफ डीजी मनोज यादव के दिशा निर्देशन में तथा रेलवे बोर्ड में पदस्थापित आरपीएफ के एडीजी एससी पाढ़ी के मॉनिटरिंग में पूर्व मध्य रेलवे के प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त सह आरपीएफ आईजी अमरेश कुमार के नेतृत्व में

स्टेशन क्षेत्र व ट्रेनों में आरपीएफ टीम की कार्रवाई में यह उपलब्धि हासिल हुई है। इसी तरह मानव तस्करी मामले में 534 बच्चे को मुक्त कराया गया। इसमें 153 मानव तस्कर को भी गिरफ्तार किया गया। इसके अलावे ऑपरेशन नारकोशके तहत 43 मामले पकड़े गए जिसमें से 14 करोड़ 4 लाख 69 हजार मूल्य की सामग्री बरामद की गई। इसमें संलग्न 36 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया। जीवन रक्षक के तहत ट्रेन की चपेट में आने से तथा जख्मी हुए 126 लोगो की जान बचायी गई। इसमें 81 पुरुष व 45 महिलाएं थी। ऑपरेशन मातृशक्ति के तहत ट्रेनों में सफर के दौरान 29 गर्भवती महिलाओं को सुरक्षित प्रजनन में सहयोग किया गया। मिशन महिला सुरक्षा के तहत अनधिकृत रूप से महिला कोच में यात्रा करने वाले 21 हजार 329 पुरुष यात्रियों को पकड़ा गया। रेल सुरक्षा अभियान के तहत 373 मामला आया इसमें 336 मामलों का उद्वेदन किया गया। इस मामले में करीब 82 लाख 88 हजार रुपए की संपत्ति चोरी हुई थी । इसमें से 61 लाख 15 हजार मूल्य की संपत्ति बरामद की गई। साथ ही 638 अपराधियों को भी गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही ऑपरेशन रेल प्रहरी के तहत 7422 अवैध वेंडर व अवैध हॉकरों को भी गिरफ्तार किया गया। यात्रा सुरक्षा में 484 मामला सामने आया। इसमें से 664 लोगों को गिरफ्तार किया गया। मिशन सेवा के तहत 465 जरूरतमंद रेल यात्रियों को सहायता प्रदान की गई। ऑपरेशन समय पालन के तहत की गई कार्रवाई में ट्रेनों में अनाधिकृत रूप से वैक्यूम करने वाले 11 हजार 154 लोगों को भी गिरफ्तार किया गया।

करंट लगने से तुरकौलिया के युवक की बिहारशरीफ में हुई मौत

पूर्वी चंपारण, (एजेंसी) : जिले में तुरकौलिया थाना क्षेत्र के गोविंदापुर टिकैता के एक युवक की मौत बिहारशरीफ में हो गई। मृतक गोविंदापुर वार्ड एक के रहने वाले रामनाथ साह का पुत्र चंदन कुमार(27) है।

मृतक चंदन बिहारशरीफ में रहकर बिजली मिस्त्री का काम करता था। बिजली के पोल पर चढ़ तार तानने के दौरान करंट लगने से उसकी मौत हुई है। घटना की सूचना मिलते ही घटना स्थल पर पहुंचे। कतरीसराय पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम कराकर परिजन को सौप दिया। शव घर पहूंचते ही परिजनों में रुदन क्रंदन मचा है। साथ ही गांव के लोगों की भारी भीड़ उमड़ी है। उसकी पत्नी और दो छोटे छोटे बच्चों का रो रोकर बुरा हाल है।घटना के संबंध में बताया जाता है कि शट डाउन लेकर तार तानने का काम बिहारशरीफ के कतरीसराय थाना क्षेत्र में कर रहा था। इसी दौरान करंट आ गया। करंट लगने से वह जमीन पर गिर गया। वहा मौजूद लोगों ने पीएचसी में भेजा। वहा से रेफर कर दिया गया। वहा से दूसरे अस्पताल ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। वार्ड सदस्य विजय यादव ने बताया कि दस-बीस दिन पर घर आता जाता था। अभी उसको गए हुए एक सप्ताह ही हुआ था। अब चंदन की मौत के बाद उसके परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

अररिया में 15 वे वार्षिक राष्ट्रीय संतमत सत्संग अधिवेशन में सांसद पप्पू यादव हुए शामिल

अररिया, (एजेंसी) :जिला के भरगामा प्रखंड अंतर्गत खजूरी गांव, वार्ड संख्या-02 में आयोजित राष्ट्रीय संतमत सत्संग का 15 वां वार्षिक अधिवेशन श्रद्धा और आस्था के वातावरण में संपन्न हुआ। समापन समारोह में पूर्णिया सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने मुख्य अतिथि के तौर पर भाग लिया। इस मौके पर पूर्णिया सांसद पप्पू यादव ने हजारों अनुयायियों की भीड़ को संबोधित भी किया। अपने प्रेरणादायक संबोधन में सांसद पप्पू यादव ने युवाओं से अपील की कि वे देश के कल्याण के लिए अध्यात्म और विज्ञान दोनों को आत्मसात करें।

पप्पू यादव ने कहा कि आज का युवा अगर अपने सपनों को साकार करना चाहता है तो उसे कर्मयोगी बनना होगा और वर्तमान को सुधारना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म और जाति के नाम पर नफरत फैलाने वाली सोच से दूर रहना ही आज के समय की सबसे बड़ी जरूरत है। सांसद यादव ने कहा कि सनातन धर्म ने कभी जाति नहीं सिखाई।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा को राहत

भागलपुर, (एजेंसी) :आचार संहिता उल्लंघन के दो मामलों में गुरुवार को कांग्रेस विधायक अजित शर्मा को राहत मिली है। विधायक आज भागलपुर व्यवहार न्यायालय के एमपी एमएलए कोर्ट एसीजेएम 1 धर्मेंद्र कुमार पांडे के समक्ष पेश हुए। न्यायालय ने उन्हें बेल दे दिया है।

वर्ष 2015 में विधानसभा चुनाव के दौरान बगैर अनुमति दो लोगों द्वारा कोंग्रेस का झंडा बाइक पर लगाकर घूमने को लेकर तत्कालीन डीएम आदेश तितरमारे के आदेश पर बाइक जब्त कर आचार संहिता उल्लंघन का मामला कॉंग्रेस प्रत्याशी अजित शर्मा पर दर्ज किया गया था। वहीं दूसरी ओर 2020 विधानसभा चुनाव के दौरान कोविड के बीच सैकड़ों कार्यकर्ता बगैर मास्क के रैली निकाले हुए थे। जिसको लेकर कोविड के नियमों का उल्लंघन करने साथ ही आचार संहिता उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया था। अंचलाधिकारी संजीव कुमार की ओर से मामला दर्ज कराया गया था। जिसमें लिखा गया था कि जुलूस में 500 लोग बगैर मास्क के थे। दोनों मामले में कोर्ट ने अजित शर्मा को राहत दी है।

डीडीयू मंडल के नए डीआरएम उदय सिंह मीणा ने दिया योगदान

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

गया : पूर्व मध्य रेलवे के डीडीयू मंडल के नए डीआरएम उदय सिंह मीणा ने कार्यभार ग्रहण किया. वे राजेश गुप्ता का स्थान लिया है।उदय सिंह मीणा 1990 बैच के स्पेशल क्लास रेलवे अप्रेंटिस (एससीआरए) और 1993 बैच के भारतीय रेलवे मैकेनिकल इंजीनियरिंग सेवा (आईआरएसएमई) के अधिकारी हैं। उन्होंने मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीई डिग्री प्राप्त की है और साथ ही एमबीए (ऑपरेशन एंड फाइनेंस) की पढाई की है। उदय सिंह मीना केंद्र सरकार के संयुक्त सचिव के पैनल में भी चयनित हैं। उन्होंने रेलवे करियर सेंट्रल रेलवे से शुरू हुआ था, जहां उन्होंने मुंबई, पुणे और सोलापुर जैसे प्रमुख मंडलों में महत्वपूर्ण पदों पर रहते हुए आधारभूत परिवर्तन में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वर्ष 2002 में मुंबई-ठाणे रेल परिचालन के साथ भारतीय रेल के 150 वर्ष पूरे होने के उत्सव आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने दिल्ली में राष्ट्रीय रेल संग्रहालय के निदेशक के रूप में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाई है, जहां उन्होंने अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुसार म्यूजियम का नवीनीकरण किया ।उनकी विशेषज्ञता और नेतृत्व ने उन्हें उत्तर रेलवे में नवनिर्मित पद, सीपीएम (रोलिंग स्टॉक इंफ्रास्ट्रक्चर), पर पहली नियुक्ति के लिए चुना गया, जहां उन्होंने वंदे भारत ट्रेनों के लिए रखरखाव हेतु बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इसके अलावा, उन्होंने वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के तहत डीपीआईआईटी (डिपार्टमेंट फॉर प्रमोशन ऑफ इंडस्ट्री एंड इंटरनल ट्रेड) में निदेशक के रूप में अपनी सेवाएं दीं। इस दौरान अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के मामलों के साथ पूर्वोत्तर एवं हिमालयन राज्यों में औद्योगिक विकास पर महत्वपूर्ण कार्य किया।

श्री उदय सिंह मीना ने ड्यूक यूनिवर्सिटी यूएसए से वित्तीय विकेंद्रीकरण तथा रणनीतिक प्रबंधन एवं व्यवसाय नियोजन में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उन्होंने दावोस में विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) में भारत की भागीदारी में भी अपने महत्वपूर्ण योगदान दिया है। श्री उदय सिंह मीना मूल रूप से राजस्थान के रहने वाले हैं और बहुमुखी प्रतिभा के धनी अधिकारी है।

पृष्ठ एक का शेष...

संपत्ति के अधिकार पर सुप्रीम .....

अलप्पुझा निवासी और एक्स-मुस्लिम्स ऑफ केरल की महासचिव सफिया पी एम ने भी सुप्रीम कोर्ट में ऐसी ही याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने खुद को नास्तिक बताते हुए मुस्लिम पर्सनल लॉ की बजाय उत्तराधिकार अधिनियम के तहत संपत्ति के अधिकार की मांग की थी। इसी तरह ह्यकुरान सुन्नत सोसाइटीह्न की ओर से भी 2016 में इसी मुद्दे पर याचिका दायर की गई थी, जो अभी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है।इन याचिकाओं में खास तौर पर भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम 1925 की धारा 58 को चुनौती दी गई है, जो कहती है कि यह कानून मुस्लिमों और हिंदुओं पर लागू नहीं होता। याचिकाकताओं का तर्क है कि यदि कोई मुस्लिम व्यक्ति धर्म न छोड़ते हुए भी शरीयत कानून का पालन नहीं करना चाहता, तो उसे संविधान प्रदत्त समान नागरिक अधिकारों के तहत यह छूट मिलनी चाहिए।

अब इन तीनों याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई होगी, जिससे यह तय हो सकेगा कि एक धर्म विशेष के व्यक्ति को अपनी आस्था को छोड़े बिना भी धर्मनिरपेक्ष कानून की छूट दी जा सकती है या नहीं।

जिस्लेटिव ड्राफ्टिंग पर अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में पहुंचे.....

होने के साथ-साथ अनुकूलनीय भी हों। उन्होंने भारत में हरियाणा की विशिष्ट स्थिति का जिक्र करते हुए कहा कि हरियाणा देश में सबसे अधिक प्रति व्यक्ति आय और कर संग्रह वाला एक छोटा लेकिन प्रगतिशील राज्य है।

इस अवसर पर मुख्य सचिव ने व्यक्तिगत रूप से सभी विदेशी प्रतिनिधियों को श्रीमद्भगवद्गीता की एक-एक प्रति भी भेंट की। उन्होंने कहा कि महाभारत एक ऐसी कथा है, जो किसी की भी कल्पना से परे है, जिसमें कर्म का महान सिद्धांत निहित है। जीवन में ऐसे हालात आते हैं, जब व्यक्ति को सांत्वना और सहारे की जरूरत होती है।इक्वाडोर के वित्तीय नीति और विनियमन निकाय के निदेशक एलेजांद्रो निकोलस वीसन नेमलसेफ ने सभी प्रतिनिधियों की मेजबानी के लिए मुख्य सचिव का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि यहां मिले प्रशिक्षण ने उन्हें न केवल अधिक कुशल पेशेवर बनाया है, बल्कि बेहतर इंसान भी बनाया है। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्रालय में विधायी विभाग के पूर्व सचिव और पाठ्यक्रम निदेशक डॉ. के.एन. चतुर्वेदी ने इस अवसर पर विदेशी प्रतिनिधियों के लिए एक महीने के पाठ्यक्रम का संक्षिप्त विवरण दिया।

वक्फ बोर्ड में नियुक्ति और ...

जवाब देने को कह दिया। इससे पहले, बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने वक्फ (संशोधन) अधिनियम, 2025 की संवैधानिक वैधता को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान केंद्र से पूछा कि क्या मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की अनुमति दी जाएगी। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन की पीठ ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से पूछा कि वक्फ बाय यूजर को कैसे अस्वीकृत किया जा सकता है, क्योंकि कई लोगों के पास ऐसे वक्फों को पंजीकृत कराने के लिए अपेक्षित दस्तावेज नहीं होंगे।इससे पहले वक्फ (संशोधन) कानून के खिलाफ दायर 70 से अधिक याचिकाओं की सुनवाई करते हुए बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र से सवाल किया था कि क्या मुसलमानों को हिंदू धार्मिक ट्रस्टों का हिस्सा बनने की इजाजत दी जाएगी? जबकि वक्फ (संशोधन) कानून गैर मुसलमानों को वक्फ में नियुक्ती प्रदान करने का अधिकार देता है। अदालत ने यह भी पूछा कि वक्फ बाय यूजर की अवधारणा को कैसे लागू किया जा सकता है, जबकि अधिकांश लोगों के पास ऐसे वक्फ को वैध ठहराने के लिए दस्तावेज नहीं होंगे।

हिंदू समुदाय के लिए खतरा बन चुकी हैं ममता....

और आरोप लगाया था कि इसमें बीएसएफ, केंद्रीय एजेंसियां और बीजेपी शामिल हैं, जिन्होंने बांग्लादेश से लोगों की घुसपैठ कराई। मिथुन चक्रवर्ती ने ममता के इस बयान को गुमराह करने वाला बताया और कहा कि मुख्यमंत्री मुस्लिम समुदाय को जानबूझकर भटका रही हैं। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, एक ऐसा कानून जो भारत की संसद में पास हो चुका है, उसे लागू न करने की ताकत ममता बनर्जी को किसने दी? वो सिर्फ एक मुख्यमंत्री हैं, संविधान से ऊपर नहीं।

अपने बयान में बीजेपी नेता ने राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की भी मांग की और दावा किया कि बंगाल में अब हिंदू समुदाय एकजुट हो रहा है। इतना ही नहीं मिथुन ने ममता बनर्जी द्वारा जगन्नाथ मंदिर उद्घाटन योजना पर भी निशाना साधा और कहा, अब कुछ भी उन्हें नहीं बचा सकता, हिंदू उनके खेल को समझ चुके हैं। गौरतलब है कि बंगाल में अगला विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल 2026 में होने की संभावना है, जहां 294 सीटों के लिए चुनाव कराया जाएगा। अभी से सियासी हलचल तेज होती दिख रही है और बीजेपी ममता सरकार को वक्फ कानून, साम्प्रदायिक हिंसा और शासन पर घेरने की कोशिशों में लगी है।

प. बंगाल के मालदा में बम विस्फोट....

मौके पर पहुंचा। पुलिस ने बताया कि पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि यह बम कहां से आया था। इलाके में बमों के भंडारण को लेकर स्थानीय लोगों में भारी गुस्सा है।

चौकीदार नियुक्ति समिति की बैठक आयोजित

उपायुक्त ने दावा आपत्तिदर्ज कराने का दिया निर्देश

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी कुमुद सहाय ने चौकीदार नियुक्ति समिति की बैठक में जामताडा जिलान्तर्गत चौकीदार की सीधी एवं बैकलॉग भर्ती हेतु डेट शीट के अनुसार अब तक की प्रगति सहित अन्य बिंदुओं पर विमर्श किया गया। वहीं बताया गया कि दावा आपत्ति के उपरांत स्वीकृत, अस्वीकृत आवेदकों की सूची का प्रकाशन किया जा रहा है। प्रकाशित सूची के विरुद्ध कोई दावा एवं आपत्ति हेतु द्वितीय दावा आपत्ति प्राप्त करने के लिए 19 अप्रैल के अपराह्न 03 बजे तक समय निर्धारित किया गया है। उपायुक्त ने कहा कि जिन अभ्यर्थियों को प्रकाशित सूची के विरुद्ध कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो निर्धारित तिथि एवं समय पर आवश्यक साक्ष्य सहित आवेदन प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य शाखा के पदनाम से हाथों हाथ चौकीदार नियुक्ति कोषांग, जामताड़ा में समर्पित कर सकते हैं।वहीं इसके उपरांत 20 अप्रैल को अंतिम रूप से स्वीकृत,अस्वीकृत आवेदन की सूची का प्रकाशन किया जाएगा तथा 21 अप्रैल से अभ्यर्थियों को उनको अंचल में एडमिट कार्ड मिलेगा। इसके लिए उन्होंने संबंधित अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियों को पूर्ण करते हुए अंचलवार अभ्यर्थियों का एडमिट कार्ड उपलब्ध कराने एवं वितरण हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिया। वहीं बताया गया कि परीक्षा अपने निर्धारित तिथि 27 अप्रैल को आयोजित की जाएगी।चौकीदार नियुक्ति को लेकर आगामी 27 अप्रैल को जिला अंतर्गत विभिन्न परीक्षा केंद्रों में परीक्षा का आयोजन। किया जाना है। जिसे लेकर उपायुक्त ने अधिकारियों एवं विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, केन्द्राधीक्षकों के साथ बैठक कर संबंधित परीक्षा केंद्रों के मूलभूत सुविधाओं बाउंड्री वाल, सीसीटीवी कैमरा, शौचालय पेयजल, पंखा, डेस्क, कमरों एवं प्रति कमरा परीक्षार्थियों की क्षमता, प्रति सेंटर परीक्षार्थियों की क्षमता के अलावा अन्य जरूरी बिंदुओं पर समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि चौकीदार नियुक्ति हेतु आयोजित परीक्षा के लिए सभी केंद्र जिला मुख्यालय के ही रहेंगे। उन्होंने इसके अलावा अंचलवार परीक्षा केंद्र का निर्धारण करने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिन केंद्रों में सीसीटीवी इंस्टॉल है उसकी जांच सुनिश्चित कर लें। वहीं जहां सीसीटीवी इंस्टॉल नहीं है वहां पर नजारत उप समाहर्ता को अविलंब सूची लेकर सीसीटीवी कैमरे इंस्टॉल करने का निर्देश दिया। इसके अलावा सभी परीक्षा केंद्रों के प्रत्येक कमरे में वॉल क्लॉक की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित को जरूरी दिशा निर्देश दिया गया। उपायुक्त ने सभी केंद्राधीक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि आप लोगों ने हाल में भी अच्छे से परीक्षा को संपन्न करवाया है। इस परीक्षा को भी अच्छे से शांतिपूर्ण एवं कदाचार मुक्त वातावरण में संपन्न कराने में अपनी जवाबदेही को सुनिश्चित करें। वहीं इसके अतिरिक्त भी अन्य बिंदुओं पर विमर्श कर उन्होंने संबंधित को आवश्यक एवं उचित दिशा निर्देश दिया।

इस मौके पर उप विकास आयुक्त निरंजन कुमार, परियोजना निदेशक आईटीडीए , अपर समाहर्ता , अनुमंडल पदाधिकारी , प्रभारी पदाधिकारी सामान्य शाखा सह जिला पंचायत राज पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी के अलावा संबंधित अंचल अधिकारी एवं केंद्राधीक्षक आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त खबर

इंडोर स्टेडियम में बैडमिंटन एवं ताइक्वांडो खेल का प्रतिभा चयन आयोजित

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : खेल कूद एवं युवा कार्य निदेशालय झारखंड सरकार रांची के निदेर्शानुसार गुरुवार 17 अप्रैल को ज़िला खेल कार्यालय, जामताडा के द्वारा इंडोर स्टेडियम, जीतुडंगाल जामताड़ा में बैडमिंटन एवं ताइक्वांडो खेल का प्रतिभा चयन ट्रायल वर्ष 2025- 26 हेतु प्रक्रिया आयोजित किया गया। जिसमे डे- बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्र ताइक्वांडो एवं खेलो इंडिया प्रशिक्षण केन्द्र बैडमिण्टन के लिये प्रतिभागियों का फिटनेस प्रशिक्षण एवं स्कील स्पेसिफिक टेस्ट लिया गया। जिसमें प्रशिक्षण केन्द्र से 5 कीमी. के दायरे में रहने वाले लगभग 100 खिलाडियों ने अपना दमखम दिखाया एवं इस चयन प्रक्रिया में भाग लिया। इस संबंध में बताया गया कि प्रतिभागियों के प्रदर्शन के आधार पर चयनित खिलाड़ियों को निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा एवं खेल कूद एवं युवा कार्य विभाग की ओर से खेल सामग्री आदि मुहैया कराया जाएगा। चयनित खिलाड़ियों की सूची जल्द ही जारी कर इस योजना से जोड़ा जाएगा। इस मौके पर ज़िला खेल समन्वयक सुशील कुमार, ज़िला पर्यटन विशेषज्ञ सूरज गुप्ता, बजरंगी प्रियरंजन, बैडमिण्टन प्रशिक्षक , ज़िला खेल कार्यालय के लिपिक , एवं विभिन्न प्रतिभागी सहित अन्य मौजूद रहे।

इलाज के अभाव में सहायक अध्यापक का आकस्मिक निधन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

शिकारीपाड़ा : प्राथमिक विद्यालय जामकांदर में कार्यरत सहायक अध्यापक ईश्वर मुर्मू का लंबी बीमारी के कारण समुचित इलाज के अभाव में आकस्मिक निधन हो गया बताते चलें कि सहायक अध्यापक ईश्वर मुर्मू अपने पीछे दो पुत्र प्रशांत मुर्मू 25 वर्ष उमेश मुर्मू 12 वर्ष और पत्नी पानफुल टुडू 45 वर्ष को छोड़ कर गए हैं ईश्वर मुर्मू अपने परिवार का एकमात्र कमाने वाला सदस्य था जिसके निधन से उसका परिवार अब काफी आर्थिक संकट से गुजरेगा ईश्वर मुर्मू लंबे समय से बीमार चल रहे थे परंतु आर्थिक तंगी के कारण उचित इलाज के लिए बाहर नहीं जा सका जिसके कारण उनकी मौत हुई है आज उनको श्रद्धांजलि देने के लिए जिला कमेटी दुमका और प्रखंड कमेटी शिकारी पाड़ा के सदस्य उनके आवास पहुंचे और उनको श्रद्धांजलि दी संघ ने ईश्वर मुर्मू के निधन पर काफी दुख प्रकट किया है प्रखंड के शिक्षक परिवार इसके निधन से शौकाकुल है मौके पर उपस्थित जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रकीब में बताया कि ईश्वर मुर्मू सेवा में कार्यरत थे इसलिए श्री रकीब ने सरकार से अनुकंपा के आधार पर उनके परिवार के एक सदस्य के लिए सरकारी नौकरी की मांग की है तथा तत्काल सरकार से 20 लाख रुपया आर्थिक मुआवजा की मांग की है प्रखंड अध्यक्ष वकील मुर्मू और प्रखंड सचिव खलील अंसारी ने बयान दिया है कि ईश्वर मुर्मू का मानदेय से भविष्य निधि का पैसा काटा जा रहा था इसलिए विभाग यथाशीघ्र भविष्य निधि का बीमा राशि और जमा राशि उनके परिवार को अभिलंब भुगतान करें । आज उनकी आवास पर श्रद्धांजलि देने के लिए मुख्य रूप से जिला उपाध्यक्ष अब्दुल रकीब प्रखंड अध्यक्ष वकील मुर्मू प्रखंड सचिव खलील अंसारी प्रखंड कमेटी के सदस्य एनुल मियां अजीत वर्मा इस्लाम अंसारी बेनीलाल टुडू कमलेश पंडित तनवीर आलम मनोवर जमाल विमान रूप हासदा आदि दर्जनों शिक्षक उपस्थित थे।

सरकार योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचना सुनिश्चित करें

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य ममता कुमारी ने सिदो कान्हू मुर्मू विश्वविद्यालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय के कुलपति से मुलाकात कर पठन-पाठन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की एवं विश्वविद्यालय के शैक्षणिक वातावरण सहित कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। जिले अधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की। बैठक में उन्होंने सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की और अधिकारियों को निर्देश दिया कि सरकार की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना सुनिश्चित किया जाए। ममता कुमारी ने कहा संथाल परगना वीरांगनाओं की भूमि रही है। फूलो-झानो जैसी वीरांगनाओं ने अपने प्राणों की आहुति देकर इस धरती को गौरवान्वित किया है। हमें उनके बलिदान से प्रेरणा लेते हुए समाज में महिलाओं की भूमिका को और सशक्त बनाना होगा। परिसदन पहुँचने पर परियोजना निदेशक आइटीडीए ने पुष्प गुच्छ देकर उनका स्वागत किया।

पंचायत भवन में 50 आंगनबाड़ी सेविकाओं को मिला स्मार्टफोन

सरायकेला-खरसावां, (एजेंसी)। जिले के आंगनबाड़ी सेविकाओं को तकनीकी रूप से सशक्त बनाने के लिए गम्हरिया प्रखंड के बीरबास पंचायत भवन में गुरुवार को 50 सेविकाओं को स्मार्टफोन दिया गया। सरायकेला जिला अंतर्गत गम्हरिया प्रखंड के बीरबास पंचायत भवन में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में खरसावां के विधायक दशरथ गागराई शामिल हुए। उनके साथ विशिष्ट अतिथि के रूप में बीरबास पंचायत की मुखिया संगीता हांसदा और वार्ड सदस्य भी मौजूद रहे। इस अवसर पर बीरबास, टेंटोपोशी, मुड़िया, नारायणपुर, बंधडीह और चमारू सहित विभिन्न पंचायतों से कई आंगनबाड़ी सेविका और सहायिकाएं उपस्थित थीं।

पोषण पखवाड़ा का भी आयोजन: कार्यक्रम में जिन आंगनबाड़ी सेविकाओं को स्मार्टफोन दिया गया उनमें सरकारी योजनाओं से संबंधित विशेष मोबाइल ऐप पहले से इंस्टॉल किए गए हैं।

इन मोबाइल ऐप्स के माध्यम से सेविकाएं लाभुकों की जानकारी दर्ज करने, दी जाने वाली सुविधाओं का डेटा संग्रह करने और योजनाओं के संचालन को अधिक प्रभावी बनाने में सक्षम होंगी। कार्यक्रम के दौरान महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय की ओर से पोषण पखवाड़ा भी आयोजित किया गया, जिसमें गर्भवती महिलाओं की गोद भराई और नवजात शिशुओं का मुंहजुठी कार्यक्रम हुआ। मौके पर विधायक दशरथ गागराई ने कहा कि राज्य सरकार की यह पहल गांव की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में तकनीक के बिना विकास की कल्पना नहीं की जा सकती और अब सेविकाएं भी तकनीक का उपयोग कर योजनाओं को और बेहतर तरीके से लागू कर सकेंगी। मौके पर अतिथियों ने गर्भवती महिलाओं के बीच पोषाहार बांटा।

अपहरण के मामले में पुलिस ने दो युवकों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

शिकारीपाड़ा : थाना क्षेत्र अंतर्गत दो अलग-अलग अपहरण के मामले में शिकारी पाड़ा की पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को भेजा न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। थाना क्षेत्र के कोलाईबाड़ी गांव का है या मामला। जहां के एक व्यक्ति ने शिकारीपाड़ा थाने में 1अप्रेल को अपने नाबालिग लड़की को बहला फुसला कर कोल्हा बाजार गांव के सिद्धार्थ मरांडी नामक युवक द्वारा अपहरण कर गायब कर देने का आवेदन दिया और शिकारीपाड़ा पुलिस से अपनी नाबालिग लड़की को जल्द से जल्द बरामद करने की गुहार लगाई है। शिकारीपाड़ा पुलिस ने आवेदन के आधार पर कांड संख्या 32/ 25 दिनांक 01- 04- 2025 को मामला दर्ज करते हुए लड़की की बरामदगी के लिए छानबीन शुरू कर दिया, काफी मशक्कत के बाद रात्रि में पुलिस ने छापामारी करते हुए लड़के के घर से पीड़िता एवं लड़के को बरामद कर लड़के को न्यायिक हिरासत में दुमका भेज दिया एवं नाबालिग लड़की को बाल सुधार गृह दुमका भेज दिया।

वहीं एक दूसरे मामले में शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के मंझलाडीह गांव की पीड़िता की मां ने शिकारी पाड़ा थाने में दिनांक 01-4-2025 को आवेदन देकर अपनी बेटी को सकुशल बरामद करने की गुहार पुलिस से लगाई है।अपने आवेदन में कहा है कि मेरी नाबालिग बेटी को बहला फुसलाकर रानीश्वर थाना के हडमा मुर्मू उम्र लगभग 17 वर्ष गांव बड़वाथन ने अपहरण कर गायब कर दिया है। उक्त आवेदन के आधार पर शिकारीपाड़ा की पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए कांड संख्या 31/ 25 दिनांक 01-04 -2025 को धारा 96 के तहत मामला दर्ज करते हुए जांच में जुट गई। पुलिस ने छापामारी करते हुए लड़के के घर से पीड़िता एवं लड़के को बरामद करते हुए शिकारीपाड़ा थाना ले आई एवं कार्रवाई करते हुए दोनों को न्यायिक हिरासत में दुमका भेज दिया।

झामुमो का 13वां अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न

53 वर्षों का संघर्ष और आंदोलन की विरासत को किया याद : जमरूद्दीन अंसारी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

जामताड़ा : झारखंड की राजनीति में ऐतिहासिक योगदान देने वाली पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा का 13वां केंद्रीय अधिवेशन सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस अधिवेशन ने झामुमो के 53 वर्षों के आंदोलन और संघर्ष की गौरवशाली यात्रा को न केवल याद किया, बल्कि संगठन को नई ऊर्जा और दिशा देने का संकल्प भी दोहराया। इस अवसर पर पार्टी के संस्थापक और झारखंड आंदोलन के अग्रणी नेता गुरुजी शिबू सोरेन को पार्टी का मार्गदर्शक एवं संयोजक घोषित किया गया। वहीं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया। केंद्रीय समिति सदस्य सह कमार्टांड़ प्रखंड अध्यक्ष मो. जमीरउद्दीन अंसारी ने दोनों नेताओं को बधाई और शुभकामनाएं दीं। साथ ही उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया कि उन्हें लगातार 4 बार प्रखंड अध्यक्ष और 4 बार केंद्रीय समिति सदस्य जैसे अहम पदों की जिम्मेदारी दी गई। उन्होंने कहा, झारखंड मुक्ति मोर्चा कोई सामान्य राजनीतिक पार्टी नहीं, बल्कि यह आंदोलनकारियों की जमात है। जिसने राज्य के हक-अधिकार और पहचान के लिए लंबी लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा इस संगठन से जुड़ना मेरे लिए गर्व की बात है और मैं हमेशा इसके मूल सिद्धांतों के साथ खड़ा रहूंगा। यह अधिवेशन न केवल संगठनात्मक मजबूती का प्रतीक रहा बल्कि आने वाले समय में झारखंड के सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक मुद्दों पर निर्णायक भूमिका निभाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

अर्धनग्न अवस्था में पुलिस ने नाबालिग छात्रा का शव बरामद किया

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

दुमका : जिला के मसलिया थाना क्षेत्र में दिल दहला देने वाली घटना को अंजाम दिया गया। गांव के बाहर स्थित बहियार से आठवीं कक्षा में पढ़ने वाली नाबालिग छात्रा का अर्धनग्न अवस्था में पुलिस ने शव बरामद किया। परिजनों के अनुसार बीते शाम शौच के लिए घर से निकली थी। रात आठ बजे तक वापस न आने पर परिजनों ने खोजबीन किया देर रात तक खोजबीन के बाद भी पता नही चला। सुबह खोजबीन की तो गांव से बाहर स्कूल के पीछे गड्ढे में अर्धनग्न अवस्था में बेटी का शव पड़ा मिला। परिजनों ने आशंका जताई है कि छात्रा के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद पकड़े जाने के डर से छात्रा की हत्या कर दिया।

स्थानीय लोग द्वारा घटना की सूचना मसलिया पुलिस को दी गई। थाना प्रभारी धनंजय प्रजापति पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे कर घटना स्थल में पड़े साक्ष्य की खोज आरंभ कर दी गई है। मसलिया थाना प्रभारी धनंजय प्रजापति ने कहा पुलिस हर एक पहलू पर जांच कर रही है आरोपी को गिरफ्तारी कर लिया जाएगा।

महिला की हत्या मामले का पुलिस ने किया उद्भेदन

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

काठीकुंड : थाना क्षेत्र अंतर्गत भंवरपाथर गांव स्थित नदी किनारे बीते महीने अर्चना देवी पति मनोज राय की दुष्कर्म के बाद हत्या कर दी गई थी। जिसको लेकर काठीकुंड थाना में महिला के पति मनोज राय द्वारा अज्ञात अपराधकर्मियों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक दुमका के निदेर्शानुसार अनुमंडल पदाधिकारी दुमका के नेतृत्व में एस आई टी टीम का गठन किया गया था। एस आई टीम द्वारा मानवीय स्त्रोत एवं तकनीकी साक्ष्य के आधार पर अप्राथमिकी अभियुक्त सुनील हांसदा पिता मलिन हांसदा, बेटका हांसदा पिता स्व देवीलाल हांसदा एवं क्रिस्टोफर मुर्मू पिता शिवधन मुर्मू को काठीकुंड थाना क्षेत्र के ही झिल्ली गांव से गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों ने अपने अपने स्वीकारोक्ति बयान में अपना अपराध स्वीकार किया। गिरफ्तार अभियुक्तों के निशानदेही पर दुष्कर्म किए गए स्थान से मृतिका का टूटा हुआ चूड़ी एवं गमछा बरामद किया गया। छापेमारी दल में काठीकुंड थाना प्रभारी त्रिपुरारी कुमार, गोपीकांदर थाना प्रभारी समित कुमार, पुङ्गअङ्गनि विवेक विल्सन बोयपाई, पुङ्गअङ्गनि केदारनाथ पूर्ति, सङ्गअङ्गनि मिथलेश कुमार सिंह, हवलदार जेठा मुर्मू आदि शामिल थे।

दुम्बीसाई-बंधपाड़ा मार्ग पर लगे स्ट्रीट लाइट : केशरी

पश्चिमी सिंहभूम, (एजेंसी)। जिले के चाईबासा के दुम्बीसाई साईं रेल फाटक को बंद करने से बनाए गए दुम्बीसाई से बंधपाड़ा तक वैकल्पिक सड़क पर स्ट्रीट लाइट नहीं होने से राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। सुरक्षा की दृष्टिकोण से इस समस्या को गंभीर मानते हुए भाजपा पिछड़ा जाति मोर्चा के प्रदेश मंत्री हेमंत कुमार केशरी ने मामले में चक्रधरपुर के डीआरएम से गुरुवार को फोन पर बात बातचीत कर उन्हें ज्ञापन सौंपा। केशरी ने डीआरएम से आग्रह किया कि उक्त मार्ग पर शीघ्र दोनों ओर स्ट्रीट लाइट की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि रात्रिकालीन आवाजाही को सुरक्षित बनाया जा सके।

उन्होंने बताया कि यह मार्ग अब एक प्रमुख संपर्क मार्ग बन चुका है। इससे प्रतिदिन हजारों लोग आवागमन करते हैं। लेकिन प्रकाश की व्यवस्था नहीं होने से रात में राहगीरों को भय और असुविधा का सामना करना पड़ता है। इससे किसी अनहोनी की आशंका बनी रहती है। वहीं डीआरएम ने आश्वासन दिया है कि जनता की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए इस दिशा में शीघ्र जरूरी कदम उठाया जाएगा।

भाजयुमो ने फूंका सोनिया और राहुल का पुतला

17 अप्रैल (एजेंसी)। जिले के जमशेदपुर में नेशनल हेराल्ड घोटाले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की ओर से कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी के खिलाफ चार्जशीट दायर किए जाने के विरोध में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) ने गुरुवार को पुतला फूंका। साकची जुबली पार्क गोलचक्कर पर आयोजित कार्यक्रम का नेतृत्वा भाजयुमो के जिला अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा ने किया। इस दौरान भाजयुमो के कार्यकताओं ने कांग्रेस के खिलाफ नारेबाजी भी की। साथ ही ईडी की कार्रवाई को न्यायसंगत और जरूरी बताया।

इस अवसर पर जिला युवा मोर्चा अध्यक्ष नीतीश कुशवाहा ने कहा कि नेशनल हेराल्ड घोटाला इस देश के लोकतंत्र पर एक धब्बा है। कांग्रेस पार्टी ने जनता के पैसों का दुरुपयोग कर करोड़ों की संपत्ति बनाई है। भ्रष्टाचार और वंशवाद की राजनीति को अब देश की जनता बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा का स्पष्ट संदेश है कि कानून सबके लिए समान है और कोई भी नेता जनता को धोखा देने के बाद बच नहीं सकता है। हमारा यह आंदोलन जनभावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है और जब तक न्याय की स्थापना नहीं हो जाती, भाजपा इसी तरह भ्रष्टाचार के खिलाफ संघर्ष करती रहेगी। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर मौके पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। कार्यक्रम में भाजपा जमशेदपुर महानगर के जिला अध्यक्ष सुधांशु ओझा, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ राजीव कुमार, जिला परिषद सदस्य कुसुम पूर्ति, सनातन उत्सव समिति से चिंटू सिंह, ओबीसी मोर्चा के जिला प्रभारी सुजीत वर्मा, राजकुमार साह, विकास सिंह, महिला मोर्चा की राजपति देवी सहित कई भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मंत्री के बयान के विरोध में भाजपा 18 को देगी धरना

पश्चिमी सिंहभूम, (एजेंसी)। मंत्री हफीजुल हसन की ओर से संविधान से ऊपर शरीयत को प्राथमिकता देने संबंधी विवादास्पद बयान के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी, पश्चिमी सिंहभूम (चाईबासा) जिला इकाई ने मोर्चा खोल दिया है। इस बयान को संविधान और लोकतांत्रिक मूल्यों का अपमान मानते हुए भाजपा ने शुक्रवार को चाईबासा में धरना प्रदर्शन कर विरोध करने की बात कही है। धरना कार्यक्रम सुबह 11 बजे से कोर्ट रोड स्थित पुराने डीसी कार्यालय परिसर में आयोजित होगा। कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिला अध्यक्ष संजय पांडे करेंगे। भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यह विरोध प्रदर्शन केवल एक राजनीतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि संविधान की गरिमा को बनाए रखने की दिशा में जनजागरण का प्रयास है। पार्टी नेताओं ने गुरुवार को कहा कि मंत्री का यह बयान धार्मिक तुष्टिकरण की चरम सीमा को दशार्ता है और राज्य सरकार की चुप्पी उसकी मंशा को उजागर करती है। भाजपा नेताओं ने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में राज्य में बढ़ती सांप्रदायिक घटनाएं और हिंदू त्योहारों पर पत्थरबाजी जैसी घटनाएं इसी तुष्टिकरण नीति का परिणाम हैं। इससे झारखंड की सामाजिक एकता और शांति व्यवस्था खतरे में पड़ रही है। धरना को पूर्व मंत्री बड़कुंवर गागराई, पूर्व सांसद गीता कोड़ा, पूर्व विधायक शशि भूषण समड़, जवाहरलाल बानरा, गुरुचरण नायक, प्रदेश प्रवक्ता जेबी तुबिद और गीता बालमुचू सहित कई वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे।

ग्रामीणों ने अंचलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

खूंटी, (एजेंसी)। तोरपा प्रखंड के बारकुली गांव के ग्रामीणों ने गुरुवार को तोरपा की अंचलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर बबासरकुली मौजा की गैर मजरूआ जमीन जिसका खाता नंबर 96 और प्लॉट नंबर 1899 है, उस पर कुछ जमीन दलाल बिना गांव के लोगों को जानकारी दिए अवैध कब्जा करने का प्रयास कर रहे है।

इसको लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है ज्ञापन में ग्रामीणों ने कहा है कि लुसी मिंज अपने को बारकुली गांव का निवासी बताती है, लेकिन उसे गांव का कोई भी बुजुर्ग व्यक्ति पहचानता तक नहीं है। कहा गया कि 16 अक्टूबर 2023 को जमीन की मापी कराई गई, लेकिन इसकी जानकारी गांव में किसी को नहीं दी गई। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों की लिखित सहमति की बात भी पूर्णतः निराधार है। ग्रामीणों ने अंचल अधिकारी से उक्त जमीन को बचाने की अपील की है। ज्ञापन सौंपने वालों में महादेव सिंह, अनिल हेमरोम, देवी महतो, किशुन साहू, अजीत हेमरोम, संजय कुमार सहित अन्य ग्रामीण शामिल थे।

संपादकीय

गांधी परिवार पर चार्जशीट

यहां से राजनीति नई करवट ले सकती है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने नेशनल हेराल्ड अखबार और एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) मामले में जो आरोप-पत्र अदालत में दाखिल किया है, उसमें सोनिया गांधी को पहला और राहुल गांधी को दूसरा आरोपित बनाया गया है। गांधी परिवार के खिलाफ यह पहला आरोप-पत्र है। मोतीलाल वोरा और ऑस्कर फर्नांडीज दोनों दिवंगत नेता हैं, फिर भी ईडी ने उन्हें आरोपित बनाया है। कांग्रेस ने इस कार्रवाई के खिलाफ देश भर में विरोध-प्रदर्शन शुरू किए हैं। धनशोधन कानून के मुताबिक, गांधी परिवार के नेताओं पर सजा की तलवार लटकी है, लेकिन दोनों नेता दिसंबर, 2015 से जमानत पर हैं। वह निर्णय भी विशेष अदालत का था। जब तक अदालत नया गिरफ्तारी वारंट जारी नहीं करती, तब तक जमानत पर तत्काल संकट नहीं है। भविष्य में अदालत के फैसलों के आधार पर इसमें परिवर्तन संभव है। इसके अलावा, ईडी जुलाई, 2022 में लगातार तीन दिनों में 11 घंटे सोनिया गांधी और लगातार 5 दिनों में करीब 50 घंटे तक राहुल गांधी से सघन पूछताछ कर चुका है, लिहाजा आरोप-पत्र दाखिल करने और अदालत के संज्ञान लेने के बाद गांधी नेताओं की गिरफ्तारी संभव और प्रासंगिक नहीं लगती। अलबत्ता आरोप-पत्र में अपराध से अर्जित आय 988 करोड़ रुपए मानी गई है। संबद्ध संपत्तियों का बाजार मूल्य करीब 5000 करोड़ रुपए आंका गया है। आरोप एजेएल की 2000 करोड़ रुपए की संपत्तियों पर कब्जे के लिए उसका अधिग्रहण, निजी कंपनी यंग इंडियन के जरिए, मात्र 50 लाख रुपए में किए जाने का भी है। ईडी ने पीएमएलए की धारा 4 के तहत सजा भी मांगी है। इसमें 7 साल तक की जेल का प्रावधान है। यदि 25 अप्रैल को विशेष अदालत के न्यायाधीश इस आरोप-पत्र पर संज्ञान लेते हैं, तो उस दिन और ट्रायल के दौरान सोनिया-राहुल गांधी को अदालत में उपस्थित रहना होगा। बहरहाल इस मामले के तमाम ब्यौरे देश के सामने हैं। 2012 में डॉ. सुब्रह्मण्यम स्वामी ने अदालत में याचिका दी थी। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। सवाल है कि करीब 13 साल के बाद एक आरोप-पत्र दाखिल क्यों किया गया? सघन पूछताछ के भी तीन साल गुजर चुके हैं, लिहाजा ऐसे अतिविशिष्ट मामले में जांच एजेंसियां इतनी लेट-लतीफी क्यों करती हैं? हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर और नायब सिंह सैनी की 2014 से सरकार है। तब खूब शोर मचाया जाता था कि गांधी परिवार के दामाद रॉबर्ट वाड्रा को सलाखों के पीछे भेजा जाएगा। ईडी ने 15 अप्रैल को उनसे भी 6 घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की। वाड्रा आज भी स्वतंत्र हैं। दरअसल कुछ सवाल ईडी की जांच की विश्वसनीयता और उसकी सजा-दर पर भी किए जा सकते हैं। करीब 96 फीसदी मामले विपक्षी नेताओं के ही खिलाफ क्यों दर्ज किए जाते हैं? गौरतलब यह है कि अशोक चव्हाण, नारायण राणे (दोनों महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री) सहित अजित पवार, प्रफुल्ल पटेल, हिमंता बिस्व सरमा, सुवेन्दु अधिकारी, नवीन जिन्दल सरीखे नेताओं की लंबी फेहरिस्त है, जो कभी गैर-भाजपा दलों में रहे और विभिन्न घोटालों में आरोपित हुए, लेकिन वे भाजपाई हैं, लिहाजा तमाम आरोपों और जांच से मुक्त हैं। यह ईडी जैसी प्रमुख आर्थिक जांच एजेंसी की स्वायत्तता पर काला सवाल है। कांग्रेस इसे ही प्रतिशोध की राजनीति करार दे रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गांधी परिवार पर आरोप-पत्र को प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की बदले की राजनीति के संदर्भ में देखा है और उसके खिलाफ सत्यमेव जयते का नारा बुलंद किया है।

(चिंतन-मनन)

सुखी जीवन के तीन सूत्र

सुखी, स्वाभिमान एवं सम्मान के साथ जीवन जीने के तीन सूत्र हैं- उपयोगिता, भावना एवं कर्तव्य। उपयोगिता संबंधों को प्रगाढ़ करती है, भावना परिवार को मजबूत करती है और कर्तव्य घर, परिवार, समाज में एकता एवं समन्वय स्थापित करते हैं। उक्त प्रेरक विचार मुनि पुलकसागर महाराज ने प्रवचन माला में व्यक्त किए।

उन्होंने कहा कि उपयोगिता के बदले उपयोगिता, भावना के बदले भावना चाहिए, लेकिन कर्तव्य के बदले कुछ नहीं चाहिए। कर्तव्य तो निस्वार्थ भावना से किए जाते हैं। छोटी-सी भूल सदियों की सजा बन जाती है, इसलिए हमें जीवन सही और व्यवस्थित तरीके से जीना चाहिए। जिन माँ-बाप ने हमें खून दिया उन्हें बुढ़ापे में खून के आँसू बहाने पर मजबूर करना कायरता है। जिन्होंने अपने खून से हमे बड़ा किया उनके लिए खून बहा देना मानवता है, जबकि असहाय जीवों का खून बहा देना हिंसा और अमानवीयता है।

भगवान राम ने कर्तव्य की खातिर सौतेली माँ के वचनों को स्वीकार कर लिया, क्या आप भी इतने कर्तव्यनिष्ठ होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं? अगर नहीं तो आपका जीवन सार्थक नहीं है। श्रवण कुमार अपने पुत्र होने का कर्तव्य बगैर किसी तर्क के निभाता है।

अराजकता में डूबे बंगाल में नाउम्मीदी का अंधेरा

-ललित गर्ग-

बंगाल में वक्फ कानून को लेकर हिंसा का सिलसिला जिस तरह तेज और सांप्रदायिक होता जा रहा है, जिस तरह से हिन्दुओं को निशाना बनाया जा रहा है, उन्हें मुर्शिदाबाद से पलायन को विवश किया जा रहा है, वह मुस्लिम तुष्टीकरण और दुष्प्रचार की खतरनाक राजनीति का प्रतिफल तो है ही, वह कुशासन एवं अराजकता की भी चरम पराकाष्ठा भी है। नए वक्फ कानून को लेकर कुछ राजनीतिक दल मुस्लिम समाज को विशेषतः किशोर बच्चों को हिंसा एवं तोड़फोड के लिये जानबूझकर सड़कों पर उतारने में लगे हुए हैं। वे उन्हें अराजकता एवं उन्माद के लिए उकसा भी रहे हैं और तरह-तरह से प्रोत्साहन दे रहे हैं। अराजकता फैलाने वाले किस तरह बेखौफ हैं, इसकी पुष्टि इससे होती है कि वे सरकारी-गैरसरकारी वाहनों को तोड़ने, जलाने के साथ पुलिस पर भी हमले कर रहे हैं। बंगाल के विभिन्न जिलों में वक्फ कानून के विरोध के बहाने फैलाई जा रही अराजकता इसलिए भी थमने का नाम नहीं ले रही हैं, क्योंकि खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इस कानून के खिलाफ खड़ी होकर राजनीतिक रोटियां सेंकने का काम कर रही हैं। पश्चिम बंगाल में हिंसा का बढ़ना, हिन्दुओं में डर पैदा होना, भय का वातावरण बनना, आम जनजीवन का अनहोनी होने की आशंकाओं से घिरा होना चिंताजनक भी है और राष्ट्रीय शर्म का विषय भी है। यह बंगाल पुलिस के नाकारापन एवं ममता सरकार के मुस्लिम तुष्टिकरण का ही दुष्परिणाम है कि मुर्शिदाबाद के साथ ही अन्य शहरों में भी वक्फ कानून के विरोध की आड़ में हिंसा, तोड़फोड, आगजनी हो रही है। खतरनाक यह है कि इस दौरान हिंदुओं को जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। इससे संतुष्ट नहीं हुआ जा सकता कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने वक्फ कानून विरोधियों की अराजकता से उपजे हालात का संज्ञान लिया। मामला सुप्रीम कोर्ट भी पहुंच गया है। इससे शर्मनाक एवं दर्दनाक और कुछ नहीं हो सकता कि मुर्शिदाबाद में 11 अप्रैल को हुई हिंसा के बाद करीब 500 हिंदू पलायन कर गए हैं। हिंदू परिवारों का आरोप है कि हिंसा के दौरान उनको चुन-चुनकर निशाना बनाया गया। उनके पीने के पानी में जहर तक मिला दिया गया है। इस हिंसा की जांच एजेंसियों ने पोल खोल दी है, यह हिंसा पूरी प्लानिंग के तहत की गई थी, जिसमें तुर्की से फंडिंग और स्थानीय मदरसों की मिलीभगत सामने आई है। हमलावरों को ट्रेनिंग दी गई और इनाम की व्यवस्था भी की गई थी। ममता बनर्जी एवं उनकी सरकार देश में एकमात्र ऐसी सत्तारुढ़ पार्टी एवं नेता बन गई है जिसका देश के संविधान, न्यायपालिका एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया में भरोसा नहीं रह गया है। वक्फ कानून का विरोध करने सड़क पर उतरे तत्वों के दुस्साहस का पता इससे चलता है कि वे सीमा सुरक्षा बल के जवानों को भी निशाना बनाने से नहीं हिचक रहे हैं। उनके इसी दुस्साहस के चलते मुर्शिदाबाद के हिंदुओं ने खुद को असहाय पाया। बंगाल में कानून के शासन ने सुनियोजित हिंसा के दुष्चक्र के समक्ष एक बार फिर समर्पण कर दिया। बंगाल में इसके पहले भी ऐसा हो चुका है। मई 2021 में विधानसभा चुनावों के बाद वहां तृणमूल समर्थक तत्वों ने अपने राजनीतिक विरोधियों को इतना आतंकित किया था कि वे जान बचाने के लिए असम में शरण लेने को मजबूर हुए थे। तब भी वहां पुलिस मूकदर्शक बनी हुई थी। ताजा हिंसक हालातों में राज्य सरकार और उसके नेता यह झूठ देश के गले में उतारने में लगे हुए हैं कि बंगाल में स्थितियां नियंत्रण में हैं। यह कैसा नियंत्रण है? यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा दोगलापन है? जिसमें एक समुदाय खुलेआम दूसरे समुदाय को निशाना बना रहा है।

खुलेआम सार्वजनिक मंचों पर राष्ट्र-विरोधी विचारों का जहर घोला जा रहा है। वक्फ कानून में संशोधन का विरोध विडम्बनापूर्ण होने के साथ देश में अराजकता फैलाने का माध्यम बना हुआ है।

वक्फ कानून में संशोधन के तहत किसी मस्जिद, मदरसे आदि को लेकर किसी भी तरह के नुकसान, कब्जा करने या दखल की बात नहीं कही गयी है। इसके विरोधी चाहे जो तर्क दें, इससे कोई इंकार नहीं कर सकता कि वक्फ बोर्ड भ्रष्टाचार का अड्डा बने हुए थे और सरकारी-निजी जमीनों पर मनमाने तरीके से दावा कर दिया करते थे। उनकी इस मनमानी का शिकार अनेक मुस्लिम भी थे। क्या वक्फ कानून के विरोधी यह बताने की स्थिति में हैं कि वक्फ बोर्डों ने अभी तक कितने गरीब मुसलमानों की सहायता की? यह पहली बार नहीं है, जब किसी कानून के खिलाफ सड़कों पर उतरकर उपद्रव, हिंसा, आगजनी की जा रही हो। इसके पहले नागरिकता संशोधन कानून के खिलाफ भी ऐसा ही किया गया था। तब यह झूठ फैलाया जा रहा था कि इस कानून के जरिये मुसलमानों की नागरिकता छीन ली जाएगी। अब यह झूठ फैलाया जा रहा है कि नए वक्फ कानून के जरिये सरकार मस्जिदों और कब्रिस्तानों पर कब्जा करना चाहती है। यह निरा झूठ और शरारत ही है। वक्फ कानून के विरोधी भले ही लोकतंत्र और संविधान की दुहाई दे रहे हों, लेकिन ये उसकी धज्जियां ही उड़ा रहे हैं। वे वक्फ कानून पर सुप्रीम कोर्ट के फैसले की प्रतीक्षा करने के लिए तैयार नहीं। मुर्शिदाबाद हिंसा के जरिए पूरे बंगाल में हिंसा फैलाने का प्लान तुर्की में बनाया गया था, इसके जरिए बंगाल के हालात भी ठीक बांग्लादेश की तरह करने की कोशिश थी। हिंसा को लेकर बाकायदा एक लिस्ट तैयार की गई थी कि कौन कहां नुकसान करेगा और लूटपाट मचाएगा। इसके साथ ही इनाम देने को लेकर योजनाएं बनाई गयी। हिंसा के दौरान इस बात का खास ध्यान देने का अलर्ट किया गया कि रेल और नॉर्मल ट्रांसपोर्ट न चल पाए। मौका मिलने पर हिंदुओं की हत्या करना भी टारगेट था। कुछ हिन्दुओं को मारा भी गया है। हिंदुओं के घरों के साथ मंदिरों पर हमले किए गए, घर जलाए गए, आजीविका नष्ट की गई, बलात्कार की धमकियां दी गयी, उससे यही स्पष्ट हो रहा है कि नए वक्फ कानून का विरोध करने वाले न केवल सांप्रदायिक घृणा में डूबे हैं, अराजकता एवं उन्माद पर सवार है, आतंकी माहौल बनाकर हिन्दुओं को भयभीय-आतंकित करना चाहते है। क्योंकि उन्हें यह भरोसा है कि ममता बनर्जी की सरकार और उनकी पुलिस उनके खिलाफ कुछ नहीं करने वाली। ज्यादा चिन्ताजनक तो यह है कि अराजक लोग चाहते हैं पलायन करने के लिए मजबूर लोग फिर कभी अपने घरों को न लौट पाएं। इन जटिल एवं अनियंत्रित होते अराजक हालातों में शांति, सौहार्द एवं सामान्य हालातों को निर्मित करने के लिये आवश्यक है कि केंद्र सरकार बंगाल में हस्तक्षेप करने के लिए आगे आए, बल्कि यह भी अपेक्षित है कि सुप्रीम कोर्ट वहां के हालात का स्वतः संज्ञान ले। उसे वक्फ कानून विरोधी हिंसक तत्वों के उपद्रव के लिए ममता सरकार को जवाबदेह बनाना ही होगा।

ममता वोट बैंक की राजनीति के लिये कानून एवं सुरक्षा व्यवस्था की धज्जियां बार-बार उड़ाती रही है। ममता ने देश की एकता-अखंडता और सुरक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों को नजरअंदाज किया है, कानून से खिलवाड़ जितना पश्चिमी बंगाल में हुआ है उतना शायद ही देश के किसी दूसरे राज्यों में हुआ हो। ममता अपने बलबूते चुनाव जीतने का माद्दा रखती है तो फिर हिंसा का सहारा क्यों लेती है? अराजकता फैलाकर अपने ही शासन को क्यों दागदार बनाती है? क्यों अपने प्रांत की जनता को डराती है, भयभीत करती है? क्या ये प्रश्न ममता की राजनीतिक छवि पर दाग नहीं है?

प्राइवेट स्कूल का मास्टर: सम्मान से दूर, सिस्टम का मजदूर

-प्रियंका सौरभ-

एक समय था जब गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय जैसे दोहे बच्चों की जुबान पर होते थे। आज हाल ये है कि अगर मास्टर जी मोबाइल पकड़ लें तो कहा जाता है-₹इतनी फुर्सत है तो बच्चों को क्यों नहीं संभालते?₹ जमाना बदल गया है, अब 'शिक्षक' शब्द पवित्रता नहीं, सहनशीलता का प्रतीक बन गया है। और इस सहनशीलता का सबसे क्रूर रूप दिखता है-प्राइवेट स्कूल के शिक्षकों की दुनिया में।

दिखावे का महल, भीतर हताशा का दलदल

बाहर से देखिए तो प्राइवेट स्कूल किसी फाइव स्टार होटल से कम नहीं लगता-एसी क्लासरूम, हाईटेक बोर्ड, इंग्लिश बोलते बच्चे और व्हाइट-ग्लव्स पहने बस अटेंडेंट्स। लेकिन अंदर झाँकिए, वहाँ एक मास्टर साब बैठा है, जो न वक्त पर चाय पी सकता है, न लंच कर सकता है। जो बच्चा होमवर्क न करे, उसकी शिकायत आए तो मास्टर की क्लास लगती है। जो बच्चा एग्जाम में फेल हो जाए, तो मैनेजमेंट पूछता है-₹क्यों पढ़ाया नहीं ढंग से?

तनख्वाह: जो कागज पर है, जेब में नहीं

प्राइवेट स्कूलों में सैलरी का सिस्टम इतना गोपनीय है कि सीक्रेट एजेंसियाँ भी शर्मा जाएं। अपॉइंटमेंट लेटर पर ₹25, 000 लिखा होता है, लेकिन बैंक में ₹8, 000 ट्रांसफर होते हैं। बाकी कैश में मिलते हैं या कभी नहीं मिलते। और मजा देखिए-टीचर से सैलरी का हिसाब माँगा जाए तो जवाब होता है: बोलिए, नौकरी चाहिए या नहीं?

महिला शिक्षकों का दोहरा शोषण

घर में बहू, माँ और पत्नी। स्कूल में मैडम, टीचर और दीदी। महिला शिक्षकों को दोहरी ज़िम्मेदारी के साथ जीना पड़ता है। सुबह 5 बजे से घर संभालो, फिर स्कूल जाओ और वहाँ 40 बच्चों की जिम्मेदारी उठाओ। ऊपर से अगर पति भी प्राइवेट सेक्टर में हो, तो महीने की सैलरी से पहले ही घर का बजट गिरवी रख देना पड़ता है।

छुट्टी? वो तो सपना है!

सरकारी कैलेंडर कहता है-15 अगस्त छुट्टी है, 26 जनवरी छुट्टी है, लेकिन प्राइवेट स्कूल कहता है-आओ, झंडा फहराओ, भाषण दो, फिर हाजिरी लगाओ और जाओ। छुट्टी के दिन भी हाज़िरी की मजबूरी। अगर बीमार पड़ गए, तो लफ कहेगा-₹छुट्टी नहीं है, डिडक्शन लगेगा।₹ शिक्षक का गला बैठ जाए, तब भी कहा जाता है-क्लास तो लेनी होगी, और कोई नहीं है।

काम का बोझ और भावनात्मक शोषण

आज शिक्षक सिर्फ पढ़ाता नहीं है, वो क्लास टीचर है, परीक्षा नियंत्रक है, अभिभावक संवाद अधिकारी है, व्हाट्सएप ग्रुप एडमिन है, स्पोर्ट्स डे का आयोजक है और हर हफ्ते सेल्फी वाले वीडियो का संपादक भी। लेकिन जब सैलरी की बात आए, तो कहा जाता है-आप तो सिर्फ दो पीरियड पढ़ाते हैं।

मास्टर के आंसू और प्रिंसिपल का प्रेस कॉन्फ्रेंस

बच्चा अगर टॉप करे तो प्रिंसिपल प्रेस कॉन्फ्रेंस करता है-हमारे स्कूल का वातावरण ही ऐसा है। और अगर बच्चा फेल हो जाए तो मास्टर की जवाबदेही तय होती है-आपने ठीक से पढ़ाया नहीं। जीत स्कूल की, हार शिक्षक की। फोटो बैनर पर प्रिंसिपल की, मेहनत मास्टर की।

पैरेंट्स की उम्मीदें: टीचर या जादूगर?

आजकल अभिभावक चाहते हैं कि शिक्षक 3 महीने में उनके बच्चे को आईएएस बना दे, और अगर ऐसा न हो पाए तो कहते हैं-हम तो सरकारी स्कूल में डाल देते तो भी क्या फर्क पड़ता! बच्चे की गलती भी अब मास्टर की जिम्मेदारी है। पैरेंट्स मीटिंग में सबसे ज्यादा डांट मास्टर खाता है।

शिक्षक दिवस: एक दिन की इज्जत, साल भर की जिल्लत

5 सितंबर को बच्चों से ₹हैप्पी टीचर्स डे₹ के फूल मिलते हैं। बच्चे गाना गाते हैं-₹सर आप महान हैं₹ और अगले ही दिन वही बच्चा होमवर्क न करने पर कहता है-₹टीचर का क्या है, कुछ भी बोल देते हैं। ₹ साल भर की जिल्लत को एक दिन की इज्जत से ढकना, अब आदत बन गई है।

कानून कहां है? शिक्षा नीति सिर्फ कागज पर

नई शिक्षा नीति 2020 कहती है कि शिक्षक की स्थिति मजबूत होनी चाहिए। लेकिन जमीनी हकीकत ये है कि न कोई रेगुलेशन है, न कोई निगरानी। जिला शिक्षा अधिकारी सिर्फ सरकारी स्कूलों की जांच करता है, प्राइवेट स्कूलों को छूट मिली हुई है-₹अपना नियम खुद बनाओ, खुद चलाओ।

छात्र और शिक्षक: एकतरफा रिश्ता

आज छात्र अधिकारों की बात करता है-मार नहीं खाना, होमवर्क कम मिलना, रिजल्ट अच्छा आना। लेकिन शिक्षक के अधिकारों की बात कौन करे? क्या कोई फ़्लक लगा सकता है कि मास्टर को कितनी सैलरी मिल रही है? नहीं। क्योंकि शिक्षक अधिकारों की बात करना आज भी असहनीय माना जाता है।

समाधान: मौन नहीं, आंदोलन चाहिए

अब वक़्त आ गया है कि शिक्षक चुप्पी तोड़े। सरकार को चाहिए कि एक रेगुलेटरी बॉडी बनाए जो प्राइवेट स्कूलों की सैलरी, काम के घंटे, छुट्टियाँ और काम का बोझ तय करे। हर जिले में निजी शिक्षकों की यूनियन बने जो एक स्वर में बोले। अभिभावकों को भी समझना होगा कि शिक्षक सिर्फ एक वेतनभोगी कर्मचारी नहीं, बल्कि उनके बच्चे के भविष्य का निमार्ता है। देश अगर आगे बढ़ना चाहता है तो सबसे पहले उस हाथ को संभालना होगा जो ब्लैकबोर्ड पर चॉक से भविष्य रचता है। उस आवाज को सुनना होगा जो हर दिन ₹गुड मॉर्निंग₹ कहकर बच्चे को दिन की शुरूआत सिखाता है।

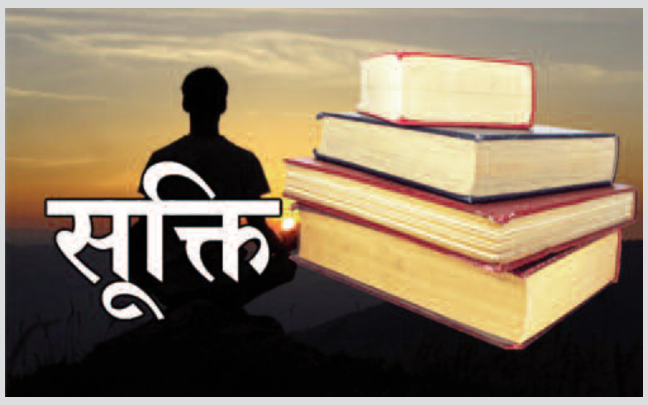

सही स्थान पर बोया गया सुकर्म का बीज ही समय आने पर महान फल देता है। - कथा सरित्सागर

जो सत्य विषय हैं वे तो सबमें एक से हैं झगड़ा झूठे विषयों में होता है। - सत्यार्थप्रकाश

आधी सच्चाई का लाइव तमाशा: रिश्तों की मौत का नया मंच

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

आजकल लोग निजी झगड़ों और रिश्तों की परेशानियों को सोशल मीडिया पर लाइव आकर सार्वजनिक करने लगे हैं, जहां आधी-अधूरी सच्चाई दिखाकर सहानुभूति बटोरी जाती है। सुट्टा आली और मुक्का वाली जैसे मामलों में देखा गया कि जब दूसरा पक्ष सामने आया, तो पहले समर्थन करने वाले लोग उलझन में पड़ गए। सोशल मीडिया अब इंसाफ का मंच नहीं, तमाशा बनता जा रहा है, जहां रिश्ते कंटेंट बनकर बर्बाद हो रहे हैं। इस डिजिटल दिखावे से बाहर निकलने का रास्ता संवाद, संयम और सच्चाई पर आधारित समझदारी है। रिश्तों को बचाने के लिए पहले उन्हें सार्वजनिक न करें, बल्कि निजी स्तर पर सुलझाने की कोशिश करें। आधी सच्चाई दिखाकर न्याय मांगना रिश्तों की मौत का कारण बन सकता है...

घर के अंदर की बातें अब घर के नहीं रहीं। एक वक़्त था जब दीवारों के भीतर जो होता था, वही दीवारों में दफन होता था। पर अब दीवारें भी वाई-फाई से जुड़ चुकी हैं और रिश्ते डेटा पैक पर टिके हैं। बात-बात पर फेसबुक लाइव, इंस्टा स्टोरी, और यूट्यूब व्लॉग-यही अब नए जमाने का रिश्ता-निपटान मंच बन गए हैं। कोई थोड़ा-बहुत झगड़ा हुआ नहीं, लोग कैमरा ऑन करके ऑडियंस के सामने आंसू बहाने लगते हैं। और उस रोते चेहरे के पीछे कितनी सच्चाई है, इसका किसी को अंदाजा नहीं होता-क्योंकि कहानी का दूसरा पहलू अक्सर बेमौसम आता है, या कभी आता ही नहीं।

रोते हुए लाइव, और सहानुभूति का सैलाब

आजकल रिश्तों में सहनशीलता नहीं, स्क्रिप्टिंग आई है। जैसे ही किसी झगड़े या मनमुटाव की चिंगारी उठती है, लोग अपने कैमरे चालू कर लेते हैं और लाइव आकर खुद को पीड़ित घोषित कर देते हैं। आवाज में कंपकंपी, आंखों में आंसू, और शब्दों में दर्द-सब कुछ इतना रियल होता है कि देखने वाला पल भर में 'इमोशनल इन्वेस्ट' कर बैठता है।

पर सवाल ये है कि क्या वो सच्चाई का पूरा चेहरा देख रहा है, या बस आधा?

आज की मिसाल लीजिए-सोशल मीडिया पर पहले 'सुट्टा आली' प्रकरण छाया रहा और अब 'मुक्का वाली' मामला। दोनों में ही एक पक्ष ने पहले सोशल मीडिया पर आकर सहानुभूति बटोरी। लोग टूट पड़े समर्थन में, ट्रोलिंग शुरू हुई, इल्जामों की झड़ी लग गई। लेकिन जब कुछ समय बाद दूसरा पहलू सामने आया, तो वही हमदर्द दोराहे पर खड़े दिखे। कोई खिसियाया, कोई चुप हो गया, और कुछ ने हाथ जोड़ लिए-हमें तो पूरी बात पता ही नहीं थी।

सोशल मीडिया: इंसाफ का नया अदालत?

अब सवाल उठता है-क्या सोशल मीडिया कोई अदालत है, जहां एकतरफा सबूत पेश करके दूसरे पक्ष को बिना सुने सजा सुनाई जा सकती है? क्या हम सब यूजर्स अब जज बन चुके हैं? और अगर हां, तो हमारी अदालत में अपील की व्यवस्था कहां है? दिक्कत ये है कि आजकल लोग जज नहीं, जजमेंटल बन चुके हैं। किसी भी मुद्दे को बिना सोचे, बिना समझे, बिना जांचे-बस वायरल होने की स्पीड से नापते हैं। 'कौन सही है' से ज्यादा अहम हो गया है 'कौन पहले लाइव आया'।

रिश्ते अब रील और रेटिंग का हिस्सा बन गए हैं

जब एक रिश्ते की दरार को सार्वजनिक किया जाता है, तो उसका असर केवल उस रिश्ते पर नहीं, समाज पर भी पड़ता है। यह एक विकृति बनती जा रही है, जहां निजी दर्द सार्वजनिक मनोरंजन बन रहा है। और इसे प्रोत्साहन मिलता है व्यूज, लाइक्स और फॉलोवर्स की भूख से। एक जमाना था जब लोग अपने रिश्तों को बचाने के लिए कुछ भी कर जाते थे-आज लोग लाइक और शेयर के लिए अपने रिश्ते खुद बर्बाद कर देते हैं। मीडिया से ज्यादा, मिडियाई मानसिकता दोषी है

यह केवल 'मीडिया ट्रायल' का मुद्दा नहीं है। असली समस्या उस मानसिकता की है जो कैमरा ऑन होते ही खुद को पीड़ित घोषित कर देती है और दर्शकों को जूरी बना देती है। यह 'हाफ ट्रुथ पॉलिटिक्स' अब राजनीति तक सीमित नहीं रही-यह अब हमारे घरों में घुस चुकी है। लोग अपने गुस्से और दुख को शब्दों में नहीं, स्क्रिप्टेड कंटेंट में ढाल रहे हैं। और दर्शक भी, असल में मदद करने के बजाय, तमाशबीन बने रहते हैं-स्क्रीन के उस पार तालियाँ बजाते हुए।

रिश्ते सहारे से ज्यादा, स्क्रीन पर टिके हैं

इस डिजिटल युग में रिश्ते अब संवाद से नहीं, कंटेंट से चलने लगे हैं। पार्टनर से बात करने की जगह, लोग सोशल मीडिया पर 'इंडीरेक्ट' पोस्ट करते हैं। लड़ाई होती है, तो स्टोरी लगती है-₹सब कुछ सहने की भी एक हद होती है₹।

और फिर लाइक, कमेंट और शेयर की बाढ़ आती है, जो उस रिश्ते के फटे कपड़े में और कील ठोक देती है। क्या कोई रास्ता है इस डिजिटल ड्रामा से बाहर निकलने का? बिलकुल है। पर शुरूआत हमें ही करनी होगी। किसी भी झगड़े या विवाद को सार्वजनिक करने से पहले, अपने सबसे करीबी से निजी तौर पर बात करें। संवाद हर समस्या का पहला समाधान है। अगर मामला गंभीर है, तो परिवार, मित्र या थैरेपिस्ट की मदद लें। इंस्टाग्राम या यूट्यूब पर वीडियो बनाकर दुनिया से इंसाफ की उम्मीद न करें। अगर आप किसी का वीडियो या पोस्ट देख रहे हैं, तो एकतरफा निर्णय न लें। हर कहानी के दो पहलू होते हैं, और कभी-कभी सच्चाई दोनों के बीच कहीं होती है। हर रिश्ता अपने आप में एक दुनिया होता है। उसे सार्वजनिक चौराहे पर न उधेड़ें। एक दिन वही दुनिया आपके खिलाफ खड़ी हो सकती है। आज जब हर व्यक्ति अपने हाथ में मीडिया लेकर घूम रहा है, तब सबसे बड़ा ज़िम्मेदार भी वही है। कैमरा ऑन करना आसान है, पर सच्चाई को ईमानदारी से दिखाना मुश्किल। रिश्ते भरोसे से बनते हैं, और भरोसे की बुनियाद संवाद से मजबूत होती है, तमाशे से नहीं। हर बार लाइव आकर रोना-धोना करने से सहानुभूति तो मिल सकती है, लेकिन रिश्ते नहीं बचते। और जब दूसरा पक्ष सामने आता है, तो फिर न सिर्फ. रिश्ता, बल्कि भरोसा भी मरता है-उस इंसान का भी और उस समाज का भी, जो बस 'लाइव' देखकर न्याय करने को तैयार बैठा था। इसलिए अगली बार जब कोई रोता हुआ वीडियो सामने आए-जरा रुकिए। सवाल पूछिए, दोनों पक्षों को सुनिए। क्योंकि असल इंसाफ वही है जो तटस्थ हो, और इंसाफ के बिना कोई भी तमाशा बस एक और रिश्ते की मौत होती है-डिजिटल स्टेज पर।

7_Page 3.qxd 4/17/2025 8:30 PM Page 1

इन स्थानों को देखे बिना अधूरी ही रहेगी आपकी पुष्कर ट्रिप

रेत, पहाड़, जंगल और झील का अनोखा संगम है राजस्थान के शहर पुष्कर में। वैसे तो पुष्कर 3 वजहों से- ऊंट का मेला, पवित्र और आध्यात्मिक पुष्कर झील में डुबकी और ब्रह्मा जी के मंदिर की वजह से दुनियाभर में मशहूर है। लेकिन कई और जगहें भी हैं जहां गए बिना आफकी पुष्कर की ट्रिप अधूरी है। रेत और झील से दिखता है बेहतरीन सूर्योदय और सूर्यास्त का दृश्य हो, यहां का लजीज खाना हो या फिर चांदी के गहनों के लिए प्रसिद्ध यहां का बाजार..हर एक चीज आपको अपनी ओर आकर्षित करेगी।

ऊंट की सफारी : पुष्कर और आसपास के इलाकों में मौजूद रेगिस्तान और रेत में घूमने का सबसे बेस्ट तरीका है ऊंट की सवारी। ऊंट की सफारी का मजा लेना अपने आप में एक अमेजिंग एक्सपीरियंस है जिसे हर किसी को एक बार जरूर ट्राई करना चाहिए।

हॉट एयर बलून राइड : अगर आप पुष्कर मेले के समय पुष्कर जाएं तो हॉट एयर बलून की सवारी करना न भूलें। इस बलून के जरिए आपको मेले में मौजूद भीड़ से बचकर मेले का बेहतरीन नजारा देखना का अनुभव मिलेगा।

झील के किनारे बिताएं शाम : पुष्कर की शामें यहां की मशहूर झील के किनारे बैठकर गर्मा गर्म कॉफी पीते हुए बिताना बेहतरीन अनुभव है। आप अपने सामने सूरज को ढलते और शाम को बढ़ते हुए देख सकते हैं। जब मंदिर के पीछे सूरज ढलने लगता है और झील के पानी का रंग बदलता है तो उस नजारे को आंखों में कैद कर लेने का दिल करता है।

अजयपाल जी मंदिर के दर्शन : पुष्कर से 10 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है अजयपाल जी का मंदिर। अजमेर शहर के संस्थापक राजा अजय पाल ने यह मंदिर 11वीं शताब्दी में बनवाया था। यह मंदिर चारों तरफ से संगमरमर के बड़े-बड़े पत्थरों से घिरा जिस वजह से यह मंदिर देखने में बेहद खूबसूरत है।

रत्नागिरी पहाड़ की चढ़ाई : पुष्कर की ट्रिप पर कुछ अडवेंचरस करने के मूड में हैं तो रत्नागिरी के पहाड़ियों पर पुष्कर झील से दक्षिण-पश्चिम की तरफ चढ़ाई करें। यह चढ़ाई करीब 1.5 किलोमीटर की है जिसे पूरा करने में 2 घंटे का वक्त लगता है। इस पहाड़ी की चोटी पर स्थित है सावित्री देवी मंदिर जो ब्रह्मा जी की पत्नी को समर्पित है।

कलबेलिया डांस का लुत्फ उठाएं : पुष्कर में दिन भर घूमने के बाद शाम में अपनी थकान मिटाने का सबसे बेस्ट तरीका है कलबेलिया डांस परफॉर्मेंस। यह राजस्थान का सबसे फेमस और भावुक डांस फॉर्म है जिसे यहां के कलबेलिया ट्राइब के लोग करते हैं।

नई व्यवस्था

तीन घंटे ही होगा ताजमहल का दीदार,

एक अप्रैल से लागू होंगे नए नियम

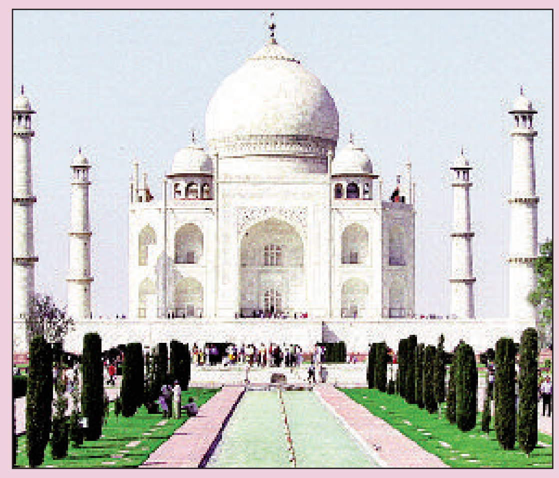

ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब 1 लाख तक पहुंच जाती है। जब भी बात उत्तरप्रदेश पर्यटन की होती है, तो आगरा के ताजमहल के बारे में भी जरूर बात की जाती है। पिछले दिनों भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ताजमहल के संरक्षण के लिए काफी बदलाव किए। इन नए नियमों के तहत आने वाले पर्यटकों की संख्या हर दिन 40,000 सीमित करना शामिल रहा। वहीं अब टिकट लेकर केवल तीन घंटे की अधिकतम सीमा तक ही आप ताजमहल परिसर में ठहर सकते हैं।

आगामी अप्रैल माह से यदि आप ताजमहल देखने जाएंगे तो आपको तीन घंटे के भीतर ही पूरा परिसर देखकर बाहर आना होगा। साथ ही इसके पर्यटक टिकट में भी मामूली बढ़ोत्तरी होने जा रही है। ताजमहल परिसर में प्रवेश के लिए टिकट का मूल्य 40 रुपए से बढ़ाकर 50 रुपए किया जाएगा। विदेशी पर्यटकों के लिए टिकट की कीमत 1000 रुपये है। वहीं जो भारतीय 40,000 की संख्या पार होने के बाद भी ताजमहल देखना चाहते हैं, वे 1000 रुपये का टिकट खरीदकर ताजमहल देख सकते हैं।

ताजमहल देखने के लिए लेना पड़ेगा 1000 का टिकट! घूमने से पहले जान लीजिए ये नए नियम

अधिकारियों का कहना है कि आम दिनों में ताजमहल देखने के लिए 30 से 40 हजार पर्यटक आते हैं और अवकाश एवं विशेष अवसरों पर यह संख्या करीब एक लाख तक पहुंच जाती है। इतनी बड़ी भीड़ को नियंत्रित करना कोई आसान नहीं होता। ताजमहल में पर्यटकों के प्रवेश से निर्धारित समय से आधे घंटे पहले टिकट खिड़कियां खुलेंगी और बंद होने के निर्धारित समय से आधे घंटे पहले बंद हो जाएंगी। इससे भीड़ को नियंत्रित किया जा सकेगा। वहीं ऊंचे मूल्य वाले टिकट की भी व्यवस्था की जाएगी और ऐसे पर्यटकों को विशेष सुविधा दी जाएगी।

स्पेन में लें बियर स्पा का मजा दिलचस्प जगहों पर घूमना न भूलें

स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. घूमने-फिरने के शौकीन लोग, हमेशा नई जगहों की तलाश में रहते हैं. उन्हें किसी दिलचस्प जगहों के बारे में जानने का बड़ा ही शौक होता है. दुनिया का सबसे ऊंचा टॉवर हो या आलीशान इमारत, वो हर जगह घूमना चाहते हैं. आइए, हम आपको बताते हैं ऐसी ही दिलचस्प जगह के बारे में.

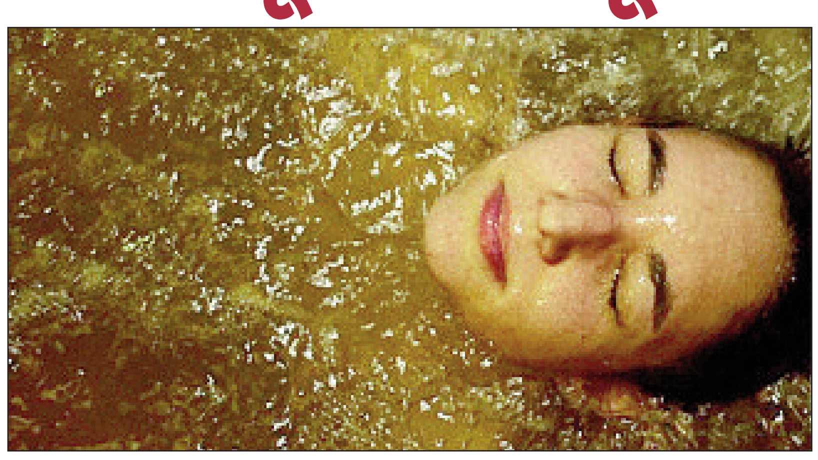

स्पेन में बियर बार स्पा : स्पेन में एक ऐसा बियर बार है, जहां पर आप सिर्फ बियर पी ही नहीं सकते बल्कि यहां नहा भी सकते हैं. स्पेन के ग्रनाडा शहर में खुला है पहला बियर स्पा जहां कस्टमर्स बियर के टब में नहाते हुए बियर पीने का लुत्फ उठा सकते हैं. ऐंटिऑक्सिडेंट्स और विटामिन बी से भरपूर बियर आपकी स्किन और बालों के लिए भी बहुत अच्छी मानी जाती है. यूरोप में वैसे भी बियर स्पा काफी मशहूर और अक्सर लोग स्ट्रेस कम करने और रिलैक्स करने के मकसद से यहां आते हैं. इन बातों के लिए भी खास है स्पेन

ग्रनाडा : इतिहास के पन्नों में मुस्लिम साम्राज्य के दौरान यह स्पेसन का सबसे बेजोड़ शहर हुआ करता था और आज भी है. इस शहर की पाक कला, वास्तु कला और शिल्प कला पर अरबी प्रभाव देखा जा सकता है. यूरोप का सबसे खूबसूरत महल अहम्बरा भी यहीं मौजूद है. यह अपने अनोखे मौसम, बर्फ से ढके पहाड़ों और खूबसूरत बीचों के लिए भी जाना जाता है.

बार्सिलोना : स्पेन के सबसे पसंदीदा शहरों में से एक बार्सिलोना सिटी यहां आने वालों को कई तरह से पसंद आती है जैसे, यहां साल भर नई-नई डिशेज, फैशन और म्यूजिक की धूम रहती है. यह शहर खासतौर से अपनी फुटबॉल टीम के लिए मशहूर है. मशहूर आर्किटेक्ट एंटोनी गाओदी द्वारा बनाई गई इमारतें बहुत ही खूबसूरत हैं.

संक्षिप्त खबरें

सरकार ने कोयला आयात निगरानी प्रणाली पोर्टल के लिए पंजीकरण शुल्क को तर्कसंगत बनाया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्र सरकार ने गुरुवार को कोयला आयात निगरानी प्रणाली (सीआईएमएस) पोर्टल के लिए पंजीकरण शुल्क को तर्कसंगत बना दिया है। सरकार ने पंजीकरण शुल्क को संशोधित कर 500 रुपये प्रति खेप कर दिया है, जो 15 अप्रैल, 2025 से लागू हो गया है।

कोयला मंत्रालय मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि व्यापार में आसानी को बढ़ावा देने और आयात निगरानी प्लेटफॉर्म पर एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए सीआईएमएस पोर्टल के पंजीकरण शुल्क को युक्तिसंगत बनाया गया है। पंजीकरण शुल्क को संशोधित कर 500 रुपये प्रति खेप कर दिया गया है। यह पहले की शुल्क संरचना की जगह लेगा, जो प्रति खेप 500 रुपये से लेकर एक लाख रुपये तक थी।

मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य व्यापार करने में आसानी को बढ़ावा देना और आयात निगरानी प्लेटफार्मों में एकरूपता सुनिश्चित करना है। कोयला आयात निगरानी में पारदर्शिता और दक्षता को मजबूत करने के लिए एक अहम चरण के रूप में कोयला आयात निगरानी प्रणाली (सीआईएमएस) को लागू किया है। उसने कहा कि कोयला आयात प्रतिस्थापन में वास्तविक समय की निगरानी और सूचित निर्णय लेने को सक्षम करके, यह पहल आत्मनिर्भर भारत सुनिश्चित करने के सरकार के दृष्टिकोण में एक महत्वपूर्ण चरण है।

उल्लेखनीय है कि कोयला आयात निगरानी प्रणाली (सीआईएमएस) एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है, जिसे कोयला आयात की रिपोर्टिंग को कारगर बनाने, प्रभावी नीति निर्माण और क्षेत्रीय विश्लेषण के लिए समय पर और सटीक डेटा सुनिश्चित करने के लिए विकसित किया गया है। पंजीकरण शुल्क को युक्तिसंगत बनाने से सीआईएमएस को इस्पात आयात निगरानी प्रणाली (एसआईएमएस), अलौह आयात निगरानी प्रणाली (एनएफआईएमएस) और कागज आयात निगरानी प्रणाली (पीआईएमएस) जैसी समान आयात निगरानी प्रणालियों के साथ युक्तिसंगत किया गया है। यह सभी एक समान शुल्क मॉडल के तहत कार्य करती हैं।

पोखरा हवाईअड्डा निर्माण में एक हजार करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का खुलासा, संसदीय जांच समिति ने सौंपी रिपोर्ट

काठमांडू, (एजेंसी) : चीन से महंगा ऋण लेकर बनाए गए पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के निर्माण में एक हजार करोड़ रुपये के घोटाला होने का खुलासा संयुक्त संसदीय समिति की जांच में हुआ है। संसद की इस जांच समिति ने 11 बिंदुओं में अनियमितता होने और इससे संबंधित दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है।

आरपीपी अध्यक्ष राजेन्द्र लिंगदेन के संयोजकत्व में गठित इस समिति ने जांच रिपोर्ट संसद की लेखा समिति को सौंप दी है। जांच रिपोर्ट में निष्कर्ष निकाला गया है कि इस परियोजना की प्रारंभिक अनुमानित लागत 1272 करोड़ रुपये थी, जिसे बाद में भ्रष्टाचार की नीयत से बढ़ाकर 2200 करोड़ रुपये तक पहुंचा दिया गया। निर्माण कार्य पूरा होने पर कुल 2600 करोड़ का भुगतान किए जाने का प्रमाण मिला। राजेन्द्र लिंगदेन ने कहा कि सिर्फ टैक्स छूट के नाम पर 200 करोड़ रुपये से अधिक का भ्रष्टाचार हुआ है और महालेखा परीक्षक ने भी रिपोर्ट के माध्यम से इस मामले को सार्वजनिक किया है। निर्माण प्रक्रिया के दौरान हजारों करोड़ रुपये का गबन किया गया है। लिंगदेन ने कहा कि इस मामले में मुकदमा चलाने के लिए एंटी करप्शन ब्यूरो को सिफारिश करने का निर्णय लिया गया है।

जांच समिति के एक सदस्य तथा पूर्व नागरिक उड्डयन मंत्री प्रेम आले के अनुसार पोखरा हवाई अड्डे के निर्माण में अनियमितताएं देश में सबसे बड़े भ्रष्टाचार मामलों में से एक हैं। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय ने कुछ विवरण उपलब्ध नहीं कराए हैं, अगर वो भी उपलब्ध हो जाए, तो अनियमितताओं का आकार और अधिक हो सकता है। आले ने कहा कि लगभग सभी शीर्षकों में भ्रष्टाचार किए जाने की प्रमाण सहित रिपोर्ट तैयार की गई है। उनका दावा है कि हवाईअड्डे निर्माण में गुणवत्ता के स्तर में भी समझौता करके भ्रष्टाचार किया गया है। इतना ही नहीं, समझौते के विपरीत टैक्स छूट देकर राजस्व की चोरी की गई है।

पोखरा हवाई अड्डे के निर्माण का अध्ययन करने के लिए गठित संसदीय जांच समिति ने सुझाव दिया है कि हवाई अड्डे के निर्माण में शामिल सभी लोगों के खिलाफ जांच की जानी चाहिए। साथ ही नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक प्रदीप अधिकारी को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने की भी बात उल्लेख है। यह अधिकारी पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना के इंचार्ज थे।

पोखरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का निर्माण चीन के एक्जिम बैंक से ऋण लेकर किया गया है। इसके निर्माण की जिम्मेदारी भी चीन की चाइना इंजीनियरिंग कंपनी लिमिटेड को दी गई। इसके निर्माण के लिए चीन की एक्जिम बैंक ने 305 मिलियन डॉलर का ऋण दिया था। चीन की तरफ से 2 प्रतिशत के ब्याज पर ऋण दिया गया, लेकिन नेपाल की तत्कालीन ओली सरकार ने नेपाल नागरिक उड्डयन प्राधिकरण को 5 प्रतिशत के ब्याज पर वही ऋण दिया था। इस समय पोखरा विमानस्थल से होने वाली आय सीधे चीन के एक्जिम बैंक में ही जमा होती है।

नेपाल में नई सरकार गठन को लेकर प्रचंड के बयान से राजनीति गरमाई

काठमांडू, (एजेंसी) :नेपाल के प्रमुख प्रतिपक्षी दल के नेता पुष्प कमल दहाल 'प्रचंड' के उस बयान के बाद राजनीति गरमा गई है, जिसमें उन्होंने ओली सरकार के जल्द ही गिरने और सत्तारूढ़ नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में नई सरकार के गठन का दावा किया था। अब सत्तारूढ़ दल के नेताओं की अपनी ही सरकार की लगातार आलोचना से विश्वास का संकट खड़ा हो गया है।

वर्तमान ओली सरकार के खिलाफ जागरण अभियान चला रहे माओवादी पार्टी के अध्यक्ष प्रचंड ने बुधवार की सुबह नवलपरासी जिले से एक बयान दिया था कि देश में नई सरकार के गठन को लेकर उनकी पार्टी और सत्तारूढ़ दल नेपाली कांग्रेस के नेताओं से लगातार बातचीत चल रही है। प्रचंड यही नहीं रुके, उन्होंने आगे यह भी कहा कि जल्द ही ओली सरकार का पतन होगा और नेपाली कांग्रेस के नेतृत्व में नई सरकार गठन होने वाला है। प्रचंड के इस बयान के बाद बुधवार की शाम को प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने गठबंधन के दो प्रमुख घटक दलों कांग्रेस और एमाले के शीर्ष नेताओं की बैठक बुलाई। इस बैठक से नेपाली कांग्रेस पार्टी के दो बड़े पदाधिकारी नदारद रहे, जिससे गठबंधन में दरार आने की चर्चा को और अधिक बल मिला।

कांग्रेस पार्टी के उपाध्यक्ष और सरकार संचालन के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति के संयोजक रहे पूर्ण बहादुर खड़का और पार्टी के महामंत्री गगन थापा के इस बैठक में सहभागी नहीं होने के बाद राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज हो गई। बुधवार को देर रात तक चली इस बैठक में शामिल गृह मंत्री रमेश लेखक ने बैठक के बाद बाहर आकर मीडिया को बताया कि गठबंधन में कोई दरार नहीं है और मिल कर सरकार संचालन करने की प्रतिबद्धता दोहराई गई है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के नेताओं की ओर से सरकार की सार्वजनिक आलोचना किए जाने को गठबंधन धर्म के विपरीत बताया।

गुरुवार की सुबह से ही गठबंधन के दोनों प्रमुख घटक दल की अलग-अलग बैठक हुई। नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेर बहादुर देउवा ने सुबह ही पार्टी के सभी पदाधिकारियों और सरकार में शामिल मंत्रियों की संयुक्त बैठक कर गठबंधन में कोई भी समस्या नहीं रहने का संकेत दिया है। इस बैठक में सहभागी पार्टी के प्रवक्ता डॉ. प्रकाश शरण महत ने कहा कि पार्टी के सभी नेताओं को हिदायत दी गई है कि कोई भी सरकार की आलोचना न करे।

लगातार चौथे दिन मजबूती के साथ बंद हुआ शेयर बाजार, शुरूआती गिरावट के बाद सेंसेक्स और निफ्टी में तूफानी तेजी

बाजार की मजबूती के कारण निवेशकों ने कमाए 4.49 लाख करोड़ रुपये

नई दिल्ली, (एजेंसी) : घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को लगातार चौथे कारोबारी दिन जोरदार मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरूआत कमजोरी के साथ हुई थी। शुरूआती कारोबार में बिकवाली के दबाव के की वजह से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों की गिरावट और बढ़ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिससे दोनों सूचकांकों की चाल में तेजी आ गई। इसके बाद आज पूरे दिन खरीदारी का जोर बना रहा, जिसके कारण इंट्रा-डे में सेंसेक्स 1,951 अंक और निफ्टी 573 अंक उछल गए। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1.96 प्रतिशत और निफ्टी 1.77 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

आज दिन भर के कारोबार के दौरान इंफ्रास्ट्रक्चर, बैंकिंग और ऑयल एंड गैस सेक्टर के शेयरों में लगातार खरीदारी होती रही। इसी तरह आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्युरेबल्स, एफएमसीजी, फार्मास्यूटिकल, मेटल, पब्लिक सेक्टर एंटरप्राइज और टेक इंडेक्स भी मजबूती के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.56 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.52 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के कारोबार का अंत किया।

आज शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में करीब साढ़े चार लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 419.49 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया। पिछले कारोबारी दिन यानी बुधवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 415 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 4.49 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,106 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,429 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,520 शेयरों में गिरावट का रुख रहा और 157 शेयर बिना किसी उतार-चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,557 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,638 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 919 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 28 शेयर बढ़त के साथ और 2 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 44 शेयर हरे निशान में और 6 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स आज 76.27 अंक की कमजोरी के साथ 76,968.02 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरूआत होने के बाद पहले घंटे के दौरान बिकवाली का दबाव बनने की वजह से यह सूचकांक 378.52 अंक की कमजोरी के साथ 76,665.77 अंक तक गिर गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने चौतरफा लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के कारण आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले यह सूचकांक निचले स्तर से 1,951 अंक उछल कर 1,572.48 अंक की तेजी के साथ 78,616.77 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 1,508.91 अंक की बढ़त के साथ 78,553.20 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 35.35 अंक फिसल कर 23,401.85 अंक के स्तर से कारोबार की शुरूआत की। बाजार खुलते के बाद बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण सुबह 10:30 बजे तक यह सूचकांक 138.65 अंक टूट कर 23,298.55 अंक तक गिर गया। इसके बाद खरीदारों ने आक्रामक अंदाज में लिवाली शुरू कर दी, जिससे इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से आज का कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले निफ्टी निचले स्तर से 573.80 अंक की छलांग लगा कर 435.15 अंक की तेजी के साथ 23,872.35 अंक तक पहुंचने में सफल रहा। हालांकि, आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट की वजह से हुई बिकवाली के कारण निफ्टी ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे फिसल कर 414.45 अंक की मजबूती के साथ 23,851.65 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

दिनभर हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से एटरनल 4.29 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 3.71 प्रतिशत, भारती एयरटेल 3.65 प्रतिशत, सन फार्मास्यूटिकल्स 3.45 प्रतिशत और बजाज फिनसर्व 3.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ आज के टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। दूसरी ओर, विप्रो 4.34 प्रतिशत, हीरो मोटोकॉर्प 0.27 प्रतिशत, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.22 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 0.15 प्रतिशत और कोल इंडिया 0.10 प्रतिशत की कमजोरी के साथ आज के टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

एफआईयू-आईएनडी और आरबीआई ने बेहतर समन्वय एवं सूचना आदान-प्रदान के लिए किया समझौता

नई दिल्ली, (एजेंसी) : वित्तीय खुफिया इकाई-भारत (एफआईयू-आईएनडी) और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने धन शोधन निवारण अधिनियम और इसके तहत बनाए गए नियमों की जरूरतों के प्रभावी कार्यान्वयन में निरंतर समन्वित प्रयासों के हिस्से के रूप में गुरुवार को राजधानी नई दिल्ली में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं।वित्त मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि एफआईयू-आईएनडी और आरबीआई ने बेहतर सहयोग और सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए समझौता किया है। यह समझौता ज्ञापन मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम और अनुपालन की दिशा में एक दूसरे के सहयोग वाले प्रयासों को बेहतर करेगा। इस समझौते पर एफआईयू-आईएनडी के निदेशक विवेक अग्रवाल और आरबीआई के विनियमन विभाग के कार्यकारी निदेशक आर. एल. के. राव ने हस्ताक्षर किए हैं।

एमओयू के अनुसार एफआईयू-आईएनडी और आरबीआई आपसी हित के क्षेत्रों में एक-दूसरे के साथ सहयोग करेंगे, जिसमें एमओयू के प्रत्येक पक्ष द्वारा दूसरे पक्ष के साथ बातचीत करने के लिए एक नोडल अधिकारी और एक वैकल्पिक नोडल अधिकारी की नियुक्ति करना शामिल है। समझौता ज्ञापन के मुताबिक एफआईयू-आईएनडी और आरबीआई निम्नलिखित के साथ आपसी हित के क्षेत्रों में एक दूसरे का सहयोग करेंगेः-

समझौता ज्ञापन में जुड़े सभी पक्ष दूसरे पक्ष के साथ बातचीत करने के लिए एक नोडल अधिकारी और एक वैकल्पिक नोडल अधिकारी नियुक्त करेंगे। अपने-अपने डेटाबेस में मौजूद प्रासंगिक खुफिया जानकारी और सूचनाएं साझा करना। पीएमएल नियमों के अंतर्गत विनियमित संस्थाओं/रिपोर्टिंग संस्थाओं की ओर से एफआईयू आईएनडी को रिपोर्ट करने की प्रक्रिया और तरीके को निर्धारित करना। विनियमित संस्थाओं/रिपोर्टिंग संस्थाओं के लिए आउटरीच और प्रशिक्षण का आयोजन करना। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर से विनियमित विनियमित संस्थाओं/ रिपोर्टिंग संस्थाओं में मनी लॉन्ड्रिंग के निवारण/ आतंकवाद के वित्तपोषण का प्रतिरोध (एएमएल/सीएफटी) कौशल का अपग्रेडेशन। संबंधित वित्तीय उप-क्षेत्रों में धन शोधन/ आतंकवाद वित्तपोषण (एमएल/टीएफ) जोखिम और कमजोरियों का आकलन। संदिग्ध लेन-देन के लिए रेड फ्लैग संकेतकों की पहचान। आरबीआई की ओर से विनियमित रिपोर्टिंग संस्थाओं द्वारा पीएमएलए, पीएमएल नियमों और आरबीआई निर्देशों के तहत उनके दायित्वों के अनुपालन की निगरानी और मॉनिटरिंग करना। प्रासंगिक अंतर्राष्ट्रीय मानकों का अनुपालन। आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा और जानकारी साझा करने के लिए त्रैमासिक बैठक का आयोजन। इस मौके पर एफआईयू-आईएनडी के अतिरिक्त निदेशक बेदोबनी चौधरी, आरबीआई के विनियमन विभाग की मुख्य महाप्रबंधक वीणा श्रीवास्तव, एफआईयू-आईएनडी के उप निदेशक अविनाश कुमार और एफआईयू-आईएनडी के एफएसई श्री संजय घोष भी मौजूद थे।

रावलपिंडी में पीटीआई के शीर्ष नेताओं और इमरान खान की बहनों को पुलिस ने किया गिरफ्तार, बाद में मिली रिहाई

रावलपिंडी, (एजेंसी) : पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान से मिलने के प्रयास में जुटे पार्टी के शीर्ष नेताओं और उनके परिवारजनों को गुरुवार को रावलपिंडी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए नेताओं में नेशनल असेंबली में विपक्ष के नेता उमर अय्यूब खान, पंजाब विधानसभा में विपक्ष के नेता अहमद खान भच्चर और सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के प्रमुख व पीटीआई सहयोगी साहिबजादा हमीद रजा शामिल थे। इमरान खान की बहनों अलीमा खान, नूरीन खानम और उजमा खानम को भी हिरासत में लिया गया। यह घटनाक्रम उस समय हुआ जब पीटीआई नेताओं और कार्यकताओं ने अदियाला जेल के बाहर इमरान खान से मुलाकात की अनुमति न मिलने पर विरोध प्रदर्शन किया। गोरखपुर चेकपोस्ट के पास जमा प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक और झड़प हुई। स्थिति बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज किया, वहीं प्रदर्शनकारियों ने पत्थरबाजी की। इस दौरान कई नेताओं और कार्यकताओं को हिरासत में लिया गया।पुलिस अधिकारियों ने नेताओं को गिरफ्तारी वारंट दिखाकर एक जेल वैन में बैठाया। गिरफ्तारी से पहले विपक्ष के नेता उमर अय्यूब ने मीडिया से कहा, देखिए, विपक्ष के नेता को गिरफ्तार किया जा रहा है। हमारे साथ पंजाब विधानसभा के नेता, हमीद रजा और अन्य नेता भी हैं। क्या यही कानून का राज है?उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने गृह मंत्री मोसिन नकवी को नेशनल असेंबली में नहीं बैठने दिया था।घटना की पीटीआई प्रवक्ता शेख वकास अकराम ने कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे बेहद निंदनीय करार देते हुए सरकार से तुरंत सभी नेताओं और इमरान की बहनों की रिहाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ऐसी कार्रवाइयां नहीं रुकीं, तो जनता की तीव्र प्रतिक्रियाह्व सामने आ सकती है।

संरक्षणवादी नीतियों के बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की आशंका : सीतारमण

मुंबई, (एजेंसी) :केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने गुरुवार को कहा कि संरक्षणवादी नीतियों के बढ़ने से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने की आशंका है, लेकिन भारत उपयुक्त नीतियों और दीर्घकालिक निवेश के साथ वैश्विक व्यवधानों से निपट लेगा। वैश्विक व्यापार युद्ध को लेकर जारी चिंताओं बीच सीतारमण ने कहा कि सरकार का ध्यान मजबूत घरेलू आधार बनाने पर रहेगा।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आज बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) के 150 वर्ष पूरे होने के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। उन्होंने

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नए टैरिफ नियमों पर आश्वासन दिया कि भारत अपनी नीतियों के साथ इन 'वैश्विक व्यवधानों' से निपट लेगा। उन्होंने कहा कि भारत इन वैश्विक व्यवधानों से बाहर निकलने के लिए काम करेगा। वित्त मंत्री ने कहा कि हाल की वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत के वित्तीय बाजारों ने उल्लेखनीय मजबूती दिखायी है। उन्होंने बाजारों में खुदरा निवेशकों के भरोसे की सराहना भी की।

जीतन राम मांझी ने भुवनेश्वर में सीटीटीसी और फार्मास्युटिकल क्लस्टर का दौरा किया

नई दिल्ली, (एजेंसी) : केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने गुरुवार को भुवनेश्वर में केंद्रीय टूल रूम और प्रशिक्षण केंद्र (सीटीटीसी) का दौरा किया। इसके बाद उन्होंने मंचेश्वर औद्योगिक एस्टेट में फार्मास्युटिकल क्लस्टर का दौरा किया, जो एमएसएमई मंत्रालय की एमएसई-सीडीपी योजना के तहत स्थापित एक सामान्य सुविधा केंद्र (सीएफसी) है।

सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय ने जारी एक बयान में बताया कि केंद्रीय मंत्री को इस यात्रा के दौरान सीटीटीसी के महाप्रबंधक एल. राजशेखर ने सीटीटीसी, इसकी प्रमुख पहलों और उल्लेखनीय उपलब्धियों पर एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। मंत्रालय के मुताबिक सीटीटीसी एमएसएमई मंत्रालय के तहत एक स्वायत्त निकाय है, जिसे मंत्रालय के तहत अन्य सभी प्रौद्योगिकी केंद्रों में सर्वश्रेष्ठ माना जाता है।मंत्रालय ने बताया कि सीटीटीसी कई प्रतिष्ठित ग्राहकों को अपनी सेवाएं प्रदान करता है। इनमें भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो), वैमानिकी विकास एजेंसी (एडीए), रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) और टाटा मोटर्स लिमिटेड शामिल हैं। इसने चंद्रयान-3 (इसरो) और एलसीए-तेजस परियोजना (एडीए) के लिए महत्वपूर्ण घटकों का निर्माण करके भारत के एयरोस्पेस मिशनों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सीटीटीसी वर्तमान में आगामी गगनयान मिशन के लिए घटकों का निर्माण कर रहा है।मांझी ने भुवनेश्वर के मंचेश्वर औद्योगिक एस्टेट में फार्मास्युटिकल क्लस्टर (सीएफसी) का भी दौरा किया, जिसे मंत्रालय की एमएसई-सीडीपी योजना के तहत स्थापित किया गया है। यह ओडिशा सरकार द्वारा समर्थित है, जिसका उद्देश्य भुवनेश्वर और कटक क्षेत्र में फार्मास्युटिकल विनिर्माण क्षेत्र की सेवा करना है। उत्कल फार्मास्युटिकल मैन्युफैक्चरर्स एसोसिएशन (यूपीएमए) इस परियोजना के लिए विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के साथ अपर सचिव एवं विकास आयुक्त (एमएसएमई) डॉ. रजनीश (आईएएस), अपर विकास आयुक्त (एमएसएमई) सुधा केशरी (आईईएस), ओडिशा सरकार के

संक्षिप्त खबरें

गुरुग्राम में 18 अप्रैल से शुरू होगी पहली ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग

गुरुग्राम, (एजेंसी) : गुरुग्राम विश्वविद्यालय 18 अप्रैल से शुरू हो रही ग्लोबल इंडियन प्रवासी कबड्डी लीग (जीआई-पीकेएल) की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है। यह पहली बार है जब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कबड्डी को फ्रेंचाइजी मॉडल में आयोजित किया जा रहा है, जिसमें एशिया, यूरोप और अफ्रीका के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे।

13 दिनों तक चलने वाली इस लीग की शुरूआत तमिल लायंस और पंजाबी टाइगर्स के बीच रोमांचक मुकाबले से होगी। पुरुषों की छह टीमें मराठी वल्चर्स, भोजपुरी लेपर्ड्स, तेलुगु पैंथर्स, तमिल लायंस, पंजाबी टाइगर्स और हरियाणवी शार्क्स लीग में भाग लेंगी। महिलाओं की लीग 19 अप्रैल से शुरू होगी, जिसमें मराठी फाल्कन्स बनाम तेलुगु चीता का मुकाबला होगा। महिला टीमों में भोजपुरी तेंदुआ, तमिल शेरनी, पंजाबी बाघिन और हरियाणवी ईगल्स भी शामिल हैं।

होलिस्टिक इंटरनेशनल प्रवासी खेल संघ (एचआईपीएसए) की अध्यक्ष कांति डी. सुरेश ने कहा, ₹गुरुग्राम विश्वविद्यालय की तैयारियां प्रशंसनीय हैं। यह लीग कबड्डी को वैश्विक मंच देगी।₹ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता ने इसे ह्यखेल भावना और सांस्कृतिक विरासत का उत्सवह्व बताया। देशभर में लीग का प्रचार व्यापक स्तर पर किया गया है। दिल्ली, लखनऊ, हैदराबाद और मुंबई समेत कई शहरों में 30 से अधिक बड़े बिलबोर्ड लगाए गए हैं। अंतरराष्ट्रीय प्रचार के तहत 18 अप्रैल को न्यूयॉर्क के टाइम्स स्क्वायर पर डिजिटल अभियान चलाया जाएगा। हर दिन शाम 6 बजे से तीन मुकाबले होंगे, जिनका सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स 3 और डीडी स्पोर्ट्स पर किया जाएगा। लीग स्टेज 27 अप्रैल तक चलेगी। इसके बाद 28 और 29 अप्रैल को सेमीफाइनल और 30 अप्रैल को पुरुष एवं महिला फाइनल मुकाबले होंगे।

प्रदेश स्तरीय फुटबाल टीम में वर्तिका और अलीना का चयन

प्रयागराज, (एजेंसी) : महाराष्ट्र के कोल्हापुर में 25 से 29 अप्रैल तक होने वाली 68वीं राष्ट्रीय विद्यालयी अण्डर 14 फुटबाल प्रतियोगिता के लिए विकर पब्लिक जूनियर हाईस्कूल सदर बाजार की दो छात्राओं का चयन उत्तर प्रदेश की टीम में किया गया है।

विद्यालय के प्रधानाचार्य वीडी शुक्ला ने गुरुवार को बताया कि अशोक रोड निवासी वर्तिका कुशवाहा और मऊसरैया, नेवादा निवासी अलीना का चयन प्रदेश स्तरीय टीम में किया गया है। दोनों छात्राओं ने विद्यालय के क्रीड़ाध्यापक एवं फुटबालर जितेंद्र कुमार (जैक) से प्रशिक्षण लिया है।

दोनों बालिकाओं के चयन पर छावनी परिषद इलाहाबाद के मुख्य अधिशासी अधिकारी मोहम्मद समीर इस्लाम, स्कूल कोऑर्डिनेटर एके सिन्हा, शिक्षिका दीप्ति कुशवाहा, शुभांगिनी शर्मा सहित सभी शिक्षकों ने शुभकामनाएं देते हुए उज्वल भविष्य की कामना की है।

ज्वाला देवी गंगापुरी के दो छात्र खेलो इंडिया यूथ गेम्स में चयनित

प्रयागराज, (एजेंसी) : विद्या भारती से सम्बद्ध ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद के छात्रों का चयन खेलो इंडिया यूथ गेम्स में हुआ है। अब दोनों खिलाड़ी बिहार राज्य के पांच शहरों में 4 मई से 15 मई तक आयोजित होने वाली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे।

विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र ने गुरुवार को बताया कि झारखण्ड के बिरसा मुंडा फुटबॉल स्टेडियम मोराबाडी रांची में विद्या भारती द्वारा आयोजित 68वें नेशनल स्कूल गेम्स में ज्वाला देवी सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज गंगापुरी रसूलाबाद के छात्र आर्य देव ने पोल वाल्ट में गोल्ड मेडल तथा शहंशाह ने जैवलिन में रिकॉर्ड के साथ गोल्ड मेडल प्राप्त किया था। जिनका चयन खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 में हुआ है।

दोनों खिलाड़ियों के चयनित होने पर विद्यालय के प्रधानाचार्य युगल किशोर मिश्र, विद्या भारती पूर्वी उत्तर प्रदेश के सह क्षेत्रीय संगठन मंत्री डॉ.राम मनोहर, विद्या भारती क्षेत्रीय खेलकूद प्रमुख जगदीश कुमार सिंह, विद्यालय प्रबंधक राकेश सिंह सेंगर, अध्यक्ष च्यवन भार्गव एवं विद्यालय के शारीरिक शिक्षक शिव कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को बधाई दी है।

आईपीएल 2025 में पहली बार सपोर्ट स्टाफ पर लगा जुमार्ना, दिल्ली कैपिटल्स के कोच मुनाफ पटेल पर कार्रवाई

नई दिल्ली, (एजेंसी) : इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में एक नया मामला सामने आया है, जब पहली बार किसी टीम के सपोर्ट स्टाफ सदस्य पर आचार संहिता के उल्लंघन के चलते जुमार्ना लगाया गया है। बुधवार (16 अप्रैल) को दिल्ली कैपिटल्स और राजस्थान रॉयल्स के बीच हुए रोमांचक मुकाबले के बाद भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दिल्ली के गेंदबाजी कोच मुनाफ पटेल पर कार्रवाई की है।

आईपीएल की ओर से जारी बयान में कहा गया कि मुनाफ पटेल ने 'लेवल 1' के तहत अनुच्छेद 2.20 का उल्लंघन किया, जो खेल की भावना के खिलाफ आचरण से जुड़ा है। मुनाफ ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और मैच रेफरी के फैसले को मान लिया है। इसके चलते उनकी 25 प्रतिशत मैच फीस काटी गई और एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया।

हालांकि, आईपीएल ने इस मामले का ब्योरा नहीं दिया, लेकिन सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के मुताबिक मुनाफ की चौथे अंपायर से एक रणनीतिक संदेश मैदान में भेजने को लेकर गर्मागर्म बहस हुई थी।

इंटर मिलान ने बायर्न म्यूनिख को 4-3 से हराकर चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में बनाई जगह

मिलान, (एजेंसी) : इंटर मिलान ने यूईएफए चैंपियंस लीग 2024-25 के क्वार्टरफाइनल के रोमांचक मुकाबले में बायर्न म्यूनिख को 4-3 के एग्रीगेट स्कोर से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है।

बुधवार देर रात सान सिरो स्टेडियम में हुए दूसरे लेग का मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ, लेकिन पहले लेग में मिली 2-1 की जीत के चलते इटालियन चैंपियन इंटर ने अंतिम-4 में प्रवेश किया। अब इंटर का मुकाबला सेमीफाइनल में बार्सिलोना से होगा।

लौटारो और पावार्ड के गोल ने इंटर को दिलाई बढ़त

बारिश और तेज हवाओं के बीच खेले गए इस मुकाबले में पहले हाफ तक दोनों टीमों के बीच गोल नहीं हुआ। हालांकि, दूसरे हाफ में मुकाबला रोमांचक हो उठा। बायर्न के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन ने 52वें मिनट में गोल कर स्कोर बराबर कर दिया और मुकाबले को नई जान दे दी।

इसके बाद इंटर के कप्तान लौटारो मार्टिनेज ने 58वें मिनट में गोल दागकर इंटर को फिर से बढ़त दिलाई। महज तीन मिनट बाद, बेंजामिन पावार्ड ने एक शानदार हेडर से गोल कर इंटर को निर्णायक बढ़त दिला दी।

डायर ने दिलाई उम्मीद, लेकिन समर ने बचाई जीत

75वें मिनट में एरिक डायर ने बायर्न के लिए हेडर के जरिए गोल कर मुकाबले को फिर रोमांचक बना दिया। इसके बाद बायर्न ने बराबरी के लिए लगातार दबाव बनाया। स्टॉपेज टाइम में हैरी केन का हेडर इंटर के गोलकीपर यान समर ने शानदार तरीके से रोक लिया और यहीं से इंटर की जीत तय हो गई।

सान सिरो में दिखा अलग नजारा, ट्रेबल सपना ज़िंदा

इंटर मिलान के फैंस ने टिकट की बढ़ी कीमतों के विरोध में शुरूआती 20 मिनट तक स्टेडियम में सन्नाटा बनाए रखा। इसके बाद फैंस ने जोरदार शोर और गानों से अपनी टीम का हौसला बढ़ाया।

इंटर अब 2010 के जोसे मोरिन्हो युग की तरह एक बार फिर से सीरी ए, चैंपियंस लीग और इटालियन कप ट्रेबल जीतने की ओर बढ़ रही है। टीम इस समय इटली की लीग टेबल में नेपोली से तीन अंकों की बढ़त बनाए हुए है और डोमेस्टिक कप के सेमीफाइनल में एसी मिलान से भिड़ने वाली है।

आर्सेनल 16 साल बाद चैंपियंस लीग के सेमीफाइनल में , रियल मैड्रिड को 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से हराया

मैड्रिड, (एजेंसी) :इंग्लिश क्लब आर्सेनल ने चैंपियंस लीग 2024-25 सीजन में शानदार प्रदर्शन करते हुए मौजूदा चैंपियन रियल मैड्रिड को क्वार्टरफाइनल में 5-1 के एग्रीगेट स्कोर से मात दी। बुधवार रात हुए दूसरे लेग के मुकाबले में आर्सेनल ने 2-1 से जीत दर्ज कर 16 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। अब उनका मुकाबला पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) से होगा।

पहले लेग की बढ़त ने रखा मजबूत आधार

आर्सेनल ने पिछले हफ्ते लंदन में खेले गए पहले लेग में 3-0 की बड़ी जीत दर्ज की थी, जिसका फायदा उन्हें मैड्रिड में मिला। मैच की शुरूआत से ही आर्सेनल ने रक्षात्मक रणनीति अपनाई और रियल मैड्रिड के आक्रामक खेल को ज्यादा मौके नहीं दिए।

साका ने चूकी पेनल्टी, फिर दागा पहला गोल

पहले हाफ में आर्सेनल को पेनल्टी का मौका मिला जब वीएआर की मदद से रियल के राउल असेंसियो द्वारा मिकेल मेरिनो को खींचने का मामला पकड़ में आया। हालांकि, साका का पेनल्टी किक थिबो कोर्टुआ ने रोक लिया। इस चूक के बाद साका ने दूसरे हाफ में 65वें मिनट में शानदार वापसी की और टीम के लिए पहला गोल दागा।

विनीसियस जूनियर ने लौटाई उम्मीद, मार्टिनेली ने की निर्णायक वार

साका के गोल के दो मिनट बाद ही विलियम सलीबा की गलती का फायदा उठाते हुए विनीसियस जूनियर ने बराबरी का गोल कर रियल को थोड़ी उम्मीद दी। लेकिन, स्टार खिलाड़ी किलियन एम्बाप्पे के चोटिल होकर मैदान छोड़ने से रियल मैड्रिड की मुश्किलें और बढ़ गईं।

मैच के इंजरी टाइम में गेब्रियल मार्टिनेली ने आर्सेनल के लिए दूसरा और निर्णायक गोल कर रियल मैड्रिड की वापसी की उम्मीदें पूरी तरह खत्म कर दीं।

पिछले सीजन में चैंपियंस लीग और ला लीगा डबल जीतने वाली रियल मैड्रिड इस बार अपनी लय में नहीं दिखी। पहले लेग में 3-0 की हार के बाद टीम मैड्रिड में भी ज्यादा कुछ नहीं कर पाई। स्टार स्ट्राइकर एम्बाप्पे भी पूरी तरह लय में नहीं दिखे और आखिरी मिनटों में चोटिल होकर बाहर हो गए। आर्सेनल ने अब तक चैंपियंस लीग इतिहास में सिर्फ तीसरी बार सेमीफाइनल में जगह बनाई है। पिछली बार 2009 में टीम इस मुकाम पर पहुंची थी।

आईएसएसएफ विश्व कप, लीमा : सुरुचि-सौरभ की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में जीता स्वर्ण

नई दिल्ली, (एजेंसी) : लीमा (पेरू) में चल रही आईएसएसएफ विश्व कप निशानेबाजी प्रतियोगिता में भारतीय निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया है। बुधवार को 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में भारत की सुरुचि इंदर सिंह और सौरभ चौधरी की जोड़ी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

फाइनल में चीनी जोड़ी को दी मात

स्वर्ण पदक मुकाबले में सुरुचि-सौरभ की जोड़ी ने चीन की कियानसुन याओ और काई हू की जोड़ी को 17-9 के अंतर से पराजित किया। दोनों भारतीय निशानेबाजों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ लक्ष्य भेदा और खिताबी मुकाबला अपने नाम किया।

कांस्य पदक मुकाबले में मनु-रविंदर हारे

कांस्य पदक के लिए हुए मुकाबले में भारत की मनु भाकर और रविंदर सिंह की जोड़ी को चीनी निशानेबाजों चियानके मा और यीफान झांग के हाथों 6-16 से हार का सामना करना पड़ा।

सुरुचि का दूसरा स्वर्ण, सौरभ को भी व्यक्तिगत कांस्य

मंगलवार को 18 वर्षीय सुरुचि ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल व्यक्तिगत स्पर्धा में भी स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। इस स्पर्धा में उन्होंने अपनी सीनियर और दो बार की ओलंपिक पदक विजेता मनु भाकर को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया।

वहीं पुरुषों की 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में सौरभ चौधरी ने कांस्य पदक जीतकर एक बार फिर अपने शानदार प्रदर्शन का प्रमाण दिया। सौरभ के लिए यह वर्ष 2022 के बाद किसी आईएसएसएफ विश्व कप में पहला व्यक्तिगत पदक है।

चयन चरण में भी दमदार प्रदर्शन

सुरुचि और सौरभ की जोड़ी ने 580 अंकों के साथ स्वर्ण पदक मुकाबले में स्थान सुनिश्चित किया। इस दौरान सुरुचि ने सौरभ से दो अंक अधिक प्राप्त किए। चयन चरण में चीनी जोड़ी याओ कियानसुन और हू काई 585 अंकों के साथ शीर्ष पर रही थी।

कार्यालय
विद्युत कार्यपालक अभियंता
विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

शुद्धि–पत्र

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि ई0 निविदा आमंत्रण सूचना सं0 01/2025–26 का शुद्धि पत्र दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित है, जिसका PR No.- 350187 Energy (25-26)D है, जिसको अपरिहार्य कारणवश रद्द किया जाता है।

विद्युत कार्यपालक अभियंता
PR 350603 Energy(25-26).D विद्युत कार्य प्रमण्डल, धनबाद

जिला दण्डाधिकारी–सह–उपायुक्त का कार्यालय, जामताड़ा
(जिला सामान्य शाखा)
Email Id-generalsectionjamtara@gmail.com

-: आम सूचना:-

जामताड़ा जिलान्तर्गत चौकीदार की सीधी एवं बैकलॉग भर्त्ती हेतु विज्ञापन संख्या–1/2025, का प्रकाशन किया गया है तथा कार्यालय ज्ञापांक–102/सा0, दिनांक–27.03.2025 एवं ज्ञपांक–106/सा0, दिनांक–04.04.2025 के द्वारा दावा आपत्ति, आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि–15.04.2025 निर्धारित किया गया था, जिसका PR-349459 Jamtara(24-25)D है। पुनः स्वीकृत एवं अस्वीकृत आवेदनों की सूची जामताड़ा जिले के अधिकृत वेबसाईट jamtara.nic.in पर द्वितीय दावा आपत्ति हेतु प्रकाशित की जा रही है।

प्रकाशित सूची के विरूद्ध द्वितीय दावा आपत्ति प्राप्त करने हेतु अंतिम तिथि–19.04.2025 के अपराह्न 03:00 बजे तक निर्धारित की जाती है। जिन अभ्यर्थियों को प्रकाशित सूची के विरूद्ध कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो निर्धारित तिथि एवं समय पर आव यक साक्ष्य सहित आवेदन **प्रभारी पदाधिकारी, जिला सामान्य भाखा, जामताड़ा के पदनाम से हाथों–हाथ चौकीदार नियुक्ति कोषांग, प्रथम तल समाहरणालय, जामताड़ा में पूर्वाह्न 10:00 बजे से 03:00 बजे तक** समर्पित करेंगे। निर्धारित अवधि के पश्चात् किसी प्रकार का दावा आपत्ति स्वीकार नहीं किये जायेंगे। साथ ही निर्धारित तिथि आपके द्वारा किसी प्रकार का दावा आपत्ति प्रस्तुत नहीं किया जाता है तो इस संबंध में अग्रेतर कार्रवाई की जायेगी।

PR.NO.350554 Jamtara(25-26):D
उपायुक्त, जामताड़ा।

Office Of Executive Engineer
Drinking Water & Sanitation Division
Jamtara

Very Short Tender Notice

Tender Notice No. :- DWSD/EE/JAMTARA – 14/ DWSD/JMT/2025-26 Date :- 17.04.2025

Name of Work	Repairing and maintenance of Drilled Tube well in rural area of all Block in Jamtara District from April 2025 to March 2026 Under D.W.& S. D ivision Jamtara for the year 2025-26.							
Sr. No	Name of Block	Group Nos.	Nos. of DT (Major)	Nos. of DT (Minor)	Total Estimated Cost (in Rs)	Earnest Money (in Rs)	Cost of BOQ (in Rs)	Time of Completion
1	Jamtara	RM-01	1230	280	1021810.00	20500.00	1250.00	12 Month
2	Narayanpur	RM-02	1250	290	1040620.00	20900.00	1250.00	12 Month
3	Karmatanr	RM-03	1080	290	914990.00	18300.00	1250.00	12 Month
4	Nala	RM-04	1090	330	1012400.00	20300.00	1250.00	12 Month
5	Kundhit	RM-05	1090	235	900215.00	18100.00	1250.00	12 Month
6	Fathepur	RM-06	1120	265	934475.00	18700.00	1250.00	12 Month
वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि					24.04.2025 समय 04.00 बजे अपराहन् तक			
निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय					02-05-2025 समय 04:00 बजे अपराहन् तक			
सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय					02.05.2025 समय 04:00 बजे अपराहन् तक			
तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय					03-05-2025 समय 04:00 बजे अपराहन्			
तकनीकी बिड खोलने का स्थान					कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल जामताड़ा।			
निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम					ई0 राहुल प्रियदर्शी, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल जामताड़ा।			
निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0					0651- 2480345			
ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0					(Santosh Kumar Mahto) 9955525176			

नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

PR 350564 Drinking Water and Sanitation (25-26)_D
Executive Engineer
D.W.&S. Division, Jamtara

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग

अल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना
(प्रथम आमंत्रण)
अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या – DHN-1/04/2025-26 दिनांक – 16.04.2025

1	Name of Work Outsourcing for supplying vehicles (Tracker or any other suitable vehicle) and Labours, tools & plants etc. for repair and maintenance of departmental drilled tube wells in **Different** block under D.W.& S Division no.1, Dhanbad for year 2025-26 under DMFT						
ग्रुप संख्या	प्रखण्ड का नाम	मरम्मति हेतु ड्रिल्ड नलकूप की संख्या		प्राक्कलित राशि (रू0 में)	अग्रधन की राशि (रू0 में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य समाप्ति की अवधि
		Major	Minor				
RM to DT-1	गोविन्दपुर	567	63	6.19138	14000.00	1250.00	3 माह
RM to DT -2	निरसा	305	33	3.32586	8000.00	1250.00	3 माह
RM to DT -3	एग्यारकुण्ड	270	30	2.94827	6000.00	750.00	3 माह
RM to DT -4	कलियासोल	270	30	2.94827	6000.00	750.00	3 माह
2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	23.04.2025 समय 04.00 बजे अपराहन् तक					
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	02.05.2025 समय 05.00 बजे अपराहन् तक					
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	02.05.2025 समय 05.00 बजे अपराहन् तक					
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	03.05.2025 समय 05.00 बजे अपराहन्					
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद					
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :-	रणजीत कुमार ठाकुर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद					
8	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0 :	0326-3148874					
9	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0 :	0651-2480345					

नोट – (1) केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
(2) स्वीकृति प्राप्त होने के उपरान्त ही कार्यादेश निर्गत किया जाएगा।
(3) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य भुगतेय होगी।
अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
PR 350599 Drinking Water and Sanitation(25-26).D पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल सं.1, धनबाद

झारखण्ड सरकार पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना
अल्पकालिन निविदा सूचना संख्या – DHN-1/06/2025-26 दिनांक – 16.04.2025

Name of Work	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (लाख में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
RENOVATION OF 1.5 LAC CAPACITY WATER TOWER AT MATKURIA UNDER D.W. & S. DIVISION NO.1, DHANBAD UNDER DMFT.	16.381	0.33	5000.00	3 माह
RENOVATION OF 1.5 LAC CAPACITY WATER TOWER AT CHIRAGORA UNDER D.W. & S. DIVISION NO.1, DHANBAD UNDER DMFT	16.93	0.34	5000.00	3 माह
RENOVATION OF 4.60 LAC GALLON CAPACITY 21 MTR STAGING WATER TOWER AT WASHEPUR UNDER D.W. & S. DIVISION NO.1, DHANBAD UNDER DMFT	17.015	0.35	5000.00	3 माह
RENOVATION OF 1.0 LAC GALLON CAPACITY 21 MTR STAGING WATER TOWER AT HIRAPUR UND ER D.W. & S. DIVISION NO.1, DHANBAD UNDER DMFT	16.317	0.33	5000.00	3 माह
SPECIAL REPAIR OF 1.5 LAC GALLON CAPACITY 15MTR STAGING WATER TOWER AT DHANSAR, DHANBAD UNDER DMFT	23.723	0.48	5000.00	3 माह
SPECIAL REPAIR OF 1.0 LAC GALLON CAPACITY 21MTR STAGING WATER TOWER AT PURANA BAZAR, DHANBAD UNDER DMFT	22.717	0.46	5000.00	3 माह
EMERGENT REPAIR OF 1.5 LAC GALLON CAPACITY 15MTR STAGING WATER TOWER AT PMCH SADAR HOSPITAL, DHANBAD UNDER DMFT	18.191	0.37	5000.00	3 माह
EMERGENT REPAIR OF 1.5 LAC GALLON CA PACITY 15MTR STAGING WATER TOWER AT MANAITAND, DHANBAD UNDER DMFT	18.191	0.37	5000.00	3 माह

2	वेबसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि	26.04.2025 समय 04.00 बजे अपराहन् तक
3	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	07.05.2025 समय 05.00 बजे अपराहन् तक
4	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई– गवर्नेस,झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक 120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राशि Online जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय	07.05.2025 समय 05.00 बजे अपराहन् तक
5	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	08.05.2025 समय 05.00 बजे अपराहन्
6	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद
7	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम :-	रणजीत कुमार ठाकुर, कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वचछता प्रमंडल सं.1, धनबाद
8	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन नं0 :	0326-3148874
9	ई– प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन सं0 :	0651-2480345

नोट – (1) केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।
(2) प्राक्कलित राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि एवं परिमाण विपत्र का मूल्य भुगतेय होगी।
अधिक जानकारी के लिए वेवसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियन्ता
PR 350594 Drinking Water and Sanitation(25-26)D पेयजल एवं स्वच्छता प्रमंडल सं.1, धनबाद

संक्षिप्त खबरें

मनरेगा की मजदूरी 400 रुपये और 150 दिन के रोजगार की गारंटी दी जाए: खरगे

नई दिल्ली, (एजेंसी): कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत दैनिक मजदूरी को 400 रुपये करने की मांग की है।

खरगे ने ग्रामीण विकास संबंधी संसद की स्थायी समिति की अनुंशसाओं का उल्लेख करते हुए आज यहां एक बयान में कहा कि इस समिति ने भी मनरेगा मजदूरों की दैनिक मजदूरी 400 रुपये करने की सिफारिश की है। उन्होंने कहा कि 2023 में बनी अमरजीत सिन्हा की उच्चस्तरीय समिति ने भी मजदूरी बढ़ाने और मनरेगा का बजट बढ़ाने का सुझाव दिया था। इसके बावजूद केंद्र की मोदी सरकार मनरेगा मजदूरों के मुद्दे पर गंभीर नहीं दिख रही है। ऐसा लगता है कि सरकार ने मनरेगा की मजदूरी बढ़ाने से इनकार कर दिया है।

उन्होंने कहा कि करीब 7 करोड़ पंजीकृत मजदूरों को मनरेगा से आधार आधारित भुगतान की शर्त लगा कर बाहर करना हो या फिर 10 सालों में मनरेगा बजट का पूरे बजट के हिस्से में सबसे कम आवंटन करना हो, मोदी सरकार ने मनरेगा पर लगातार चोट मारने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मनरेगा हमारे देश के सबसे गरीब परिवारों के लिए कांग्रेस द्वारा लाया रोजगार की गारंटी का अधिकार है। इसलिए हम अपनी दो मांगों पर अडिग हैं। पहला- मनरेगा श्रमिकों के लिए रोजाना 400 रुपये की न्यूनतम मजदूरी तय की जाए। दूसरा- साल में कम से कम 150 दिन का काम मिले।

गुजरात के पाटन जिले में बस-ऑटो रिक्शा की भिड़ंत में छह की मौत

पाटण, (एजेंसी): जिले के समी-राधनपुर हाइवे पर समी के गोचनाद के समीप गुरुवार सुबह गुजरात राज्य पथ परिवहन निगम (रोडवेज) की बस और ऑटो रिक्शा में भीषण टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने सभी शवों को राधनपुर रेफलर हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार राधनपुर तहसील के अमरगढ़ के वादी मोहल्ले के रहने वाले एक ऑटो से घर की ओर आ रहे थे। समी-राधनपुर हाइवे पर समी के गोचनाद के समीप हिम्मतनगर से माता की मढ की ओर जा रही रोडवेज बस ने ऑटो रिक्शा को टक्कर मार दी। इस भीषण टक्कर में ऑटो रिक्शा के परखच्चे उड़ गए और ऑटो रिक्शा पर सभी छह लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस और एम्बुलेंस को सूचना दी गई। मृतकों की पहचान बाबूभाई फूलवादी (70), कांताबेन फूलवादी (60), ईश्वरभाई फूलवादी (75), ताराबेन फूलवादी (70), नरेश फूलवादी (35) और सायराबेन फूलवादी (35) के रूप में हुई है। पुलिस ने सभी शवों को पोस्टमार्टम के लिएअस्पताल भेज दिया है।

घटना की जानकारी मिलने पर राधनपुर के विधायक लविंगजी ठाकोर भी घटनास्थल पर पहुंच गए। मौके पर लविंगजी ठाकोर ने कहा कि आज यह भीषण दुर्घटना में वादी मोहल्ले के छह लोगों की मौत हुई है। उन्होंने कहा कि मृतकों के परिजनों को सीएम फंड से 4-4 लाख रुपये की सहायता दिलाने के लिए प्रयास किया जाएगा।

महाराष्ट्र में पहली कक्षा से पांचवीं तक हिंदी तीसरी भाषा के रूप से अनिवार्य

मुंबई, (एजेंसी): महाराष्ट्र सरकार ने राज्य के सभी स्कूलों में सत्र 2025-26 से पहली कक्षा से पांचवीं कक्षा तक हिंदी भाषा को अनिवार्य कर दी है। यह घोषणा महाराष्ट्र के स्कूल शिक्षा विभाग ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत नया शैक्षणिक ढांचा के तहत की गई है।

सूत्रों के अनुसार महाराष्ट्र के स्कूलों में अब तक दो भाषाएं पढ़ाई जाती थीं, लेकिन नई नीति के तहत छात्रों को तीन-भाषा फॉर्मूला के अनुसार शिक्षा दी जाएगी। नए कैरिकुलेम के मुताबिक अब महाराष्ट्र में 5+3+3+4 के तहत पढ़ाई होगी। शिक्षा विभाग के अनुसार स्कूल शिक्षा को चार चरणों में बांटा गया है। पहला पांच साल (3 वर्ष प्री प्रायमरी और क्लास 1 और 2)फाउंडेशनल स्टेज होगा। इसके बाद क्लास 3 से 5 तक को प्रारंभिक स्तर माना जाएगा। क्लास 6 से 8 तक को मीडिल स्कूल के अंतर्गत गिना जाएगा। जो सबसे आखिरी और फाइनल के चार साल होंगे (9 से 12वीं तक) को सेंकडरी एजुकेशन में काउंट किया जाएगा। इस तरह की व्यवस्था की शुरूआत भी शैक्षणिक वर्ष 2025-26 से की जाएगी।

आआपा नेता दुर्गेश पाठक के दिल्ली आवास पर सीबीआई का छापा

नई दिल्ली, (एजेंसी): केन्द्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने विदेशी योगदान विनियमन अधिनियम (एफसीआरए) से संबंधित एक मामले में आम आदमी पार्टी (आआपा) नेता दुर्गेश पाठक के राजेन्द्र नगर स्थित आवास पर आज छापेमारी की। सीबीआई ने एक दिन पहले ही इससे संबंधित मामला दर्ज किया था।

दिल्ली की राजेंद्र नगर सीट से आआपा के विधायक रहे दुर्गेश पाठक से इससे पहले आबकारी घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय पूछताछ कर चुका है।

पूरे मामले में आम आदमी पार्टी का आरोप है कि सीबीआई की छापेमारी पार्टी के गुजरात में बढ़ते कद के कारण की गई है। दुर्गेश पाठक गुजरात में पार्टी के सह-प्रभारी हैं। सीबीआई की छापेमारी के बाद दुर्गेश पाठक और प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पत्रकार वार्ता की। पाठक ने कहा कि आम आदमी पार्टी के नेतृत्व ने उन्हें गुजरात का सह-प्रभारी बनाया और उन्हें ऐसा लगता है कि गुजरात में हमारी बढ़ती ताकत को देखते हुए यह उन्हें डराने की कोशिश की गई है।

पाठक ने कहा, आज सुबह मेरे घर पर सीबीआई की एक टीम आई और घर का एक-एक कोना तलाशा लेकिन उन्हें कुछ मिला नहीं। वह किस केस में आए थे और चाह क्या रहे थे, इस बात की कोई जानकारी उन्होंने मुझे नहीं दी। उन्होंने कहा कि वे जांच एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करेंगे।

छत्तीसगढ़ में तीन अलग-अलग थाना क्षेत्र से दो इनामी सहित 22 नक्सली गिरफ्तार

बीजापुर, (एजेंसी): छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित इलाकों में नक्सल विरोधी अभियान के दौरान सुरक्षाबलों ने बुधवार शाम 2 इनामी सहित 22 नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। उनके पास बड़ी संख्या में विस्फोटक सामग्री और उपकरण मिले हैं। यह कार्रवाई तीन अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की गई।

पुलिस के अनुसार सुरक्षाबलों के जवानों ने सर्चिंग के दौरान टेकमेटला के जंगल से विस्फोटक के साथ 7 सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार कियाहै। जांगला थाना में भी जवानों को बड़ी सफलता मिली है, यहां से 6 सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इसके अलावा थाना नेलसनार से 9 सक्रिय नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार नक्सलियों के कब्जे से टिफिन बम, कार्डेक्स वायर, डेटोनेटर, बिजली का तार, बैटरी, खुदाई का औजार, नक्सल साहित्य, टंगिया जब्त किया गया है।

नारायणपुर पुलिस कार्यालय के अनुसार गिरफ्तार नक्सलियों में देवा माड़वी(23 वर्ष) रेखापल्ली मिलिशिया सदस्य, निवासी रेखापल्ली थाना बासागुड़ा, चैनु माड़वी(20 वर्ष)रेखापल्ली मिलिशिया सदस्य निवासी रेखापल्ली थाना बासागुड़ा, मल्ला माड़वी (24 वर्ष) रेखापल्ली मिलिशिया सदस्य निवासी रेखापल्ली थाना बासागुड़ा, माड़वी लखमा(45 वर्ष) रेखापल्ली डीएकेएमएस सदस्य, निवासी रेखापल्ली थाना बासागुड़ा, लाला मीड़ियम(30 वर्ष) रेखापल्ली कृषि शाखा सदस्य निवासी रेखापल्ली थाना बासागुड़ा, अंदा माड़वी (32 वर्ष) मारूड़बाका आरपीसी जनताना सदस्य निवासी रेखापल्ली थाना बासागुड़ा शामिल हैं।

पुलिस ने गंगा माड़वी (39 वर्ष)रेखापल्ली डीएकेएमएस सदस्य निवासी रेखापल्ली थाना बासागुड़ा, 22 वर्षीय समीला ओयाम-आरपीसी सीएनएम सदस्य निवासी छोटेपल्ली पटेलपारा थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर, 23 वर्षीय सन्तु ओयाम (भूमकाल मिलिशिया सदस्य) निवासी बड़ेपल्ली पटेलपारा थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर, 39 वर्षीय सायबो माड़वी (भूमकाल मिलिशिया सदस्य) निवासी बड़ेपल्ली पटेलपारा थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर, 19 वर्षीय रमेश आरकी (आरपीसी मिलिशिया सदस्य) ,निवासी कोलनार थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर, 22 वर्षीय शंकर आरकी (आरपीसी मिलिशिया सदस्य),निवासी कोलनार थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर, 22 वर्षीय कोहले ओयाम (केएएमएस सदस्य) पति सुखराम ओयाम निवासी कोलनार थाना भैरमगढ़ जिला बीजापुर को भी गिरफ्तार किया है।

गिरफ्तार नक्सलियों में 28 वर्षीय सोमा ओयाम (मूलवासी बचाव मंच अध्यक्ष) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर, 25 वर्षीय मुन्ना ओयाम (मूलवासी बचाव मंच सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर, 35 वर्षीय पिलू ओयाम (आरपीसी जनताना सरकार सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर, 20 वर्षीय मोटू ओयाम (मूलवासी बचाव मंच सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर, 22 वर्षीय मंगडू ओयाम (कोलनार आरपीसी मिलिशिया प्लाटून सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर, 40 वर्षीय मंगडू ओयाम (संघम सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर, 20 वर्षीय पण्डरू ओयाम (संघम सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर, 25 वर्षीय रामू ओयाम (भूमकाल मिलिशिया सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर तथा 20 वर्षीय मुन्नी ओयाम (केएएमएस सदस्य) निवासी लेकावाड़ा थाना ओरछा जिला नारायणपुर भी शामिल हैं।

रॉबर्ट वाड्रा के बयान पर भाजपा का पलटवार, कहा-भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों के पीछे जाना चाहिए

नई दिल्ली,(एजेंसी): कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा के पति रॉबर्ट वाड्रा के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने पलटवार करते हुए कहा कि देश के कानून से बढ़कर कोई नहीं है। कानून अपना काम कर रहा है।

गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने कहा कि आज लगातार तीसरे दिन रॉबर्ट वाड्रा से जो कठिन सवाल पूछे जा रहे हैं, उसका जवाब उन्हें देना पड़ रहा है। आपको जानकर हैरत होगी कि एक ऐसा भ्रष्टाचारी नकली गांधी परिवार इस देश में है, जो हर कानून को तोड़ता है। क्योंकि उनको जनता की चिंता नहीं, बल्कि अपने दामाद की चिंता है। एक ईमानदार सरकार की ताकत क्या होती है, ये भारत में अब जनता को पता चल रहा है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भ्रष्टाचार को खत्म करने के संकल्प को पूरा किया जा रहा है। भ्रष्टाचार को समाप्त कर देंगे, भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों के पीछे डालेंगे, किसानों से हड़पी गई जमीन को वापस लेकर किसानों को देंगे। जनता की गाढ़ी कमाई अगर नकली गांधी परिवार ने अपनी तिजोरी में डाली है, उसकी एक-एक पाई वसूली जाएगी।उन्होंने कहा कि नकली गांधी परिवार खानदानी भ्रष्ट और खानदानी चोर है। क्योंकि जीजा जी जमीन घोटाले में भूमाफिया बनकर किसानों की जमीन हड़पते हैं, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का नाम नेशनल हेराल्ड घोटाले में आ रहा है, सोनिया गांधी का नाम चॉपर घोटाले और नेशनल हेराल्ड घोटाले में आ रहा है।पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में हिंसा को लेकर गौरव भाटिया ने कहा कि ममता बनर्जी आज दंगो और गुंडों का पर्याय बन चुकी हैं। उन्होंने संविधान की रक्षा और संविधान का पालन करने की शपथ ली थी। जब एक कानून संसद में पारित होकर राष्ट्रपति के हस्ताक्षर के बाद देश का कानून बन गया, तो एक मुख्यमंत्री कैसे कह सकता है कि मैं इस कानून को पश्चिम बंगाल में लागू नहीं करूंगी। ये संविधान का उल्लंघन है।

रॉबर्ट वाड्रा गुरुग्राम जमीन सौदा मामले में लगातार तीसरे दिन ईडी के समक्ष हुए पेश

नई दिल्ली, (एजेंसी):कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा हरियाणा के ग्रुरुग्राम में स्थित जमीन सौदा मामले में लगातार तीसरे दिन गुरुवार को अपना बयान दर्ज कराने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के नई दिल्ली कार्यालय पहुंचे। उनकी पत्नी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी उनके साथ कार्यालय तक आईं।इससे पहले ईडी ने बुधवार को रॉबर्ट वाड्रा से लगातार दूसरे दिन हरियाणा के गुरुग्राम स्थित जमीन सौदे के मामले में लंबी पूछताछ की थी। इसके बाद ईडी ने गुरुग्राम स्थित डीएलएफ लैंड डील घोटाले के मामले में रॉबर्ट वाड्रा को आज सुबह 11 बजे नई दिल्ली में स्थित एजेंसी के हेड क्वार्टर में पूछताछ के लिए बुलाया था। वाड्रा ने पूछताछ के बाद कहा था कि उन्हें सच पर भरोसा है और वे किसी भी तरह के दबाव का सामना करने के लिए तैयार हैं। ईडी के अधिकारियों ने इस मामले में मंगलवार को पहले दिन रॉबर्ट वाड्रा से करीब छह घंटे की मैराथन पूछताछ की थी।

नेशनल हेराल्ड मामले में भाजपा का पलटवार, हरदीप पुरी बोले-कांग्रेस कार्यकताओं को अपने नेताओं के खिलाफ करना चाहिए प्रदर्शन

नई दिल्ली, (एजेंसी): नेशनल हेराल्ड मामले में राहुल गांधी और सोनिया गांधी के खिलाफ ईडी की चार्जशीट को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस जहां इसे राजनीतिक प्रतिशोध का मामला बता रही है वहीं केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता हरदीप सिंह पुरी ने कांग्रेस पर पलटवार किया है।

गुरुवार को भाजपा मुख्यालय में आयोजित प्रेसवार्ता में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि जब ईडी ने चार्जशीट दाखिल की तो कांग्रेस के लोगों ने बयान देना शुरू कर दिया कि यह राजनीतिक प्रतिशोध है। उन्हें आत्मचिंतन करना चाहिए। क्योंकि वे कांग्रेस पार्टी के कार्यकताओं को गुमराह कर रहे हैं। पुरी ने यह भी कहा कि पार्टी कार्यकताओं को अपने नेताओं के खिलाफ प्रदर्शन करना चाहिए.केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि यह धोखाधड़ी, भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग का एक खुला और स्पष्ट मामला है। कांग्रेस पार्टी ने किसी तरह से मामले को विलंबित करने और पटरी से उतारने के लिए अपने वकीलों का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा कि नेशनल हेराल्ड 1937 में शुरू हुआ। 2008 में छपना बंद हो गया था और ये मामला 2012-13 में शुरू हुआ। तब केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी । 50 लाख रुपये में 2 हजार करोड़ की संपत्ति का अधिग्रहण किया गया। ये सीधे तौर पर फ्रॉड, भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग का मामला है।

उन्होंने कहा कि ये सीधे तौर पर फ्रॉड, भ्रष्टाचार और मनी लांड्रिंग का मामला है। 2014 से ये केस कभी किसी कोर्ट में जाता है, कभी किसी और कोर्ट में। कानून अपना काम कर रहा है। इस पर कार्यकताओं का प्रदर्शन समझ से परे है। यहां देर है अंधेर नहीं है।

छत्तीसगढ़ के जीजीसी विवि में नमाज पढ़ाने के मामले में एनएसएस के 12 कार्यक्रम अधिकारियों को हटाया गया

बिलासपुर/रायपुर,(एजेंसी): छत्तीसगढ़ के गुरु घासीदास सेंट्रल यूनिवर्सिटी (जीजीसी विवि) के एनएसएस कैंप में नमाज पढ़ाने के मामले में विश्वविद्यालय प्रबंधन ने एनएसएस के सभी 12 कार्यक्रम अधिकारियों को हटा दिया है। बुधवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के कार्यकताओं और हिंदू संगठन के लोगों ने विश्वविद्यालय परिसर में हंगामा करते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी। जिसके बाद आज विश्वविद्यालय प्रबंधन ने उक्त कार्रवाई की जानकारी दी है।

विश्वविद्यालय प्रबंधन के अनुसार हटाए गए कार्यक्रम अधिकारियों में डॉ. प्रीति सतवानी कम्प्यूटर साइंस एवं इन्फार्मेशन टेक्नोलाजी यूजी इकाई, आशुतोष नायक सिविल एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर एंड कंप्यूटेशनल यूजी. इकाई, डॉ. गीता मिश्रा, प्राणी शास्त्र विभाग इकाई, डॉ. मधुलिका सिंह, वनस्पति विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग इकाई, डॉ. ज्योति वर्मा, कला अध्ययन शाला विभाग इकाई, डॉ. नीरज कुमार, रसायन विभाग इकाई, डॉ. विकास चन्द, वनस्पति विज्ञान एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग इकाई, डॉ. प्रमोद कुमार द्विवेदी, वाणिज्य एवं प्रबंध विभाग इकाई, डॉ. अश्वलेश्वर कुमार श्रीवास्तव कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग इकाई, डॉ. प्रशांत वैष्णव, कम्प्यूटर साइंस एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग इकाई, डॉ. सूर्यभान सिंह, रसायन विभाग इकाई, डॉ. वसंत कुमार, कला अध्ययन शाला विभाग इकाई शामिल हैं।

उल्लेखनीय है कि 26 मार्च से एक अप्रैल तक एनएसएस कैंप का आयोजन किया गया था, जिसमें गुरुघासीदास विश्विद्यालय के 159 छात्र शामिल हुए थे।इनमें केवल 4 छात्र मुस्लिम थे, बाकी सभी हिंदू थे। आरोप है कि 30 मार्च को ईद के दिन एनएसएस कैंप में जबरदस्ती छात्रों से नमाज पढ़ाई गई थी। छात्रों ने इस मामले की लिखित शिकायत थाने में की थी, जिस पर जांच शुरू हो गई है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रो. दिलीप झा के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उन्हें एनएसएस समन्वयक पद से हटा दिया था। उनके स्थान पर ग्रामीण प्रौद्योगिकी विभाग में प्रोफेसर राजेन्द्र कुमार मेहता को प्रभार सौंपा गया। जबकि बुधवार शाम विश्विद्यालय के छात्रों, एबीवीपी व हिंदूवादी संगठनों ने नमाज पढ़ाने के मामले को लेकर

विश्विद्यालय के प्रशासनिक भवन के मेन गेट में जमकर हंगामा मचाया था। आंदोलन कर रहे छात्रों ने मामले के दोषियों पर सख्त कार्रवाई के साथ वाइस चांसलर को हटाने की मांग की और ₹जीजीयू नहीं बनेगा जेएनयू के₹ नारे भी लगाए थे। करीब 4 घंटे तक चले हंगामे के बाद विश्वविद्यालय के कुलपति ने छात्रों के प्रतिनिधि मंडल को बातचीत करने बुलाया, लेकिन कोई बात नहीं बनी थी।

मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश पर विपक्ष की चुप्पी पर योगी ने कसा तंज

लखनऊ, (एजेंसी): मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि मुर्शिदाबाद और बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकारों पर प्रदेश में भ्रष्टाचार, जातिवाद और माफियावाद को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने योजनाओं में घोटाले कर लंदन में होटल बनाए, वही लोग प्रदेश को लूटने और जातियों में बांटने के लिए जिम्मेदार हैं।

गुरुवार को यहां एक मीडिया समूह की ओर से आयोजित कार्यक्रम में मुर्शिदाबाद की घटना का जिक्र करते मुख्यमंत्री योगी ने विपक्ष की चुप्पी पर तंज कसा। मुख्यमंत्री ने कहा कि ये लोग, जिन्होंने भ्रष्टाचार, जातिवाद, माफियावाद और परिवारवाद से अपना साम्राज्य खड़ा किया, वही लोग अब मुर्शिदाबाद जैसे मामलों पर मौन हैं। बांग्लादेश की घटनाओं पर इनकी चुप्पी ने इन्हें चौराहे पर नंगा खड़ा कर दिया है।

जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है, वो कभी यूपी के शहरों का होता थामुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने यूपी को दंगा और माफिया मुक्त बनाया है। पहले हर जिले में माफिया पूरी व्यवस्था को नियंत्रित करते थे, ठेके लेते थे, दंगे करवाते थे और महिलाओं व व्यापारियों को परेशान करते थे। लोग त्योहारों पर सशंकित रहते थे। अब यूपी में त्योहार शांतिपूर्ण और भव्यता के साथ मनाए जाते हैं। उन्होंने कहा कि जो हाल आज मुर्शिदाबाद का है, वही कभी यूपी में मुजफ्फरनगर, बरेली, अलीगढ़ और लखनऊ जैसे शहर का हुआ करता था। मुख्यमंत्री ने पूर्वी यूपी में इंसेफलाइटिस जैसी घातक बीमारी के उन्मूलन को अपनी सरकार की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि 40 वर्षों में इस बीमारी से 50 हजार बच्चों की मौत हुई। इनमें से ज्यादातर बच्चे अल्पसंख्यक समाज के होते थे, लेकिन किसी नेता के आंसू नहीं बहे। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने कभी इंसेफलाइटिस बीमारी पर ध्यान नहीं दिया, क्योंकि बच्चे वोट बैंक नहीं होते। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले वन डिस्ट्रक्ट वन माफिया होते थे, आज वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज हैं और प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बेहतर हुई हैं।

योजनाओं के पैसे लूटकर बनाए लंदन में होटलमुख्यमंत्री योगी ने पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का उदाहरण देते हुए बताया कि वर्ष 2016 में बिना किसी तैयारी के इसका शिलान्यास कर दिया गया। तब 15,200 करोड़ रुपये का यह प्रोजेक्ट अनियमितताओं से भरा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने इसे रद्द कर दोबारा से प्रोजेक्ट को डिजाइन किया और पूरी परियोजना को केवल 11,800 करोड़ रुपये में पूरा किया, जिससे जनता के पैसे की लूट रोकी गई। योगी ने कहा कि यह वही पैसा है, जिसे लूटकर इंग्लैंड में इनके होटल बनते हैं।

शिवाजी और महाराणा प्रताप को कोसने वाले औरंगजेब व जिन्ना के गुण गाते हैंमुख्यमंत्री ने विपक्ष पर शिवाजी, महाराणा प्रताप और राणा सांगा जैसे महापुरुषों का अपमान करने और औरंगजेब, बाबर और जिन्ना जैसे राष्ट्रतोड़कों का महिमामंडन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि विपक्ष के लोग वोट बैंक के लिए प्रोपगंडा करते हैं और समाज में विद्वेष फैलाते हैं। हमें एक समृद्ध यूपी, विकसित और आत्मनिर्भर भारत के लिए राष्ट्रनायकों का सम्मान करना बहुत जरूरी है। प्रधानमंत्री के पंचप्रण का एक संकल्प यह भी है कि राष्ट्रनायकों का हमें सम्मान करना है।

यूपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर देश में सर्वश्रेष्ठमुख्यमंत्री योगी ने यूपी के इन्फ्रास्ट्रक्चर को देश में सर्वश्रेष्ठ बताया, जिसमें हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, और मेट्रो शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 से पहले यूपी की जीएसडीपी 12.75 लाख करोड़ थी, जो अब 30 लाख करोड़ तक पहुंच रही है। प्रति व्यक्ति आय भी 46 हजार रुपये से बढ़कर 1.10 लाख रुपये से अधिक हो गई है, जल्द ही यह सवा लाख रुपये पहुंच जाएगी। कार्यक्रम में मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, सलाहकार अवनीश अवस्थी और मीडिया समूह के वरिष्ठ अधिकारी व पत्रकारगण मौजूद रहे।

भौंरा का जहाज टांड़ जो कभी प्राकृतिक सौंदर्य से घिरा शिमला हुआ करता था, पर विडंबना..

आज धुल, धुआं व आग व भू धंसान में तब्दील बीसीसीएल प्रबंधन इसे बनाया काला टापू

कभी भौंरा के एरोड्रम पर टाटा कंपनी व बीसीसीएल की निजी विमान उतरा करती थी, आज फांक रही है धुल

ज्योत्स्ना

भौंरा : कभी भौंरा का जहाज टांड़ इलाका प्राकृतिक वादियों से घिरा शिमला से कम नहीं हुआ करता था, परंतु आज यह यह इलाका धूल,धुंआ,आग, भू-धंसान के चपेट में आ गया है. बीसीसीएल प्रबंधन अब इस जगह को काला टापू वाला क्षेत्र बना दिया है.कभी भौंरा क्षेत्र के विभिन्न इलाके से लोग यहां घूमने जाया करते थे. दामोदर नदी किनारे बसा यह 3000 आबादी का गांव और इसकी संरचना लोगो को लुभाने का काम करती थी. बड़ा सा टाटा कंपनी का एरोड्रम जहां टाटा व बीसीसीएल कि की निजी विमान उतरा करती थी,इस एरोड्रम पर लोग शाम सुबह सैर पर निकला करते थे. क्षेत्र के विस्थापित नेता व समाज सेवी मौसम महंति कहते है कि आउटसोर्सिंग ने इस क्षेत्र का भौगोलिक संरचना की स्थिति को पूरी तरह से बिगाड़ दिया है. ग्रामीणों का आवागमन का एक मात्र रास्ता जो आउटसोर्सिंग के हैवी ब्लास्टिंग के कारण उसपर दरारें आ गयी है.लोग चलने में अब डरते है. क्योंकि सड़कें कभी भी जमींदोज हो सकती है. ग्रामीण पानी के लिए तरस रहे है.महज 50 मीटर पर पानी है लेकिन यहां के लोग पानी के लिए त्राहिमाम है.प्रदूषण और ओबी डंपिंग के कारण खेती भी पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है.25 वर्ष पहले चंदन परियोजना चलाने के लिए कंपनी ने बुधनी महताईन कि 4 एकड़ जमीन का अधिग्रहण कर आज तक अनुमोदन के बावजूद नियोजन नही मिला है.अब बुधनी भी इस दुनिया में नही है. ग्रामीणों ने इस मामले को लेकर एसटी,एससी आयोग में मामला उठाने कि बात कही है.प्रबंधन के साथ साथ भौंरा में कई ऐसे अपने आप को कद्दावर मानने वाले नेता है,लेकिन इस मामले में कभी कोई सुधि लेने का काम नही किया है.

क्या कहते है भौरा के बुद्धिजीवी

अनिल कुमार,अस्पताल मोड़ ने कहा कि भौंरा क्षेत्र का एक मात्र छठ पूजा सहित कई धार्मिक कार्य के लिए जहाजटांड़ दामोदर किनारे घाट हुआ करता है,जहां अब जाने के लिये लोगो को सोचना पड़ रहा है. समाजिक कार्यकर्ता व विस्थापित नेता मौसम महंति ने कहा कि लगभग 13 करोड़ कि लागत से भौंरा अमलाबाद को जोड़ने के लिये दामोदर नदी पर पूल बनाई जा रही है. उसका क्या होगा जब रास्ता ही नही बचेगा,दर्जनों रैयत की मौत लड़ते -लड़ते हो चुकी है.लेकिन प्रबंधन आज तक न तो नियोजन और ना ही मुआवजा दिया.

संक्षिप्त खबरें

सीडीपीओ कार्यालय में पोषण पखवाड़ा मनाया गया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : प्रखंड सभागार में बाल विकास परियोजना की ओर से पोषण पखवाड़ा माह मनाया गया। मुख्य अतिथि प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। प्रमुख पिंकी देवी ने कहा कि आंगनबाड़ी में बच्चों पौष्टिक आहार बनाकर दे। बच्चों के शारीरिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। तथा प्रखंड प्रमुख पिंकी देवी ने यह भी विश्वास दिलाया की 53 ऐसे आंगनबाड़ी है जिसमें नल जल योजना की पाइप कनेक्शन नहीं हुई है । मौके बीडीओ प्रभाष चंद्र दास, सीओ प्रवीण कुमार सिंह, सीडीपीओ अलका रानी, पर्यवेक्षिका श्वेता कुमारी, रश्मि सिन्हा, कीर्ति पुष्प, राशिद फखरी, रमेश राम, राधेश्याम रजक, नमिता मंडल, शैलेन मंडल आदि मौजूद थे।

राजकीयकृत मध्य विद्यालय बिरसिंहपुर में बाल संसद का हुआ गठन

नेतृत्व क्षमता व टीम वर्क को बढ़ावा देने की पहल

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : राजकीयकृत मध्य विद्यालय बिरसिंहपुर में गुरुवार को सत्र 2025-26 के लिए बाल संसद का गठन सर्वसम्मति से किया गया। इस बाल संसद में विभिन्न पदों के लिए छात्रों का चयन किया गया हैं। जिसमें शंभूनाथ पाल अध्यक्ष , राखी कुमारी मलिक उपाध्यक्ष , संजना कुमारी टुडू प्रधानमंत्री , लक्ष्मी कुमारी महतो शिक्षा मंत्री , पुष्पा कुमारी रजक एमडीएम मंत्री , नंदनी कुमारी सांस्कृतिके , नमिता कुमारी मल्लिक प्रार्थना मंत्री , रणबीर पाल खेल , रिया कुमारी जल मंत्री , गंगा कुमारी पर्यावरण , पिंकी कुमारी मल्लिक साफ सफाई के अलावा दीपक कुमार, रितिक कुमार महतो, रीता कुमारी बाउरी, रेखा कुमारी, गायत्री कुमारी, शिवा मल्लिक आदि को सहयोगी मंत्री के रूप में चुन लिए गए। बाल संसद के गठन का उद्देश्य छात्रों में नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की क्षमता और टीम वर्क की भावना को विकसित करना है। यह पहल झारखंड के सभी स्कूलों में स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के आदेश के तहत की जा रही है। बाल संसद का कार्यकाल एक शैक्षणिक सत्र के लिए होगा और इसमें छात्र-छात्राएं दोनों शामिल होंगे। दौरान सभी को पद एवं निष्पक्षता की शपथ दिलाई गई। मौके पर प्रधानाचार्य आदित्य प्रसाद मिर्धा, दिलीप कुमार, आनंद कुमार, रायन कुजूर, हेमलाल टुडू, कालीपद टुडू, विपिन मंडल आदि थे।

सीपीआई सिंदरी-बलियापुर लोकल कमेटी ने कामरेड गुरु चरण शर्मा की पुण्यतिथि मनाई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरी : सीपीआई सिंदरी-बलियापुर लोकल कमेटी ने गुरुवार को गौशाला बाजार में कामरेड गुरु चरण शर्मा की आठवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए। यह आयोजन कामरेड गुरु चरण शर्मा के प्रति सम्मान और श्रद्धा प्रकट करने के लिए किया गया था। मौके पर कमेटी के सचिव विकास कुमार ठाकुर, सिंदरी शाखा सचिव गौतम, सूर्यकुमार सिंह राज नारायण तिवारी, एडवा के सिंदरी नगर अध्यक्ष रानी मिश्रा सचिव मिठू दास,अनिल कुमार शर्मा, रामनाथ शर्मा, सुनील कुमार शर्मा, सुबल चंद्र दास , प्रफुल्ल कुमार स्वैन, शिबू राय मोहम्मद शमीम मुख्य रूप से उपस्थित थे।

सुदामडीह थाना क्षेत्र के भौरा बाइक्वार्टर में 22 वर्षीय युवक ने की आत्महत्या

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

भौरा : सुदामडीह थाना क्षेत्र के भौरा बाइक्वार्टर में एक युवक ने आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान शिबू भुइयां (22) के रूप में हुई है, जो स्वर्गीय लोहा सिंह उर्फ कृष्णा भुइयां का पुत्र था। उसने गुरुवार सुबह शिव मंदिर स्थित जंगल में एक पेड़ से गमछा का फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। मृतक अपने दो भाई और तीन बहनों में बड़े भाई से छोटा था और अविवाहित था। परिजनों के अनुसार, अत्यधिक नशा करने के कारण उसकी मानसिक स्थिति खराब हो गई थी। बुधवार को उसने बाइक्वार्टर के शिव मंदिर और काली मंदिर में तोड़फोड़ भी की थी। मृतक की मां तिलिया देवी ने बताया कि सुबह शिबू ने स्नान किया और पूजा की। नाश्ता करने के बाद वह घर से दौड़कर भाग गया। करीब 9 बजे पड़ोसियों ने आत्महत्या की सूचना दी। सुदामडीह थाना के एसआई जगमोहन बानरा ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए धनबाद भेज दिया गया है। परिजनों ने पोस्टमार्टम न कराने की अपील की थी, लेकिन कानून और वरीय अधिकारियों के निदेशों का पालन करते हुए कार्रवाई की गई।

पश्चिमी सिंहभूम ने जमशेदपुर को हराया 77 रनों से

धनबाद: झारखंड राज्य क्रिकेट संघ (जेएससीए) के तत्वावधान में गुरुवार को चाईबासा में आयोजित अंतर जिला महिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता 2024-25 के अंतिम लीग मुकाबले में मेजबान पश्चिमी सिंहभूम ने जमशेदपुर को 77 रनों से पराजित कर दिया। इसी के साथ ही पश्चिमी सिंहभूम की टीम ने प्रतियोगिता के फाइनल में जगह बना ली है। अब फाइनल मुकाबला शनिवार को रांची के खिलाफ होगा। बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम, चाईबासा में खेले गए इस मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पश्चिमी सिंहभूम की टीम 40 ओवरों में 160 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। टीम की ओर से रश्मि गुड़िया ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 52 रन (नौ चौके, एक छक्का) और कप्तान प्रियंका सवैयां ने 48 रन (पांच चौका) जोड़ा।

वहीं जमशेदपुर के लिए पल्वजीत कौर ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए चार विकेट लिया, जबकि सिमरन निशा मंसूरी ने तीन और पल्विका राठौड़ ने दो विकेट झटके।

जवाब में लक्ष्य का पीछा करने उतरी जमशेदपुर की टीम 39 ओवरों में महज 83 रन पर सिमट गई। सविता ने 26 और पल्विका ने 10 रन बनाए। शेष बल्लेबाजों का प्रदर्शन फीका रहा। पश्चिमी सिंहभूम की ओर से अनामिका कुमारी ने घातक गेंदबाजी करते हुए 19 रन देकर चार विकेट चटकाए और प्लेयर ऑफ द मैच बनीं।

सीता सिंकु को दो, जबकि इसरानी सोरेन, चाँदमुनी पुरती, प्रियंका सवैयां और अंजलि दास को एक-एक विकेट मिला।

मैच के बाद हुए पुरस्कार वितरण समारोह में अनामिका कुमारी को उनकी शानदार गेंदबाजी के लिए पांच हजार रुपये नकद देकर सम्मानित किया गया। यह पुरस्कार जेएससीए के आजीवन सदस्य व जिला क्रिकेट संघ के कोषाध्यक्ष सुप्रियो फौजदार ने दिया। वहीं, टीम के फाइनल में पहुंचने की खुशी में महासचिव असीम कुमार सिंह ने टीम प्रबंधन को पांच हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की। इसे संयुक्त सचिव ओम प्रकाश गुप्ता ने टीम मैनेजर शिवानी सिंह तिरिया को सौंपा।

झरिया में बारिश व तेज हवा से बाधित हुई जलापूर्ति

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

जोड़ापोखर : झमाडा जामाडोबा जल संयंत्र केंद्र में बारिश और तेज हवा के कारण बिजली आपूर्ति ठप्प होने से झरिया और आसपास के क्षेत्रों में गुरुवार को जलापूर्ति नहीं हो सकी।

बुधवार को जल संयंत्र केंद्र को जामाडोबा बिजली सब-स्टेशन से जाने वाली तार टूट गई थी, जिससे 12 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप्प रही और जल भंडारण नहीं हो सका। बिजली विभाग के कर्मियों ने गुरुवार को तार की मरम्मत कार्य पूरा कर लिया है।

जल कार्य अधिकारी आशुतोष राणा ने बताया कि बिजली की समस्या के कारण प्लांट बंद हो गया था, लेकिन अब बिजली बहाल होने के बाद जल भंडारण कार्य शुरू कर दिया गया है।

उन्होंने बताया कि 12 व 9 एमजीडी में जल भंडारण कार्य शुरू हो गया है और देर रात तक झरिया व आसपास के क्षेत्रों में जलापूर्ति होने की उम्मीद है।

मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगे

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : झरिया सामाजिक कार्यकर्ता व यूथ कॉन्सेप्ट के संस्थापक अखलाक अहमद ने झरिया-धनबाद और झरिया - सिंदरी मुख्य मार्ग पर भारी वाहनों के परिचालन पर रोक लगाने की मांग की है। कहा है कि कोयला लोड भारी वाहनों के चलने से हमेशा दुर्घटनाएं हो रही है। वायु प्रदूषण की समस्या झरिया में गंभीर बन गई है। बुधवार को भगतडीह में स्कूटी सवार युवक कोयला लॉफ हाईवा की चपेट में आने से घायल हो गया था। कई लोगों की जाने जा चुकी है। मुख्य मार्ग से भारी वाहन का परिचालन नहीं कराया जाए।

दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरी : सिंदरी चैंबर ऑफ कॉमर्स के दीपक कुमार दीपू ने देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रासायनिक उर्वरक मंत्री जेपी नड्डा को ट्वीट किया है। कहा है कि हर्ल प्रबंधन की लापरवाही से सिंदरी में बुधवार की सुबह गैस रिसाव की घटना हुई थी। पूरा सिंदरी टाउन और आसपास के लोग भयभीत हो गए थे। उक्त मामले की जांच कर दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई करने की मांग की है।

सीमा कुमारी की भूख हड़ताल का 11वां दिन, प्रोविजनल नियुक्ति की मांग को लेकर जारी आंदोलन

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : सीमा कुमारी की भूख हड़ताल का 11वां दिन हो गया है, जो सात अप्रैल से केओसीपी परियोजना पदाधिकारी कार्यालय के द्वार पर प्रोविजनल नियुक्ति के लिए बैठी हैं। संयुक्त मोर्चा के नेताओं ने वरिष्ठ अधिकारियों की ओर से कोई पहल नहीं करने पर दुःख जताया है। बीसीकेयू के सचिव तुलसी रवानी ने बताया कि निरसा विधायक अरुप चटर्जी शुक्रवार को 10 बजे धरना स्थल पर आएंगे, जहां यूनियन के पदाधिकारियों ने उनसे सीमा मामले पर पहल करने का अनुरोध किया था।सीमा कुमारी के समर्थन में संयुक्त मोर्चा और बीसीकेयू के पदाधिकारी सक्रिय हैं

प्रधानखंता शिव मंदिर में चड़क पूजा के अवसर पर भव्य भोक्ता मेला आयोजित

शिव भक्तों ने शरीर में कील चुभोकर किया अनुष्ठान

शिव मंदिर में चड़क पूजा के अवसर पर भव्य भोक्ता मेला

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

बलियापुर : प्रधानखंता आयोजित हुआ। इस दौरान शिव भक्तों ने अपने शरीर में लोहे की कील चुभोकर नाचते-गाते मंदिर परिसर में घूमते रहे। यह अनुष्ठान देर शाम तक चलता रहा। चड़क पूजा के दौरान मेले का दृश्य आकर्षक बना रहा। इस आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और परंपरागत अनुष्ठानों का पालन किया। यह दौर देर शाम तक चलता रहा ।चड़क पूजा को लेकर दिन भर मेला का दृश्य बन रहा है। बुधवार को रात्रि को झूमर प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जिसमें सैकड़ो लोग झूमर का आनंद लिया। मौके पर पूर्व मुखिया कन्हाई बनर्जी विद्युत चक्रवर्ती, दरबारी मोहली, कृष्ण महतो तारा पद महतो राजकिशोर महतो अनिल महतो रमेश महेश गोराई प्रदीप महतो छोटू गोराई मानिक महतो सचिन मिश्रा मिलन चक्रवर्ती आदि मौजूद थे।

सीपीएम ने विस्थापन के खिलाफ संघर्ष तेज करने का किया निर्णय

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

सिंदरी : सीपीएम के धनबाद जिला सचिव मंडल के सदस्य विकास कुमार ठाकुर ने बताया कि पार्टी ने विस्थापन के खिलाफ संघर्ष में उतरने के लिए रणनीति बनाई है, जिसमें वरिष्ठ नेत्री बृंदा करात उपस्थित थीं।

धनबाद जिले में कोयला खनन से उत्पन्न समस्याओं जैसे विस्थापन, प्रदूषण, वन भूमि का गैरकानूनी अतिक्रमण और बढ़ती दुर्घटनाओं के खिलाफ पार्टी सिलसिलेवार तरीके से अभियान चलाकर तीखे आंदोलन में उतरेगी। बीसीसीएल ने खनन सहित वहां बसे हुए लोगों से निपटने का काम कुख्यात आउटसोर्सिंग कंपनी को दे दिया है, जो स्वीकृत कटिंग एरिया से बाहर अनाधिकृत खनन कर रही है।इन कंपनियों द्वारा खान सुरक्षा महानिदेशक के तय मापदंडों का उल्लंघन कर घनी आबादी वाले क्षेत्र में ब्लास्ट किया जा रहा है, जिससे बड़े पैमाने पर भूधसान हो रहा है। जेआरडीए द्वारा पुनर्वास के लिए बेलगडिया में बनाए गए घर अपर्याप्त हैं और वहां कोई नागरिक सुविधा नहीं है। बैठक में यह तय किया गया कि बेलगडिया की समस्याओं को लेकर जेआरडीए के यहां रिले धरना शुरू किया जाएगा। पार्टी की राष्ट्रीय वरिष्ठ नेत्री बृंदा करात ने कहा कि अब इस मुद्दे पर पहलकदमी लेकर आंदोलन की ठोस योजना बनाई जानी चाहिए। बैठक की अध्यक्षता पार्टी सचिव मंडल सदस्य शिव बालक पासवान ने किया। बैठक में पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव के अलावा पार्टी वरिष्ठ साथी गोपीकांत बक्सी, जिला सचिव संतोष कु घोष, पार्टी जिला के सहयोगी साथी सुजीत भट्टाचार्य, राम कृष्णा पासवान, मानस चटर्जी, विकास कु ठाकुर, भगवान दास पासवान, भारत भूषण, नौशाद अंसारी, राम बालक, सुरेंद्र पासवान, डी एस शुक्ला, राम वृक्ष धारी, प्रजा पासवान, कुंदन पासवान, मोहन भुइयां, सुरेश भुइंया, अशोक कुमार, देवाशीष वैद्य, मनोज पासवान उपस्थित थे।

आईआईएमयूएन संस्था ने डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई में आयोजित की सभा

छात्रों को वैश्विक ज्ञान व व्यक्तित्व विकास के लिए प्रेरित किया

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : आईआईएमयूएन संस्था ने गुरुवार को डीएवी मॉडल स्कूल सीएफआरआई में एक सभा का आयोजन किया। जिसमें आठवीं कक्षा से लेकर 12वीं कक्षा के लगभग 50 छात्रों ने भाग लिया। इस सभा की देखरेख विद्यालय की प्राचार्या महुआ सिंह ने की। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि इस प्रतियोगितात्मक परिवेश में विभिन्न नेताओं की भूमिका निभाकर और तात्कालीन एजेंडों पर चर्चा करके वे अपने वैश्विक ज्ञान का विकास कर सकते हैं। छात्रों को विभिन्न नेताओं की भूमिका निभाकर और तात्कालीन एजेंडों पर चर्चा करके अपने वैश्विक ज्ञान का विकास करने के लिए प्रेरित किया गया। प्राचार्या महुआ सिंह ने कहा कि आने वाले समय में यही छात्र-छात्राएं देश की बागडोर संभालेंगे, इसलिए उन्हें बढ़-चढ़कर भाग लेना चाहिए ताकि उनके व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास हो। उन्होंने कहा कि इन गतिविधियों में भाग लेकर छात्र स्वच्छ, स्वस्थ और शिक्षित राष्ट्र के सृजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेंगे।आई.आई.एम.यू.एन. संस्था से 450 विद्यालय, 180 शहर और 3000 विद्यार्थी जुड़े हुए हैं। यह संस्था छात्रों को वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने और नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जेएमएम का केंद्रीय अध्यक्ष बनने पर दी बधाई

नई पत्रवार्ता प्रतिनिधि

झरिया : जेएमएम के 13वें अधिवेशन में शिबू सोरेन को पार्टी का संस्थापक और संरक्षक बनाए जाने तथा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को केंद्रीय अध्यक्ष बनाए जाने पर झरिया नगर में जश्न का माहौल है। पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर अपनी खुशी जाहिर की और दोनों नेताओं को बधाई दी। बधाई देने वालों में धनबाद जिला उपाध्यक्ष बंटी,झरिया नगर अध्यक्ष फरीद मलिक, झरिया नगर उपाध्यक्ष शुभम वर्मा, कोषाध्यक्ष आसिफ गद्दी, राजन मोदी आदि थे।

नई पत्र वार्ता

संक्षिप्त खबर

साइबर ठगी के आरोप में एक कुमारधुबी से अपराधी गिरफ्तार

एक्सिस बैंक का अधिकारी बता केवाइसी अपडेट के नाम पर करता था ठगी

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : साइबर पुलिस को एक और बड़ी सफलता हाथ लगी है. एक्सिस बैंक का अधिकारी बता केवाइसी अपडेट के नाम पर लोगों से ठगी करनेवाले जीतू रविदास को गिरफ्तार किया है. आरोपी की गिरफ्तारी कुमारधुबी ओपी क्षेत्र अंतर्गत बर डंगाल गांव से की गई है. आरोपी के पास से तीन मोबाईल और पांच सिम कार्ड बरामद किया है. साइबर डीएसपी संजीव कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेस में बताया कि आरोपी के पास से बरामद हुआ सिम के विरुद्ध एनसीआरपी पोर्टल पर ठगी से संबंधित शिकायत दर्ज है. जिसके अकॉउंट नंबर को खंगालने पर यह मामला सामने आया कि आरोपी के द्वारा यूपी के एक व्यक्ति से 49 हजार 980 रु तथा बिहार के एक व्यक्ति से 37 हजार 873 रु की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया.उन्होंने बताया एसएसपी के निदेर्शानुसार छापामारी टीम का गठन कर पकड़ा गया. गिरफ्तार साइबर ठग बर डंगाल चिरकुंडा का निवासी है.

विजय झा ने पत्रकारों पर हुए हमले की कड़ी निंदा कर हमलावरों पर कार्रवाई की मांग की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : वियाडा के पूर्व चेयरमैन सह समाजसेवी विजय कुमार झा ने बुधवार को रणधीर वर्मा चौक पर प्रेस से जुड़े लोगों पर हुए हमला को घोर निंदनीय बताया. श्री झा ने प्रेस पर हमला यानी व्यक्ति के मौलिक अधिकार पर हमला और व्यक्ति के स्वतंत्रता पर हमला एवं अभिव्यक्ति के आजादी पर हमला बताया है. उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में ऐसे सभी अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए और दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए.

धनबाद में पत्रकारों पर हमला के खिलाफ काला बिल्ला लगाकर पत्रकारों ने रणधीर वर्मा चौक पर दिया धरना

एफआईआर दर्ज कर 24 घंटे में गिरफ्तारी की मांग पत्रकारों ने पुलिस से की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के भाई व पुत्रों के द्वारा पत्रकारों पर हमला के विरोध में गुरुवार को प्रेस क्लब धनबाद की ओर से पत्रकारों ने काला बिल्ला लगाकर रणधीर वर्मा चौक पर धरना प्रदर्शन किया. पत्रकारों के साथ मारपीट में शामिल जिला कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष के दो पुत्र, दो भाई पर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की गई. पार्टी से भी कार्रवाई की मांग की गई है. प्रेस क्लब के पदाधिकारियों ने कहा कि धनबाद थाना में उनके खिलाफ मामले दर्ज कराया गया है, जब तक रशीद राजा अंसारी पर कार्रवाई नहीं होगी उनके कार्यक्रम का बहिष्कार किया जाएगा. पत्रकारों के समर्थन में धनबाद विधायक राज सिन्हा भी पहुंचे.बता दे 16 अप्रैल को नेशनल हेराल्ड मामले में ईडी की कार्रवाई के खिलाफ कांग्रेसियों के द्वारा धनबाद के रणधीर वर्मा चौक पर प्रदर्शन कार्यक्रम था. जिसमें कांग्रेस के ही दो गुट आपस में भिड़ गए थे. रॉड,डंडा से जमकर मारपीट हुई. इस बीच कवरेज कर रहे पत्रकारों पर भी कांग्रेसियों ने हमला बोल दिया. कई फोटोग्राफर एवं पत्रकार के साथ मारपीट की गई. कई लोगों को गंभीर चोटे आयी. प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजीव कुमार झा ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए जिला प्रशासन से अविलंब दोषियों के खिलाफ एफआईआर की कार्रवाई कर जेल भेजने की मांग की. साथ ही कांग्रेस पार्टी के झारखंड प्रदेश हाईकमान से कार्यकारी जिलाध्यक्ष एवं उनके भाई और बेटों पर कार्रवाई की मांग की.

पुनः झारखंड में ब्लड डोनर रिप्लेसमेंट कार्ड डोनर कार्ड चालू करने पर जताया आभार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

निरसा : झारखंड भर के सक्रिय रक्तदान संगठनों एवं रक्तदान आयोजकों तथा रक्तवीरों का समन्वय झारखंड राज्य स्वैच्छिक रक्तदान संगठन कॉर्डिनेशन कमेटी के अपील पर हेमंत सरकार के द्वारा 6 साल बाद पुनः झारखंड में ब्लड डोनर रिप्लेसमेंट कार्ड डोनर कार्ड चालू करने पर आज आभार कार्यक्रम संगठन की ओर से आयोजित किया गया.रक्तदान जैसे महत्वपूर्ण विषय को लगातार माननीय मंत्री, मुख्यमंत्री एवं विभागीय पदाधिकारियों के समक्ष विभिन्न मुद्दों को उठाया. इस कड़ी में डोनर कार्ड का चालू होना राज्य के लिए महत्वपूर्ण सार्थक पहल है. लोगों से अपील में कहा कि सभी रक्तदान जरूर करें और दूसरों को प्रेरित करें.

रामपुर स्थित कतरी नदी में नमामि गंगे परियोजना सिवरेज सिस्टम काम को ग्रामीणों ने रोका

बाघमारा अंचलाधिकारी व कतरास थानेदार ने ग्रामीणों से की वार्ता, ग्रामीणों को दिया दो दिनों का समय

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : बाघमारा प्रखंड अंतर्गत रामपुर के कतरी नदी में नमामि गंगे परियोजना के तहत गुरूवार को सिवरेज सिस्टम का कार्य करने आयी कंपनी विश्वराज के कर्मियों का घंटों ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए कार्य शुरू नही होने दिया. बाघमारा सीओ बाल किशोर महतो, कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और पुलिस फोर्स की तैनाती करवाया गया. रामपुर में सिवरेज प्लांट बैठाने को लेकर दोपहर 1.45 बजे जेसीबी से कार्य शुरू किया गया तो स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध जताते हुए कार्य रोक दिया. इधर बाघमारा सीओ बाल किशोर महतो एवं कतरास थाना प्रभारी असित कुमार सिंह यहां पहुंचे और ग्रामीणों से वार्ता की. पुलिस प्रशासन ने विवादित जमीन को छोड़कर सरकारी जमीन पर कार्य करने का आदेश दिया. इधर ग्रामीण दो दिन का समय मांगा ताकि जमीन संबंधित कागजात दे सकें. यहां 2 एकड़ की जमीन पर ग्रामीण अपना दावा कर रहे हैं.हुडको के द्वारा मध्य प्रदेश की कंपनी विश्वराज को 4.59 करोड़ का पांच जगहों पर अवरोधन और डायवर्सन का काम मिला है.रामपुर में कतरी नदी पानी स्वच्छ करने के लिए 5 एकड़ 90 डिसमिल सरकारी जमीन पर कार्य होगा, यहां सिवरेज प्लांट लगेगा.मौके पर एनआरइपी के जेई एजाज अहमद समेत हुडको के कर्मी मौजूद थे.रामपुर निवासी ग्रामीण मो. युसूफ ने बताया कि दो एकड़ की जमीन आजादी से पहले 1937 तक की रशीद उसके पास है.

गैर आबाद जमीन हुडको को ट्रांसफर

यहां गैर आबाद जमीन हुडको को ट्रांसफर हो चुकी है.कुछ ग्रामीण रैयती जमीन का दावा कर कार्य रोका था, जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है.

बालकिशोर महतो, सीओ, बाघमारा प्रखंड।

डीडीसी ने की अबुआ आवास व पीएम आवास योजना की समीक्षा

धीमी प्रगति पर जताई कड़ी नाराजगी

आवास पूरा कराने के लिए बीडीओ को दिया लक्ष्य

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : उप विकास आयुक्त सादात अनवर ने गुरुवार को अबुआ आवास तथा प्रधान मंत्री आवास योजना (ग्रामीण) की समीक्षा की.समीक्षा के क्रम में योजनाओं की धीमी प्रगति पर उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त की तथा सभी प्रखंड विकास पदाधिकारियों को आवास पूरा कराने के लिए लक्ष्य निर्धारित किया.समीक्षा के क्रम में उप विकास आयुक्त ने पाया कि अबुआ आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2023-24 में लाभुकों को तृतीय किस्त प्राप्त होने के बाद 2077 के द्वारा लिंटल स्तर का कार्य नहीं किया गया हैं. इसमें कार्य योजना बनाते हुए, साप्ताहिक प्रगति हेतु आवास पूर्ण कराने हेतु लक्ष्य आवंटित किया गया. साथ ही प्रथम किस्त प्राप्त के विरुद्ध आवास पूर्णता में प्रगति लाने का निर्देश दिया.वहीं अबुआ आवास योजना में वित्तीय वर्ष 2024-25 में लाभुकों को प्रथम किस्त प्राप्त होने के बाद 5054 के द्वारा प्लिंथ स्तर का कार्य नहीं किया गया हैं. जिसमें प्रगति के लिए कारवाई करने का निर्देश दिया. साथ ही द्वितीय किस्त प्राप्त के विरुद्ध लिंटल स्तर के कार्य में भी प्रगति लाने का निर्देश दिया. उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण की वित्तीय वर्ष 2024-25 में स्वीकृति एवं प्रथम किस्त में प्रगति की समीक्षा की. जिसमें देखा गया कि बाघमारा, गोविंदपुर, तोपचांची और बलियापुर में रिमांड की सूची पूर्ण नहीं प्राप्त हुई है. साथ ही अब तक 1750 लाभुकों को प्रथम किस्त का भुगतान नहीं किया गया हैं. इसमें बाघमारा, गोविंदपुर, बलियापुर और निरसा प्रखंड में काफी धीमी प्रगति है. इस पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताई.बैठक में उप विकास आयुक्त सादात अनवर, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन, परियोजना पदाधिकारी मनोज कुमार, जिला समन्वयक सुशांत कुमार, सभी प्रखंड के प्रखंड विकास पदाधिकारी, प्रखंड समन्वयक, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी मौजूद थे.

जेएसएससी आयोग के जारी कैलेंडर का जेटेट ने किया विरोध

नियुक्ति के लिए आंदोलन की रूपरेखा तैयार करने की मांग की

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबाद : 26001 पदों पर सहायक आचार्यों की नियुक्ति परीक्षा देनेवाले धनबाद के जेटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थी जेएसएससी के जारी कैलेंडर का विरोध कर रहे हैं.धनबाद के गोल्फ ग्राउंड में सभी ने सहायक आचार्य संघ के प्रदेश अध्यक्ष परिमल कुमार के नेतृत्व में बैठक कर आंदोलन की रूप रेखा तैयार की.परिमल कुमार ने बताया कि 20 अप्रैल के बाद राज्य भर में जोरदार आंदोलन होगा.बैठक में सर्वसम्मति से संघ ने जिले के सभी जेटेट उत्तीर्ण अभ्यर्थियों को संगठित रखते हुए प्रदेश कमेटी के दिशा निदेशों के अनुरूप कार्य करने का निर्णय लिया गया है.

झींझीपहाड़ी पंचायत के किसानों को खेती के लिए पानी व बिजली के लिए स्थल का किया निरीक्षण

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरासः कतरास क्षेत्रीय प्रबंधन की टीम ने गुरुवार को झींझीपहाड़ी पंचायत में खेती के लिए बिजली व पानी की समस्या के लेकर स्थल का निरीक्षण किया. निरीक्षण का मांग विस्थापित संघर्ष मोर्चा ने पूर्व में किया था. टीम में बीसीसीएल भू-संपदा प्रबंधक उमेश वर्मा, क्षेत्रीय अभियंता विकास कुमार आदि थे. टीम के द्वारा झींझीपहाड़ी पंचायत में खेती के लिए बिजली एवं पानी को लेकर निरीक्षण किया गया. विस्थापित संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष सह आजसू पार्टी के केंद्रीय सचिव अमरदीप महतो ने कहा कि पूर्व के मांगों को लेकर प्रबंधन की टीम द्वारा झींझीपहाड़ी पंचायत एवं विस्थापित गांव न्यू केशलपुर, न्यू कांटा पहाड़ी, बूढ़ा बाबा मंदिर का निरीक्षण किया गया है. जिसमें झींझीपहाड़ी में खेती के लिए पानी एवं बिजली को लेकर जगह चिन्हित किया है, उम्मीद है कि शीघ्र ही झींझीपहाड़ी पंचायत में बीसीसीएल का बिजली एवं पानी आएगा. जिससे खेती के लिए चार डिप बोरिंग कराया जाएगा.बिजली के ट्रांसफार्मर एवं एक किलोमीटर तक का तार लगाने का बातें हुई है. पुनर्वास गांव न्यू केशलपुर एवं न्यू कांटा पहाड़ी में बीसीसीएल का विद्युत तार,पोल और ट्रांसफार्मर लगाने पर सहमति बनी है. न्यू कांटा पहाड़ी में 500 मीटर का सड़क निर्माण, एवं कमल महतो दुकान से काली मंदिर तक कवर डेम बनाने की बात हुई है. यहां के किसानों व विस्थापितों को इसका लाभ मिलेगा. मौके पर झींझीपहाड़ी पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि गणेश महतो, पूर्व उप मुखिया सतीश महतो, शंकर महतो, अमित दुबे, कार्तिक महतो, बीरू महतो, उत्तम बाउरी, उपेंद्र विश्वकर्मा आदि मौजूद थे.

एआईआरएफ ने ट्रैक मेंटेनर की समस्याओं को जोर शोर से उठाया

रेलवे बोर्ड के साथ एआईआरएफ की दो दिवसीय पीएनएम बैठक रेल भवन प्रारंभ

इसीआरकेयू का प्रतिनिधिमंडल भी बैठक में हुए शामिल

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

धनबादः रेलवे बोर्ड के साथ आल इंडिया रेलवेमेंस फेडरेशन की दो दिवसीय पीएनएम बैठक रेल भवन नई दिल्ली में प्रारंभ हुई. बैठक में रेलकर्मियों के पक्ष का संचालन एआईआरएफ के महामंत्री शिव गोपाल मिश्रा कर रहे हैं तथा इसीआरकेयू की ओर से महामंत्री एसएनपी श्रीवास्तव, कार्यकारी अध्यक्ष एसएसडी मिश्रा तथा धनबाद मंडल से अपर महामंत्री मो. ज्याउद्दीन भाग ले रहे हैं. प्रशासनिक पक्ष की अध्यक्षता रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार ने किया. बैठक के पहले दिन ही का. मिश्रा ने ट्रैक मेंटेनर की विभिन्न समस्याओं को जोरदार तरीके से रखा और बताया कि कई वर्षों से फेडरेशन ट्रैक मेंटेनर की अनेकों समस्याओं को प्रशासन के समक्ष प्रस्तुत करता रहा है, लेकिन सरकार और रेल मंत्रालय द्वारा अभी तक कुछ नहीं किया जाना काफी अफसोस जनक है. उन्होंने ट्रैक मेंटेनर की विभिन्न मांगों को विस्तार से रखा और निराकरण की मांग की. उक्त जानकारी देते हुए जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा और मीडिया प्रभारी एनके खवास ने विभिन्न मांगों की जानकारी दी. कीमैन के कार्य पद्धति का आधुनिकीकरण किया जाए. की मैन के सुरक्षा के दृष्टिकोण से भारतीय रेलवे पी वे मैन्युअल में आवश्यक संशोधन किया जाए.कार्य के दौरान ट्रेन से रन ओवर से बचाव के लिए ट्रैक मेन्टेनर को रक्षक उपकरणों की आपूर्ति की जाए.की मैन के लिए मेडिकल मानक को अपग्रेड कर ए-3 तथा इससे ऊपर किया जाए.गेटमैन की तरह कीमैन को अतिरिक्त रिस्क एलाउंस दिया जाए आदि मांगों को रखा गया.

ब्लॉक दो पोखरिया में गिरने से युवक की मौत मामले में युडी केस दर्ज

सासंद व विधायक ने आपदा प्रबंधन से मुआवजा दिलाने का दिया आश्वासन

थाना प्रभारी ने एक लाख रुपये मुआवजा देने के बाद जाम हटा

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

बाघमारा : ब्लॉक दो एबीओसीपी के बेनीडीह कोलडंप स्थित पोखरिया में गिरने से युवक राजेश कुमार रविदास की मौत के मामले में बाघमारा पुलिस मृतक के पिता राजू रविदास के लिखित शिकायत के आधार पर युडी केस दर्ज कर लिया है. हिरासत में लिए गए मृत युवक के दोनों साथियों को पुछताछ के बाद छोड़ दिया. गुरूवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर पुलिस परिजनों को सौंप दिया. वहीं मुआवजे को लेकर कोलियरी का चक्का जाम किये परिजन देर रात आश्वासन के बाद जाम हटा लिया. खबर पाकर धनबाद सासंद ढुल्लू महतो एवं विधायक शत्रुघ्न महतो भी धरना स्थल पर पहुंचे. विधायक एवं सांसद ने परिजनों को आपदा प्रबंधन से मुआवजा दिलाने एवं एक आश्रित को निजी कंपनी में रोजगार दिलाने का आश्वासन दिया. वहीं थाना प्रभारी चिरंजीत प्रसाद द्वारा समाजसेवियों के मदद से एक लाख रुपये मुआवजा देने के बाद लोगों ने धरना समाप्त कर दिया. इसके बाद पुलिस शव को अपने कब्जे में लिया.

कोलडंप में सुरक्षा व्यवस्था टाइट- इधर इस घटना के बाद बेनीडीह कोलडंप में बीसीसीएल प्रबंधन ने सुरक्षा व्यवस्था टाइट कर दिया है. मजमा बनाकर अनाधिकृत रूप कोलडंप में प्रवेश करने वालों पर सीआईएसएफ जवान सख्ती से निपटने की तैयारी कर ली है. देर रात कोलडंप में छोटे- छोटे बच्चे भी कोयला चुनने के लिए पहुंचते है. कोलडंप से गुजरी हॉलरोड़ पर बड़ी- बड़ी गाडियों का परिचालन होता है ऐसे में दुर्घटना होने की संभावना को देखते हुए सीआईएसएफ जवानों की गश्ती भी तेज कर दी है. ड्यूटी पर तैनात जवान को समय- समय पर सायरण बजाकर लोगों को सचेत करने की सख्त आदेश दिया गया है.

ग्लोबल ग्रोथ फाउंडेशन ऑफ इंडिया को मिला जेएसडब्ल्यू टाइम्स ऑफ इंडिया का प्रतिष्ठित पुरस्कार

नई पत्र वार्ता प्रतिनिधि

कतरास : धनबाद स्थित ग्लोबल ग्रोथ फाउंडेशन ऑफ इंडिया जीजीएफआइ को जेएसडब्ल्यू ग्रुप और टाइम्स ऑफ इंडिया की ओर से पर्यावरण संरक्षण और महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मुंबई में आयोजित 12 अर्थ केयर पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया गया. यह सम्मान पाने वाली जीजीएफआइ झारखंड की पहली संस्था बन गयी है. संस्था के चेयरमैन सुमित कुमार ठाकुर, अर्पिता चट्टराज, जॉय मजूमदार, संजीत दत्ता ने इस उपलब्धि का श्रेय संस्था के समर्पित कार्यकताओं और सहयोगियों को दिया. उन्होंने विशेष रूप से मैथन पावर लिमिटेड एमपीएल के निरंतर सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया. जिसके बिना यह सफलता संभव नहीं थी.

पर्यावरण और महिला सशक्तिकरण में अग्रणी भूमिका

जीजीएफआइ ने झारखंड में हरित पहल, जल संरक्षण, महिला शिक्षा और स्वरोजगार प्रशिक्षण जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से उल्लेखनीय कार्य किया है.

इस पुरस्कार से संस्था के प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है. समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने जीजीएफआइ के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि यह संस्था न केवल झारखंड बल्कि पूरे देश के लिए एक मिसाल है. स्थानीय समुदाय और प्रशासन ने भी इस उपलब्धि पर संस्था को बधाई दी है.

नई पत्र वार्ता पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक *राज किशोर सिन्हा के द्वारा डी.बी. कॉर्प लिमिटेड, भास्कर प्रिंटिंग प्रेस गोविंदपुर मेन रोड, अशोकनगर के जी आश्रम, धनबाद से मुद्रित एवं छठ तालाब विकास नगर कतरास रोड,धनबाद से प्रकाशित। फोन न.7004113115, 9334368784, 7004500339, 7004893985. प्रधान संपादक : अनुज कुमार सिन्हा। *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। निदेशक अनस रहनुमा। ई-मेल - naipatrawartajharkhand@gmail.com.आर.एन.आई नं.JHAHIN/2015/63780.